2005|06 Annual Report

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
खण्ड–क, भू–तल विश्वकर्मा भवन,
शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली – 110016

Government of India
Department of Science & Technology
Ministry of Science & Technology
Wing-A, Ground Floor, Vishwakarma Bhawan,
Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016

वर्ष जो था

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) को वर्ष 2005-06 में विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ 19 करार किए जिनमें प्रारंभिक सहायता के लिए प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर्स के साथ 5 करार भी शामिल हैं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ जो 14 करार किये गये उनमें 216.26 करोड़ रूपये का कुल परियोजना परिव्यय निहित है इसमें टीडीबी की 73.45 करोड़ रूपये की प्रतिबद्धता शामिल है। टीडीबी की सहायता के अंतर्गत सभी क्षेत्र शामिल हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, इंजीनियरी, कृषि, उर्जा एवं अपशिष्ट उपयोग, दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी । यह परियोजनाएं वर्ष के दौरान 16 राज्यों/ संघ क्षेत्रों में चल रही थी।

टीडीबी इस बात को मानता है कि प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और लाभकारी वाणिज्यीकरण महत्वपूर्ण घटक है । टीडीबी ने इनक्यूबेटर्स की शुरूआत के लिए प्रारंभिक सहायता प्रणाली में भाग लेने का निर्णय लेकर विकासोन्मुखी पहल की। इन्क्यूबेटर्स मालिकों को वित्तीय सहायता से उन्नयन एवं संबंधित कार्य वाली प्रौद्योगिकी के लिए प्रारंभिक स्तर की सहायता की पूर्ति होगी । अंतत इससे इन्क्यूबेटर्स द्वारा एक इन्क्यूबेन फण्ड बनाने में मदद मिलेगी, यह सफल वाणिज्यिक उद्यमों को आगे बढ़ाने के अलावा तकनीकी उद्यमियों के लिए कार्य शुरू करने का एक मंच भी प्रदान करता है।

टीडीबी ने एपी आईडीसी वेंचर कैपिटल के साथ एक करार पर हस्ताक्षर करके नई पहलों का निर्णय लिया है जिससे टीडीबी जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में इक्विटी में सह निवेश करने में समर्थ होगा और अपनी पहुंच को व्यापक बनाने तथा अपना निवेश कई गुना बढ़ाने की दृष्टि से इसने ऐसेंट इंडिया फंड में भागीदारी हेतु यूटीआई उद्यम निधि के साथ एक अन्य करार पर हस्ताक्षर किये हैं।

वर्ष के दौरान टीडीबी द्वारा सहायता प्राप्त महत्वपूर्ण उत्पाद और सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं

मैसर्स गुंजन पेन्टस लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा वस्त्रों की पिगमेंट प्रिंटिंग (रंजक-छपाई) के लिए कृत्रिम थिकनर का विनिर्माण । यह प्रौद्योगिकी रंजक छपाई में मिट्टी तेल के स्थान पर कृत्रिम थिकनर का उपयोग करने पर आधारित है ।

मै0 एन.लोग कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमि. चेन्नई द्वारा इ-गवर्नेन्स के लिए ग्रामीण और छोटे नगरों के लिए कम्प्यूटर और इंटरनेट के साथ कियोस्क (खोखों) की स्थापना ।

मैं0 ग्लैण्ड फार्मा लिमि0 हैदराबाद द्वारा निम्न अणुभार वाले (एलएमडब्ल्यू) हेपारिन्स डाल्टेपेरन और नेड्रोपैरियन का विकास और उत्पादन ।

मैं0 इंड- स्विफ्ट लेबोरेटरीज लिमिटेड, चण्डीगढ़ द्वारा एक्टिव फार्मा इनग्रेडियंटस (एपीआई)लेट्रोजोल और एनास्ट्राजोल का विकास, परीक्षण और वाणिज्यीकरण।

लाल, हरी और नीली रोशनी देने वाले तीनों प्रकार के लेड का उपयोग करके मै0 एमआईसी इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड द्वारा लेड आधारत ट्रू कलर डे/ नाइट डिस्प्ले सिस्टम का उत्पादन ।

मै0 ए वी प्रोसेसर्स लिमि0, मुंबई द्वारा अंबरनाथ, महाराष्ट्र में स्वचालित निरंतर गामा किरण स्टेरीलाइजेान संयंत्र ।

मैं0 जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नालाजीज लिमिटेड बंगलौर द्वारा उद्यम एवं दूरसंचार अनुप्रयोगों के लिए प्राकृतिक भाषा संरचना प्रौद्योगिकी का विकास एवं वाणिज्यीकरण ।

मैं0 स्ट्राइडस ऐक्रोलेब लिमिटेड द्वारा साइक्लोस्फोरिन साफ्ट जिलेटिन कैप्सूल्स का विकास एवं वाणिज्यीकरण।

The Year That Was

The Technology Development Board (TDB) concluded 19 agreements with various industrial concerns which includes 5 agreements with Technology Business Incubators for seed support, in the year 2005-06. 14 agreements with industrial concerns involved a total project outlay of Rs. 216.26 crore. This included a commitment of Rs. 73.45 crore by TDB. TDB's support covers all sectors namely, Health and Medical, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology. The projects are spread over 16 States/Union Territory during the year.

TDB recognizes that technological innovation and profitable commercialization are critical components. TDB took a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators. The financial assistance, to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. Eventually it would facilitate building up an Incubation Fund by the incubators. This provides a launch platform for technopreneurs apart from giving leads for successful commercial ventures.

TDB has decided new initiatives by signing an agreement with APIDC Venture Capital that would enable TDB to co-invest in equity in biotechnology sector and signed another agreement with UTI Venture Fund for participation in the Ascent India Fund with a view to widen its reach and leverage its investment manifold.

The significant products and services assisted by TDB during the year include:

Manufacture of synthetic thickener for pigment printing of textiles by M/s. Gunjan Paints Limited, Ahmedabad. The technology is based on substitution of kerosene in pigment printing by synthetic thickener.

Setting up kiosks with computer and internet for rural and small towns for e-governance by M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai.

Development and production of Low Molecular Weight (LMW) Heparins: Dalteparin and Nadroparin' by M/s Gland Pharma Limited, Hyderabad.

Development, testing and commercialisa-tion of Active Pharma Ingredients (API), Letrozole and Anastrozole by M/s Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh.

Production of LED based True Color Day / Night Display System by M/s MIC Electronis Limited using all the three types of LED emitting red, green and blue light.

Automatic continuous Gamma ray sterilization plant in Ambernath, Maharashtra by M/ s A.V.Processors Limited, Mumbai.

Development and commercialization of Natural Language Framework Technology for Enterprise and Telecom Applications by M/s. Geneva Software Technologies Limited, Bangalore.

Development and commercialization of Cyclosporine soft gelatin capsules by M/s Strides Acrolab Limited.

क्षेत्रीय भाषाओं में तीन तरह के चेतावनी संकेत भेजने की एक प्रणाली के विकास के लिए मैं0 जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नोलाजी लिमिटेड, बंगलौर द्वारा पायलट स्केल पर प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली का विकास ।

भारत के वित्त मंत्र श्री पी.चिदंरबरम ने 'अशोक' होटल, नई दिल्ली में 11 मई, 2005 को आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की । मुख्य अतिथि ने बनयान नेटवर्क्स, ब्रोड बैण्ड डिवीजन, मैं0 मिडास कम्यूनिकोलन टेक्नालाजीज प्राइवेट लिमि0, चेन्नई और आई.आई.टी मद्रास, चेन्नई को ब्रोड-बेस्ट एक्सेस, टेक्नालाजी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए संयुक्त रूप से 10 लाख रूपये का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया । उन्होंने मछली के तेल से ओमेगा 3 फैटी एसिड निकालने के लिए मैं0 अर्जुन नेचुरल एक्सटैक्ट्स लिमिटड, अलवाई और हल्के भार के अमोर्फस सिलिका उत्पाद के लिए मै0 वालेथ हाइटैक कम्पोजिट्स (प्रा0) लिमि0, चेन्नई नामक दोनों लघु उद्योग इकाइयों को दो-दो लाख रूपये और ट्राफी भी प्रदान की ।

11 मई, 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस पुरस्कार समारोह में बोलते हुए श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वंतत्र भार) ने बताया कि प्रौद्योगिकी आयात पर लगाया गया उपकर टीडीबी को संसाधन के रूप में वापस होगा । वर्ष 1997-98 में इसकी स्थापना से लेकर 916 करोड़ रूपये की कुल धनराशि रकम की गई है और इसे भारत की समेकित निधि में जमा किया गया है । इस धन राशि में से अभी तक टीडीबी को 435 करोड़ रूपये की धनराशि आबंटित की गई है । बढ़ते हुए उत्तरदायित्वों के साथ टीडीबी की बजटीय सहायता में वृद्वि करने की जरूरत है। टीडीबी को मिलने वाली निधियों में यह सुनिचत करके सुधार लाया जा सकता है कि उपकर से एकित्रत धनराशि पूर्ण रूप से टीडीबी को आबंटित की जाय। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम ने कहा कि नवोन्मेषी परियोजनाओं की सहायता के लिए टीडीबी का आबंटन बढ़ाकर वित्तीय सहायता प्रदान करने की कमी की वह प्रतिपूर्ति करेंगे ।

Development of Natural Disaster Information System on pilot scale by M/s Geneva Software Technology Limited, Bangalore to evolve a mechanism to send three types of warning signals in regional languages.

The Finance Minister of India, Shri P. Chidambaram, presided over as the Chief Guest at the Technology Day function held on 11th May 2005 at 'The Ashok', New Delhi. The Chief Guest presented the National Award of Rs. 10 lakh to Banyan Networks, Broadband Division of M/s Midas Communication Technologies Private Limited, Chennai, and IIT-Madras, Chennai jointly for development and commercialisation of Broadbased Access Technology. He also presented Rs. 2 lakh and a trophy each to the SSI units, M/s Arjuna Natural Extracts Limited, Alwaye for extraction of Omega 3 fatty acid from fish oil and M/s Valeth Hightech Composites (P) Limited, Chennai for light weight amorphous silica product.

While speaking on the Technology Day Award function on 11th May 2005, Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent charge) for Science & Technology and Ocean Development stated that cess levied on import of technology and this was supposed to flow back to the TDB as a resource. Since its inception in 1997-98, a total amount of Rs. 916 crore has been collected and deposited in the Consolidated Fund of India. Of this amount, TDB has been allocated Rs. 435 crore so far. With increasing responsibilities, TDB requires enhancement in budgetary support. Flow of funds to TDB may be improved by ensuring that the money collected through the cess is fully committed to TDB. The Union Minister of Finance, Shri P. Chidambaram stated that he would make good the shortfall in providing financial support to TDB by enhancing the allocation to TDB for supporting innovative projects.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए निधि सृजन का प्रावधान है। इस निधि द्वारा सरकार से अनुसंधान तथा विकास अधिनियम, 1986, 1995 में यथा संशोधित के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। निधि की राशि के निवेश से प्राप्त आय और निधि द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को निधि में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए निधि को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996 - 2006 के दौरान आर एण्ड डी उपकर से एकत्रित कुल 1,092.60 करोड़ रू. में से सरकार द्वारा टी डी बी को 10 वर्षों (1996 - 2006) की अवधि में 478.10 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई। यह 10 वर्षों में आर एण्ड डी उपकर से एकत्रित राशि का 43.76 % है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करने अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में उपलब्ध है; आपवादिक मामलों में यह अनुदान भी हो सकता है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50% तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5% साधारण ब्याज लिया जाता है। विकल्प के रूप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत के 25% से अधिक न हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में दी जा सकती है।

टी डी बी को वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। परियोजना सहायता हेतु आवेदनों को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में परियोजनाएं कार्यान्वित करने के लिए स्वीकार किया जाता है। टी डी बी द्वारा कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा वचनबद्धता शुल्क नहीं लिया जाता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित प्रपत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टी डी बी से निःशुल्क या टी डी बी वेबसाइट (www.tdbindia.org) से प्राप्त की जा सकती है। टी डी बी द्वारा योजना को प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों, चैंबर आफ कामर्स औद्योगिक एसोसिएशनों, आर एण्ड डी संस्थानों आदि के साथ विभिन्न मंचों में भागीदारी के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाता है।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान टी डी बी द्वारा इंक्यूबेटरों/ विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्कों (एस टी ई पी

An Overview

The Government of India constituted the Technology Development Board in September 1996, under the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enables creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

Of the total of Rs. 1,092.60 crore from R&D cess collection during the year 1996-2006, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.478.10 crore over the period of 10 years (1996-2006). This works out 43.76% of the R&D cess collection made in 10 years.

The mandate of the Technology Development Board (TDB) is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity; in exceptional cases, it may be grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. In the alternative, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum up to 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of an industrial concern.

TDB receives applications for financial assistance throughout the year. Applications for project assistance are accepted for implementing projects in all sectors of the economy. TDB does not levy any administrative, processing or commitment charges. The industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB has to apply in the prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdbindia.org). TDB gives wide publicity to the scheme through print media advertisements, participation in various platforms with Chamber of Commerce, industrial associations, R&D institutions etc.

During the year 2005-06, TDB signed 19 agreements with 14 industrial concerns and 5

- टी बी आई) के स्टार्ट - अप्स के लिए 14 औद्योगिक इकाइयों और 5 सीड सहायता प्रणाली के साथ 19 करारों पर हस्ताक्षर किए गए। 14 औद्योगिक इकाइयों के लिए 216.26 करोड़ रू. की कुल परियोजना लागत की तुलना में टी डी बी द्वारा 68.45 करोड़ रू. का ऋण उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, टी डी बी द्वारा 5 एस टी ई पी - टी बी आई के लिए 5 करोड़ रू. का वादा किया गया। यह वर्ष के दौरान लागू किये गये व रद्द किये गये एक करार के अतिरिक्त है।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान, टी डी बी द्वारा चल रही तथा नई परियोजनाओं के लिए 89.23 करोड़ रू. की राशि का संवितरण किया गया। इसमें 38.38 करोड़ रू. ऋण के रूप में, 4.80 करोड़ रू. अनुदान के रूप में और 46.05 करोड़ रू. यू टी आई वी एफ तथा ए पी आई डी सी - वी सी एल के लिए उनकी निधियों में से विकासोन्मुखी परियोजनाओं में निवेश हेतु शामिल है।

31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 2515.15 करोड़ रू. की कुल परियोजना लागत युक्त 160 करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें से टी डी बी की वचनबद्धता 734.89 करोड़ रू. की है जिसके विरूद्ध टी डी बी द्वारा 615.642 करोड़ का संवितरण कर दिया गया है।

Seed Support System for Start-ups in Incubators/ Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEP-TBI). For the 14 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 68.45 crore as against the total project cost of Rs. 216.26 crore. In addition, TDB committed Rs. 5 crore for the 5 STEP-TBIs. This excludes one agreement excuted and cancelled during the year.

During the year 2005-06, TDB disbursed a sum of Rs. 89.23 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 38.38 crore as loan, Rs. 4.80 crore as grant and Rs. 46.05 crore to UTIVF and APIDC-VCL for investment in growth oriented projects through their funds. As on 31st March 2006, TDB has signed 160 agreements (since its inception in 1996) with the total project cost of Rs. Rs. 2515.15 crore involving TDB's commitment of Rs. 734.89 crore against which TDB had disbursed Rs. 615.642 crore.

श्री पी चिदंबरम, भारत के माननीय वित्त मंत्री, 11 मई, 2005 को मेसर्स मिदास कम्यूनिकेशन टैक्नोलोजीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के ब्राड बैंड प्रभाग, बनयान नेटवर्क्स के श्री एस एस मोटिलाल को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए

Shri P. Chidambaram , Finance Minister of India, presenting the National Award to Shri S.S. Motial of Banyan Networks, Broadband Division of M/s. Midas Communication Technologies Private Limited, Chennai on 11-May 2005

श्री पी चिदंबरम, भारत के माननीय वित्त मंत्री, 11 मई, 2005 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - मद्रास, चैन्नई के प्रो. भास्कर रामामूर्ति को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए

Shri P. Chidambaram , Finance Minister of India, presenting the National Award to Prof. Bhaskar Ramamurthi of Indian Institute of Technology-Madras, Chennai on 11-May 2005

श्री पी चिदंबरम, भारत के माननीय वित्त मंत्री 11 मई, 2005 को मेसर्स अर्जुन नैचुरल एक्सट्रेक्ट्स लिमिटेड, अलवाई के श्री पी जे कंजचन को एस एस आई इकाई के लिए पदक (ट्राफी) प्रदान करते हुए

Shri P. Chidambaram, Finance Minister of India, presenting the trophy for the SSI unit to Shri P.J. Kunjachan of M/s. Arjuna Natural Extracts Limited, Alwaye on 11th May 2005

श्री पी. चिदंबरम, भारत के माननीय वित्त मंत्री 11 मई, 2005 को मैसर्स वैलेथ हाईटेक कम्पोजिट्स (प्रा.) लिमिटेड, चेन्नई के श्री पीटर पी. वैलेथ को एस एस आई इकाई के लिए पदक (ट्राफी) प्रदान करते हुए।

Shri P. Chidambaram, Finance Minister of India, presenting the trophy for the SSI unit to Shri Peter P. Valeth of M/s. Valeth Hightech Composites (P) Limited, Chennai on 11th May 2005

वित्तीय सहायता की प्रणालियां

निम्नलिखित तालिका द्वारा 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसर टी डी बी द्वारा उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता की प्रणालियों को दर्शाया गया है।

क्षेत्र-वार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता में अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया है। निम्नलिखित तालिका में टी डी बी द्वारा वर्ष 1997 - 2006 (टी डी

वित्तीय सहायता की प्रणालियां

(करोड़ रूपये में)

प्रणालियां	टी डी बी द्वारा स्वीकृत राशि*	टी डी बी द्वारा वितरित राशि
ऋण	516.13	447.88
इक्विटी	24.36	24.36 **
अनुदान	64.40	61.10
अन्य		
आई टी वी यू एस - यू टी आई	25.00	25.00
यू टी आई वी एफ - ए आई एफ	75.00	39.30
ए पी आई डी सी वी एफ	30.00	18.18
	130.00	82.00
कुल	**734.89**	**615.82**

** टी डी बी द्वारा स्वीकृत राशि को 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, पहले रोक दिए जाने और रद्द कर दिए जाने के कारण संशोधित किया गया है।

* इसमें निक्को कार्पोरेशन को 18.46 करोड़ रू. के ऋण को मार्च, 2004 में " क्युम्यूलेटिव रिडिमेबल प्रिफरेंस शेयर्स" में बदला जाना शामिल है (इस प्रकार ऋण को घटाया गया)।

क्षेत्र-वार कवरेज: 1997-2006

करोड़ रूपये में

Sl. No	क्षेत्र	करारों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा स्वीकृति राशि
1.	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	42	640.81	188.04
2.	इंजीनियरी	35	303.78	99.42
3.	केमिकल्स	16	112.89	36.18
4.	कृषि	15	77.98	24.52
5.	ऊर्जा एवं अपशिष्ट अनुप्रयोग	7	104.91	47.23
6.	दूर - संचार	7	55.56	20.73
7.	सड़क परिवहन	10	527.04	81.20
8.	हवाई परिवहन	2	142.10	67.80
9.	सूचना प्रौद्योगिकी	17	81.25	34.27
10.	अन्य			
	उद्यम निधियों सहित	4	463.83	130.50
	एस टी ई पी - टी बी आई	5	5.00	5.00
		9	468.83	135.50
	कुल	**160***	**2515.15**	**734.89**

* (इसमें टी डी बी द्वारा बगैर कोई राशि जारी किए रद्द किए गए 8 करार शामिल नहीं हैं)।

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB as on 31st March 2006.

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects financially

Modes of Financial Assistance (Rupes in crore)

Instruments	Sanctioned by TDB	Disbursement by TDB
Loans	516.13	447.88
Equity	24.36*	24.36*
Grant	64.40	61.10
Others		
ITVUS - UTI	25.00	25.00
UTIVF - AIF	75.00	39.30
APIDC VF	30.00	18.18
	130.00	82.00
Total	**734.89**	**615.82**

** *The sanctioned amount by TDB has been revised as on 31st March 2006 due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.*

* *Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore to Nicco Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).*

Sector-wise Coverage 1997-2006 (Rupes in crore)

Sl. No	Sector	Number of Agreements	Total cost	Sanctioned by TDB
1.	Health & Medical	42	640.81	188.04
2.	Engineering	35	303.78	99.42
3.	Chemicals	16	112.89	36.18
4.	Agriculture	15	77.98	24.52
5.	Energy & Waste utilisation	7	104.91	47.23
6.	Tele-communication	7	55.56	20.73
7.	Road Transport	10	527.04	81.20
8.	Air Transport	2	142.10	67.80
9.	Information Technology	17	81.25	34.27
10.	Others			
	Including Venture funds	4	463.83	130.50
	STEP-TBI	5	5.00	5.00
		9	468.83	135.50
	Total	**160**	**2515.15**	**734.89**

* *(Excludes 8 agreements cancelled by TDB without any release.)*

बी का गठन सितम्बर 1996 में किया गया और परियोजना का वित्तपोषण 1997 - 98 में शुरू किया गया) के दौरान वित्तीय सहायता प्रदत्त परियोजनाओं को क्षेत्रवार दर्शाया गया है।

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदारी मुख्यतः बाजार चालित स्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में उल्लेखनीय रूप से परिवर्तनशील है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के साथ - साथ इंजीनियरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

हाल के दिनों में, टी डी बी द्वारा यू टी आई वी एफ तथा ए पी आई डी सी उद्यम पूंजी निधियों के साथ नवोन्मेषक परियोजनाओं में निवेश के उन्नयन के लिए अपने दायरे को विस्तृत करने के साथ - साथ इंक्यूबेटरों द्वारा आर एण्ड डी पहलों को भी सहयोग प्रदान किया गया। इन भागीदारियों से टी डी बी को अपने क्रियाकलापों को संभाव्यता वाले क्षेत्रों में अच्छी स्केलेबेलिटि और उभरती प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के अपने दायरे में वृद्धि लाने हेतु समर्थता प्राप्त की जाएगी।

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के साथ - साथ मौजूदा उद्यमों द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से नए रोगगार के अवसरों का सृजन कर मूल्यवर्धन किया है।

करारों का राज्य - वार वितरण

वर्ष 1997 - 2006 के दौरान हस्ताक्षरित करारों का राज्य - वार वितरण (कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पर आधारित) नीचे दिया गया है:

राज्य - वार करारों का वितरण 1997 - 2006

करोड़ रुपये में

क्रम सं.	राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश	करारों की संख्या	उद्यमों/ एजेंसी की संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा स्वीकृत ऋण/ अनुदान/ इक्विटी
1.	आन्ध्र प्रदेश	47	34	677.22	213.97
2.	चण्डीगढ़	1	1	2.40	1.20
3.	दिल्ली	11	10	103.93	40.77
4.	गुजरात	8	5	65.84	15.89
5.	हरियाणा	2	2	7.40	2.10
6.	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7.	कर्नाटक	14	14	259.92	54.34 + 58.90
8.	केरल	2	2	10.91	5.15
9.	मध्य प्रदेश	4	2	133.24	34.95
10.	महाराष्ट्र	23	22	450.96	69.60
11.	पाण्डिचेरी	1	1	5.83	1.90
12.	पंजाब	5	4	52.20	8.56 + 5.90 इक्विटी
13.	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
14.	तमिलनाडू	22	21	149.71	43.84
15.	उत्तर प्रदेश	3	2	13.04	3.92
16.	पश्चिम बंगाल	6	4	71.71	15.04 + 18.46 इक्विटी*
	अन्य - उद्यम निधियों सहित	4	4	463.83	130.50
	एस टी ई पी - टी बी आई	5	5	5.00	5.00
	कुल योग	160	135	2515.15	734.89

टिप्पणी: इसमें टी डी बी द्वारा बगैर किसी राशि को जारी किए बिना रद्द किए गए 8 करारों को शामिल नहीं किया गया।

* निक्को कोर्पोरेशन लिमिटेड, को प्रदत्त 18.46 करोड़ रू. ऋण की राशि (12.46 करोड़ रू. वर्ष 1999 - 2000 में तथा 6 करोड़ रू. वर्ष 2001 - 2002 में) को मार्च, 2004 में "क्यूम्यूलेटिव रिडेमेबल प्रिफरेंस शेयर्स" में परिवर्तित किया गया।

assisted by TDB during the years 1997-2006 (TDB was constituted in September 1996 and project financing commenced in 1997-98).

Financial participation by TDB depends largely on the market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Health and Medical along with engineering sector have a significant share in its financial assistance.

In the recent past, TDB has partnered with the UTIVF and APIDC Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects and also supported R&D initiatives by the incubators. These participations in would enable TDB to enlarge its activities in potential areas with good scalability and to enhance its scope of commercialization of emerging technologies.

Job Opportunities

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

State-wise Distribution of Agreements

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2006 is given below :

State-wise Distribution of Agreements 1997-2006 **Rupees in crore**

S. No.	State, Union Territory	Number of agreements	Number of agreements	Total cost	Numbe Loan / Grant /Equity sanctioned by TDB
1.	Andhra Pradesh	47	34	677.22	213.97
2.	Chandigarh	1	1	2.40	1.20
3.	Delhi	11	10	103.93	40.77
4.	Gujarat	8	5	65.84	15.89
5.	Haryana	2	2	7.40	2.10
6.	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7.	Karnataka	14	14	259.92	54.34 +Gr 58.90
8.	Kerala	2	2	10.90	5.15
9.	Madhya Pradesh	4	2	133.24	34.95
10.	Maharashtra	23	22	450.96	69.60
11.	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
12.	Punjab	5	4	52.20	8.56 +Eq 5.90
13.	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
14.	Tamil Nadu	22	21	149.71	43.84
15.	Uttar Pradesh	3	2	13.04	3.92
16.	West Bengal	6	4	71.71	15.04 + Eq18.46*
	Others-Including Venture funds	4	4	463.38	130.50
	STEP-TBI	5	5	5.00	5.00
	Grand Total	**160**	**135**	**2515.14**	**734.89**

Note: Excludes 8 agreements cancelled by TDB without any release
** Loan amount of Rs.18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to Nicco Corporation Ltd. was converted into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004.*

वर्ष 2005-06 के उत्पाद एवं सेवायें

टीडीबी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2005-06 के दौरान तैयार उत्पादों/पूरी की गई परियोजनाओं की संक्षिप्त रूप रेखा नीचे दी गई है:

वस्त्रों की रंजक छपाई के लिये कृत्रिम थिकनर: मैं0 गुंजन पेन्टस लिमिटेड, अहमदाबाद ने वस्त्रों की रंजक छपाई के लिये 300 टन प्रतिवर्ष कृत्रिम थिकनर के उत्पादन के लिये अप्रैल, 2005 में अपनी परियोजना पूरी की । यह प्रौद्योगिकी रंजक छपाई में मिट्टी तेल के स्थान पर कृत्रिम थिकनर के उपयोग पर आधारित है ।

सूचना कियोस्क की बड़े पैमाने पर स्थापना: मै0 एन-लोग कम्यूनिकेसंस प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने ग्रामीण और छोटे नगरों में इंटरनेट उपलब्धता और टेलीफोनी वाले कम्पयूटर प्रदान करने के लिए 30 अप्रैल, 2005 को एक परियोजना पूरी की । इस परियोजना में कोर-डेक्ट डब्ल्यू एल एल दूर संचार प्रणाली शामिल थी ।

निम्न अणुभार (एलएम डब्ल्यू) वाली हेपारिन, डाल्टपेरिन और नेड्रोपेरिन: मै0 ग्लैण्ड फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद ने सितम्बर, 2005 में इन एण्टीकोआगुलेंट्स (निस्कंदक) का उत्पादन शुरू किया।

एक्टिव फार्मा इनग्रेडिऐंटस (एपीआई), लेट्रोजोल और एनस्ट्रोजोल: मै0 इंड-स्विफट लेबोरेटरीज लिमिटेड, चण्डीगढ़ ने एपीआई के विकास, परीक्षण और वाणिज्यीकरण के लिये अक्तूबर, 2005 में परियोजना पूरी की ।

लेड आधारित ट्र-कलर डे नाइट डिसप्ले सिस्टम: मै0 एमआईसी इलैक्ट्रोनिस लिमिटेड ने अक्तूबर, 2005 में वाणिज्यक रूप से डिस्प्ले प्रणाली का उत्पादन शुरू किया ।

स्वचालित निर्बाध गामा स्टेरिलाइजेान संयंत्र: मै0 ए.वी.प्रोसेसर्स लिमिटेड, मुंबई ने 30 नवम्बर, 2005 को गामा किरणों से चिकित्सीय /सर्जीकल उत्पादों एवं मसालों का स्टैरिलाइजेन (बिसंक्रमणीकरण) शुरू किया।

प्राकृतिक भाषा संरचना प्रौद्योगिकी : मै0 जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नोलोजी लिमिटेड, बंगलौर ने 31 मार्च, 2006 को पायलट पैमाने पर प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली का विकास और प्रर्दान किया ।

साइक्लोसिप्रन साफ्ट जेलेटिन कैप्सूल : मैसर्स स्ट्राइड्स एक्रोलैब लिमिटेड ने 18 फरवरी, 2006 को फलकोहल रहित साइक्लोस्प्रिन के उत्पादन्त हेतू सॉफ्ट जेलेटिन का विकास व व्यावसायीकरण किया।

प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली: मैसर्स जेनेवा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड,बैंगलूरु ने प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली का विकास किया तथा 31, मार्च, 2006 को छोटे पैमाने पर इसका प्रदर्शन किया।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

श्री पी चिदंबरम, भारत के माननीय वित्त मंत्री, नई दिल्ली में 11 मई 2005 को आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस 2005 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि थे। माननीय वित्त मंत्री ने मेसर्स मिदास कम्यूनिकेशन टैक्नोलोजीज प्रा. लिमिटेड, चेन्नई को बनयान नेटवर्क्स तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चैन्नई द्वारा विकसित ब्राडबैण्ड एक्सेस प्रौद्योगिकी के लिए 10 लाख रू. का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। ब्राड बैण्ड प्रोफाइल में विभिन्न प्रकृति के उत्पादों की एक संजाति शामिल है जिनका उपयोग ब्राडबैंड संचार हेतु किया जाता है। इसकी

Products and Services in 2005-06

The brief profile of products released / projects completed during the year 2005-06 with the financial assistance from TDB is indicated below.

Synthetic Thickener for pigment printing of textiles: M/s. Gunjan Paints Limited, Ahmedabad completed its project in April 2005 to manufacture 300 TPA of synthetic thickener for pigment printing of textiles. The technology is based on substitution of kerosene in pigment printing by synthetic thickener.

Mass deployment of information kiosks: M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai completed a project on 30th April,2005 in rural and small towns to provide computers with internet accessibility and telephony. The project involved, upgradation of corDECT WLL telecommunication system.

Low Molecular Weight (LMW) Heparin; Dalteparin & Nadroparin: M/s Gland Pharma Limited, Hyderabad started production of these anticoagulants in September, 2005.

Active Pharma Ingredients (API), Letrozole and Anastrozole: M/s Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh has completed project in October 2005 for development, testing and commercialisation of APIs.

LED based True Color Day / Night Display System: M/s MIC Electronis Limited commenced production of display system commercially in October, 2005.

Automatic Continuous Gamma Sterilization Plant: M/s A.V.Processors Limited, Mumbai, has started sterilization of medical/surgical products and spices with Gamma rays on 30th November, 2005.

Natural Language Framework Technology: M/s. Geneva Software Technologies Limited, Bangalore has developed and commercialized Natural Language Framework Technology for Enterprise and Telecom Applications on 31st December, 2005.

Cyclosporine soft gelatin capsules: M/s Strides Acrolab Limited has developed and commercialized Cyclosporine soft gelatin capsules on 18th February, 2006 to manufacture alcohol free cyclosporine.

Natural Disaster Information System: M/s Geneva Software Technology Limited, Bangalore has developed and demonstrated Natural Disaster Information System on pilot scale on 31st March, 2006.

Technology Day and Presentation of National Awards

Shri. P. Chidambaram, Finance Minister of India, was the Chief Guest at the National Awards function on the Technology Day 2005 held in New Delhi on 11th May 2005. The Finance Minister presented the National Award of Rs. 10 lakhs to Banyan Networks, Broadband Division of M/s Midas Communication

बौद्धिक संपदा का स्वामित्व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - मद्रास, चैन्नई और बनयान नेटवर्क्स के पास संयुक्त रूप से है।

मुख्य अतिथि महोदय ने प्रत्येक एस एस आई इकाई, मेसर्स अर्जुना नैचुरल एक्सट्रेक्ट लि., अलवाई और मेसर्स वैलेथ हाईटेक कंपोजिट्स (प्रा.) लिमिटेड, चेन्नई को 2 - 2 लाख रू. और एक - एक ट्रॉफी भी प्रदान की। मेसर्स अजुर्ना नैचुरल एक्सट्रेक्ट लि., अलवाई को कच्चे मछली के तेल में पाई जाने वाली अल्प असंतृप्त फैट्टी एसिड्स से ओमेगा 3 फैट्टी एसिड के निष्कर्षण हेतु प्रौद्योगिकी के लिए पुरस्कृत किया गया। यह उत्पाद पोषक सहायकों/ स्वास्थ्य युक्त खाद्यसामग्री/ न्यूट्रास्यूटिकल्स की श्रेणी से संबंधित है। यह उत्पाद यूरोपीय फर्माकोपिया के अनुरूप है और भारत तथा विदेशों में इसकी अच्छी मांग है। श्री पी. चिदंबरम ने मेसर्स वैलेथ हाई - टेक कम्पोजिट्स (प्रा.) लिमिटेड, चेन्नई को भी विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरूवनंतपुरम की प्रक्रिया प्रौद्योगिकी पर आधारित सिलिका टाइल बिलेट्स के उत्पादन हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। हल्के वजन वाले इस उत्पाद में एमोरफस उच्च शुद्धता युक्त सिलिका फाइबर पाए जाते हैं। इसकी तापीय सुचालकता अत्यंत कम है और इसकी तापमान प्रतिरोधकता अच्छे थर्मल शॉक रेसिसटेंस के साथ 1400 सी तक है। इस अनूठी, उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद का प्रयोग अंतरिक्ष कार्यक्रम में किया जाता है।

अन्योन्यक्रियात्मक प्रणाली

टी डी बी से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के बारे में उद्योग, उद्यमियों, आर एण्ड डी संस्थानों में जागरूकता लाने हेतु इसके द्वारा अन्य संगठनों की भागीदारी से कई क्रियाकलाप किए जा रहे हैं। कई पहलें, जैसे अन्योन्यक्रियात्मक बैठकों/ प्रदर्शनियों में भागीदारी की गई है। वर्ष के दौरान, टी डी बी द्वारा हैदराबाद, बंगलौर, नोएडा, दिल्ली, नागपुर, चेन्नई में प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी सुविधाओं का निदर्शन किया गया। टी डी बी का उद्देश्य इन मंचों के माध्यम से उद्योगों तथा आर एण्ड डी संगठनों के बीच टी डी बी द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली वित्तीय सहायता के बारे में जागरूकता का सृजन करना है। टी डी बी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत ऑक्सफोर्ड (यू. के.), इजरायल और जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रिका) में कई प्रदर्शनियों में भाग लिया

हैदराबाद में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 93 वां सत्र

टी डी बी ने हैदराबाद में 3 से 7 जनवरी, 2006 के दौरान भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 93 वें सत्र के दौरान आयोजित प्रर्दानी में भाग लिया और अन्य पणधारकों के बीच जागरूकता का सृजन करने हेतु अपनी क्षमताओं और उपलब्धियों का प्रर्दान किया।

बोर्ड के सदस्य

बोर्ड श्री धीरेन्द्र स्वरूप, सचिव, व्यय विभाग द्वारा 31.5.05 तक, श्री एम. शंकर, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 30.6.05 तक, श्री अशोक झा, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा 30.06.05 तक, श्री प्रत्यूष सिन्हा, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 05.01.06 तक, श्री अजय खन्ना, नई दिल्ली, प्रोफेसर एम. एम. शर्मा, मुम्बई ; प्रोफेसर डा. के. आई. बसु, बंगलौर और श्री आर श्रॉफ, मुम्बई द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में की गई बहुमूल्य सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करता है।

Technologies Private Limited, Chennai for the Broadband Access Technology developed by Banyan Networks and Indian institute of Technology, Madras, Chennai. The Boardband profile consists of a suite of products of diverse nature used for Broadband communication. The intellectual property is jointly owned by Indian Institute of Technology- Madras, Chennai and Banyan Networks.

The Chief Guest also presented Rs. 2 lakhs and a trophy each to the SSI units . M/s Arjuna Natural Extract Limited, Alwaye and M/s.Valeth Hightech Composites (P) Limited, Chennai. M/s. Arjuna Natural Extract Limited, Alwaye awarded for the technology for extracting Omega 3 fatty acid from less unsaturated fatty acids available in the raw fish oil. The product belongs to the category of nutritional supplements / health foods / neutraceuticals. The product conforms to European Pharmacopeia and is well received in India and abroad. Sh. P Chidambaram also gave award to M/s. Valeth Hightech Composites (P) Limited, Chennai, the firm was awarded for manufacturing silica tile billets based on the process technology of Vikram Sarabhai Space Centre, Thiruvanthapuram. The light weight product contains amorphous high purity silica fibers. Its thermal conductivity is very low and has temperature resistance up to 1400 ^{o}C with good thermal shock resistance. This unique, high technology product is used in space programme.

Interactive Mode

To create awareness in the industry, entrepreneurs, R&D institutions about the available financial support from TDB, diverse activities in collaboration with other organizations, e.g. interactive meetings / participation in exhibitions are under way. During the year, TDB demonstrated its facilities by participated in exhibitions at Hyderabad, Bangalore, Noida, Delhi, Nagpur, Chennai. TDB aims at creating awareness amongst the industries and R&D organizations on the availability of financial assistance from TDB through these platforms. TDB participated in various exhibition under the Ministry of Science & Technology at Oxford (U.K.), Israel and Johannesberg (South Africa).

93rd session of the Indian Science Congress at Hyderabad

TDB participated in the exhibition organized during the 93rd Indian Science Congress held in Hyderabad during 3rd to 7th January 2006 and showcased its capability and achievements to generate awareness among other stake holders.

Board Members

The Board places on record the valuable services rendered by Shri Dhirendra Swarup, Secretary, Department of Expenditure upto 31.5.05, Shri M. Shankar, Secretary, Department of Rural Development upto 30.6.05, Shri Ashok

श्री सुबोध भार्गव, अध्यक्ष, मेसर्स विदेश संचार निगम लिमिटेड (वी एस एन एल), नई दिल्ली; श्री एन श्रीनिवासन, महानिदेशक, मेसर्स भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई), नई दिल्ली; डा. (श्रीमती) किरण मजुमदार-शा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेसर्स बायोकोन लिमिटेड, बंगलौर और श्री सतीश के. कौरा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेसर्स सैमटेल कलर लिमिटेड, नई दिल्ली को 16 मार्च, 2006 से बोर्ड के सदस्यों के रूप में नामित किया गया है।

आभार

टी डी बी के दिन - प्रतिदिन के कार्यों में अपने अधिकारियों की सेवाओं को छोड़ने के लिए बोर्ड विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का आभारी है।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 19 फरवरी, 2007

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिक विकास बोर्ड

Jha, Secretary, Department of Industrial Policy & Promotion upto 30.6.05, Shri Pratyush Sinha, Secretary, Department of rural development upto 5.1.06, Shri Ajay Khanna, New Delhi, Professor M.M. Sharma, Mumbai; Professor Dr. K.I. Vasu, Bangalore and Shri R. Shroff, Mumbai as Members of the Technology Development Board.

Shri Subodh Bhargava, Chairman, M/s. Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL), New Delhi; Shri N. Srinivasan, Director General M/s. Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi; Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar - Shaw, Chairman and Managing Director, M/s. Biocon Limited, Bangalore and Shri Satish K. Kaura, Chairman and Managing Director, M/s. Samtel Color Limited, New Delhi have been nominated as members of the Board w.e.f. 16th March 2006.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers in the day to day operations of TDB.

Place : New Delhi
Date : 19th February 2007

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का संगठन

31 मार्च, 2006

1.	**प्रो. वी. एस. राममूर्ति** सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	**डा. आर. ए. माशेलकर** सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
3.	**डा. एम. नटराजन** सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग	पदेन सदस्य
4.	**श्री आदर्श किशोर** सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5.	**डा. अजय दुआ** सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग	पदेन सदस्य
6.	**डा. (श्रीमति) रेणूका विश्वनाथन** सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
7.	**श्री सुबोध भार्गव** अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वी एस एन एल)	सदस्य
8.	**श्री एन. श्रीनिवासन** अध्यक्ष के सलाहकार - भारतीय उद्योग परिसंघ	सदस्य
9.	**डा. (श्रीमती) किरण मजुमदार - शाव** अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, मेसर्स बायोकोन लि0	सदस्य
10.	**श्री सतीश के. कौरा** अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, मेसर्स सेमटेल कलर लि.	सदस्य
11.	**श्री दिनेश चन्द शर्मा** सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य

Composition of the Technology Development Board

(31st March 2006)

1.	**Prof. V.S. Ramamurthy** Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	**Dr. R.A. Mashelkar** Secretary, Dept. of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	**Dr. M. Natarajan** Secretary, Dept. of Defence Research & Development	ex-officio Member
4.	**Shri Adarsh Kishore** Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
5.	**Dr Ajay Dua** Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
6.	**Dr. (Mrs.) Renuka Vishwanathan** Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
7.	**Shri Subodh Bhargava** Chairman Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)	Member
8.	**Shri N. Srinivasan** Advisor to President, Confederation of Indian Industry	Member
9.	**Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar - Shaw** Chairman & Managing Director, M/s. Biocon Limited	Member
10.	**Shri Satish K. Kaura** Chairman & Managing Director, M/s. Samtel Color Ltd	Member
11.	**Shri Dinesh Chand Sharma** Secretary, Technology Development Board	ex-officio Member

बोर्ड के सदस्यों के फोटोग्राफ

प्रो. वी. एस. राममूर्ति
अध्यक्ष
Prof. V.S. Ramamurthy
Chairperson

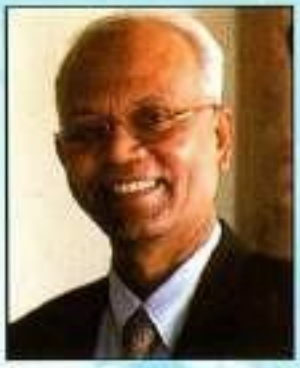

डा. आर. ए. माशेलकर
Dr.R.A. Mashelkar

डा. एम. नटराजन
Dr. M. Natarajan

श्री आदर्श किशोर
Shri Adarsh Kishore

डा. अजय दुवा
Dr Ajay Dua

Photographs of the Board Members

श्री (श्रीमति) रेणूका विश्वनाथन
Dr. (Smt.)Renuka Viswanathan

श्री सुबोध भार्गव
Shri Subodh Bhargava

श्री एन. श्रीनिवासन
Shri N. Srinivasan

डा. (श्रीमती) किरण मजुमदार - शा
Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar—Shaw

श्री सतीश के कौरा
Shri Satish K. Kaura

श्री दिनेश चन्द शर्मा
Shri Dinesh Chand Sharma

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया।

टी डी बी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है। कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी बी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए; कोष से प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों; और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है। वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये समाहरण उपकर में से निधियां मुहैया कराती है। 1996 से 2006 के वर्षों के दौरान उपकर समाहरण 1,092.00 करोड़ रूपये का हुआ था और इसी अवधि के दौरान टी डी बी ने उपकर समाहरणों में से अनुदान के रूप में 478.10 करोड़ रूपये प्राप्त किये थे।

टी डी बी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी बी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5% प्रति वर्ष का सरल ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी) । 13 मई, 2002 के पश्चात हस्ताक्षर किये गये करारों के लिए टी डी बी राजस्व वसूली नहीं करता। टी डी बी प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार आवेदनों से वसूल नहीं करता। टी डी बी किश्तों में ऋण धनराशि मुहैया कराता है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार जोखिम - सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी औद्योगिक कंपनियों की सहायता के लिए निदेशक बोर्ड के निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। टी डी बी को सरकार अथवा संस्थान द्वारा वित् व्यवस्था के लिए विकल्प के रूप में नहीं माना जा सकता। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के एक वर्ष के पश्चात आरंभ होता है और तत्पश्चात पूर्ण ऋण धनराशि पांच वर्षों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किस्त के पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को दूसरे वर्ष के पुनर्भुगतान से आरंभ होने वाले तीन वर्ष की अवधि में तथा चौथे वर्ष के पुनर्भुगतान में समाप्त करते हुए बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी बी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और/ अथवा ऋणों के रूप में वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी बी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं

Introduction

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996 to promote development and commercialisation of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source; recoveries made of the amounts granted from the Fund; and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the years 1996-2006, the Cess collections were Rs. 1,092.60 crore and during the same period, TDB had received Rs. 478.10 crore as grants out of the Cess collections.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. TDB mandate provides loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (effective 13th May 2002). TDB does not levy any royalty for the agreements signed after 13th May 2002. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to risk-associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. TDB is not to be considered a substitute for funding by the Government or other appropriate institutions. The implementation period of a project should not generally exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited up to 50 per cent of the approved project cost. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

The refund of the loan and payment of interest commences one year after the project is completed and the full loan amount is recoverable in five years thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years commencing from the second year of repayment and terminating in the fourth year of repayment.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technology. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) out of royalty received by

को इनके द्वारा प्राप्त राजस्व में से टी डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप में बराबर के भाग का टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित है।

टी डी बी, किसी औद्योगिक कंपनी में इसके आरंभ होने, चलाने और/ अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - एक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है। यह स्वीकृत परियोजना का 25% तक होगा बशर्ते किया गया। प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य पर टी डी बी को अपने शेयर प्रमाण पत्र जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों को अपने हिस्से की शेयर पूंजी का अंशदान पूर्ण रूप से कर दिया जाना चाहिए और चुकता कर देना चाहिए। प्रोत्साहकों को टी डी बी से अपने शेयरों की वचनबद्धता करनी होगी। टी डी बी को अधिकार होगा कि ऐसी कंपनियों के निदेशक, निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) टी डी बी (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि शेयरों को वापस लेने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास रहेगा।

टी डी बी, औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी, ऐसा निधिकरण जो उन्होंने अन्य संस्थानों से प्राप्त किया है, के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान बोर्ड की तीन बैठकें हुई अर्थात 10 मई, 2005 को (33 वीं), 22 सितम्बर, 2005 (34 वीं) और 6 मार्च, 2006 का (35 वीं) ।

बोर्ड, श्री धीरेन्द्र स्वरूप, श्री एम. शंकर, श्री अशोक झा, श्री प्रत्यूष सिंहा, श्री अजय खन्ना, प्रो. एम. एम. शर्मा, मुम्बई; प्रो. के आई वासु और श्री आर. श्रीफ को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में की गयी उनकी अमूल्य सेवाओं को रिकार्ड में स्थान देता है।

it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 per cent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares rests with the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finance from other institutions.

During the year 2005-06, the Board held 3 meeting i.e. on 10th May, 2005, (33rd); 22nd September,2005 (34th) and 6th March, 2006 (35th).

The Board places on record the valuable services rendered by Shri Dhirendra Swarup, Shri M. Shankar, Shri Ashok Jha, Shri Pratyush Sinha, Shri Ajay Khanna, Professor M.M. Sharma, Mumbai; Professor Dr. K.I. Vasu, and Shri R. Shroff as members of the Technology Development Board.

2005 - 06 में परियोजनाएं और उत्पाद

2005 - 06 में स्वीकृतियां

वर्ष 2005 - 06 के दौरान टी डी बी ने 14 औद्योगिक कम्पनियों और 5 इन्क्यूबेटर्स। विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्कों में आरंभन हेतु सीड सपोर्ट सिस्टम (एस टी ई पी - टी डी आई) के साथ 19 करारों पर हस्ताक्षर किये। 14 औद्योगिक कंपनियों के साथ टी डी बी 216.26 करोड़ रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 68.45 करोड़ रूपये के ऋण मुहैया करने पर राजी हुआ है। इसके अतिरिक्त टी डी बी पांच एस टी ई पी - टी बी आई से प्रत्येक को 1 करोड़ रूपये, जो कुल मिलाकर 5 करोड़ रूपये होते हैं, देने के लिए वचनबद्ध है।

2005 - 06 के संवितरण

वर्ष 2005 - 06 के दौरान टी डी बी ने चालू और नयी परियोजनाओं के लिए 89.41 करोड़ रूपये की धनराशि संवितरित की है। इसमें 38.38 करोड़ रूपये ऋण के रूप में 4.80 करोड़ रूपये अनुदान के रूप में और 46.23 करोड़ रूपये निधियों के लिए, जहां प्रौद्योगिकी उन्मुखी संवृद्धि उद्यमों को निधिकरण हेतु इसकी भूमिका में विस्तार देने के लिए टी डी बी ने सहभागिता की है, शामिल हैं।

क्षेत्र- वार विस्तार

टी डी बी, सभी क्षेत्रों में प्रमुख सक्षमता विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी को कुंजी के रूप में पूर्ण रूप से मान्यता देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता प्रदान कर रहा है। नीचे दी गयी तालिका में 2005 - 2006 के दौरान टी डी बी द्वारा सम्पन्न किये गये करारों के विस्तार का क्षेत्र - वार उल्लेख किया गया है।

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए औद्योगिक कंपनी को वित्तीय सहायता मुहैया की जाती है इस तथ्य पर ध्यान दिये बिना कि प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा विकसित की गयी हैं अथवा उद्योग की यूनिट में आन्तरिक रूप में। सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं के मामले में प्रौद्योगिकी सामान्य रूप में औद्योगिक कंपनी द्वारा विकसित की गयी हो। वर्ष 2005 - 06 के दौरान हस्ताक्षरित करारों के संबंध में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं का उल्लेख निम्नलिखित सारणी में है:-

क्षेत्र - वार विस्तार

(करोड़ रूपये में)

क्रम सं.	क्षेत्र	करारों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी की वचनबद्धता
1.	स्वास्थ्य और चिकित्सा	05	143.63	36.75
2.	इंजीनियरी	03	20.23	9.28
3.	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग	01	6.57	3.25
4.	सूचना प्रौद्योगिकी	03	21.25	10.30
5.	दूर संचार	02	19.58	8.87
6.	एजेंसियां	05	5.00	5.0
	योग	**19**	**216.26**	**73.45**

नोट : इसमें एक क्रार शामिल नहीं है जो कि बिना कोई राशी दिए रद्द किया गया।

Projects and Products in 2005-06

Sanctions in 2005-06

During the year 2005-06, TDB signed 19 agreements with 14 industrial concerns and 5 Seed Support System for Start-ups in Incubators/ Science and Technology Entrepreneurship Parks (STEP-TBI). For the 14 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 68.45 crore as against the total project cost 216.26. In addition TDB committed Rs. 1 crore each to five STEP-TBIs, aggregating to Rs. 5 Crores.

Disbursements in 2005-06

During the year 2005-06, TDB disbursed a sum of Rs. 89.41 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 38.38 crore as loan, Rs. 4.80 crore as grant and Rs. 46.23 crore to the funds where TDB has partnered for enlarging its role for financing technology oriented growth ventures.

Sector-wise Coverage

TDB had been supporting projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2005-06.

Technology Providers

Financial assistance is provided to industrial concerns for commercialisation of technologies irrespective of the fact that whether the technology has been developed by the national institution or in-house unit in the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may be developed in general by the industrial concern. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2005-06 are indicated in the following table:

Sector-wise Coverage

(Rupees in crore)

S. No.	Sector	No. of Agreements	No. of Agreements	TDB's commitment
1.	Health & Medical	05	143.63	36.75
2.	Engineering	03	20.23	9.28
3.	Energy & Waste utilization	01	6.57	3.25
4.	Information Technology	03	21.25	10.30
5.	Telecommunications	02	19.58	8.87
6.	Others Agencies	05	5.00	5.00
Total		**19**	**216.26**	**73.45**

Note : Excludes 1 agreement Cancelled without any release

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

(करोड़ रुपये में)

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता	संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा स्वीकृत
राष्ट्रीय प्रयोशालाएं	02	8.53	4.23
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिटें	11	199.03	61.12
व्यक्तिगत	01	3.7	3.1
एस टी ए पी - टी बी आई	05	5.00	5.00
योग	**19**	**216.26**	**73.45**

नोट : इसमें एक क़रार शामिल नहीं है जो कि बिना कोई राशी दिए रद्द किया गया।

राज्य-वार विस्तार

निम्न सारणी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा हस्ताक्षरित करारों का राज्य-वार विस्तार प्रदर्शित करती है

राज्य-वार करारों का विस्तार

(करोड़ रुपये में)

क्रम सं.	राज्य, संघ राज्य	करारों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी की वचनबद्धता
1.	आंध प्रदेश	07	137.23	36.83
2.	दिल्ली	02	18.81	07.97
3.	कर्नाटक	02	28.93	11.60
4.	केरल	01	8.41	4.00
5.	तमिलनाडु	01	11.31	4.80
6.	पश्चिम बंगाल	01	6.57	3.25
7.	एस टी ए पी - टी बी आई	05	5.00	5.00
	योग	**19**	**216.26**	**73.45**

नोट : इसमें एक क़रार शामिल नहीं है जो कि बिना कोई राशी दिए रद्द किया गया।

2005 - 06 में सम्पन्न करार

वर्ष 2005 - 06 के दौरान टी डी बी ने 19 करार संपन्न किये, ब्यौरे इस प्रकार हैं :

1. शांता बायोटैक्नीक्स लि., हैदराबाद

मैं शांता बायोटेक्नीक्स लिमि. हैदराबाद को मेडछल में विद्यमान फैक्ट्री में पेंटावेलेंट और वायरल टीकों के उत्पाद हेतु उत्पादन सुविधा तैयार करने के लिए टी डी बी से वित्तीय सहायता मुहैया करायी गयी।

परियोजना की कुल लागत 6800 लाख रुपये है। 10 मई, 2005 को बोर्ड की 33 वीं बैठक में कंपनी के लिए 1500 लाख रुपये की ऋण सहायता मुहैया करने का निर्णय लिया गया। कंपनी ने 8 जून, 2005 को टी डी बी के साथ ऋण करार पर हस्ताक्षर किये।

2. फेन्नर (इण्डिया) लिमि., मदुरै

मैं. फेन्नर (इण्डिया) लिमि. मदुरै ने ऑटोमेटिव अनुप्रयोगों के लिए अति उष्मा रोधी पॉलि वी वेल्टों के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था।

पॉलि - वी उत्पाद एक यौगिक उत्पाद है जिसमें लघु फाइबर फिल्ड ई पी डी एम (इकेलीन प्रोपिलीन डीने मोनोमर) आधारित रिब सामग्री, ई पी डी एम आधारित वॉन्डिग रबर, विशेष रूप से अभिक्रिया वाले ई पी डी एम कम्पेटिविल पॉलिस्टर केवल कॉर्ड और विशेष टॉप फाइबर ई पी डी एम रबर के साथ संसेचित है। ये

Technology Providers

(Rupees in crore)

Technology providers	Number	Total cost	Sanctioned by TDB
National laboratories	02	8.53	4.23
In-house R&D units	11	199.03	61.12
Individual	01	160.45	58.74
STEP-TBI	05	5.00	5.00
Total	**19**	**373.01**	**129.09**

Note : Excludes 1 agreement Cancelled without any release

State-wise Distribution of Agreements

The table below indicates State-wise distribution of the agreements signed by TDB during 2005-06.

State-wise Distribution of Agreements (Rupees in crore)

S. No.	State/Union Territory	No. of Agreements	Total Cost	TDB's commitment
1.	Andhra Pradesh	07	137.23	36.83
2.	Delhi	02	18.81	07.97
3.	Karnataka	02	28.93	11.60
4.	Kerala	01	8.41	4.00
5.	Tamil Nadu	01	11.31	4.80
6.	West Bengal	01	6.57	3.25
7.	STEP-TBI	05	5.00	5.00
	Total	**19**	**216.26**	**73.45**

Note : Excludes 1 agreement Cancelled without any release

Agreements concluded in 2005-06

During the year 2005-06, TDB concluded 19 agreements; the details are given below:

1. Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad

M/s Shantha Biotechnics Limited. Hyderabad, was provided financial assistance from TDB for building up a manufacturing facility, for the production of Pentavalent and Viral Vaccines at the existing factory premises at Medchal.

The total cost of the project is Rs. 6800 lakhs. The Board, in its 33rd meeting held on 10th May 2005, had decided to provide a loan assistance of Rs. 1500 lakhs to the company. The company signed the loan agreement with TDB on 8th June 2005.

2. Fenner (India) Limited, Madurai

M/s Fenner (India) Limited, Madurai had submitted an application seeking loan assistance from TDB for development and commercialization of ultra heat resistant Poly-V belts for automotive applications.

The Poly-V product is a composite product, consisting of short fibre filled EPDM (Ethylene Propylene Diene Monomer) based rib material, EPDM based bonding rubber, specially treated EPDM compatible polyester cable cord and special top fabric impregnated with EPDM rubber. These belts replace multiple V-belts in

पट्टियां मल्टिपिल वी - बेल्ट जो ऑटोमोबाल में होती है उन्हें परिवर्तित करने के लिए होती हैं क्योंकि इसमें साथ - साथ बहुत पुलेज चालन योग्यता होती है। संसाधन और उसे जोड़ना मानक पॉलिक्लोरोप्रीन आधारित पॉलि - वी बेल्टों से एकदम भिन्न है।

परियोजना की कुल लागत 131.39 लाख रूपये है। कंपनी ने 1 जुलाई, 2005 को टी डी बी के साथ ऋण सहायता मुहैया करने के लिए राजी हुआ है। परियोजना जुलाई, 2006 तक पूरी हो जायेगी। इसके अन्तिम चरण में बाद के घटनाक्रम में कंपनी ने ऋण सुविधा का लाभ नहीं लिया।

3. वैल्यू वन इंफोटेक (पी) लिमिटेड, नई दिल्ली

मैं वैल्यू वन इंफोटेक (प्रा. लिमि.), नई दिल्ली को यूनिफाइड रिलेशनशिप प्रबंधन हेतु ई गवरनेंस और वर्कफ्लो एप्लिकेसंस (यू आर एम - एस ई डब्लु ए) के लिए विश्व स्तर का सॉफ्टवेयर उत्पाद विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता मुहैया करायी गयी। भारत में अपनी तरह की यह पहली योजना होने की सूचना है।

परियोजना का उद्देश्य वर्कफ्लो ऑटोमेशन (कागज - पत्र रहित कार्यालय) के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधन सम्मिलित अनुप्रयोग (सी आर एम) के लिए अनुकूल, ज्ञान प्रबंधन और दस्तावेज प्रबंधन हेतु एक एकीकृत रूप विकसित और वाणिज्यीकृत करना है। सॉफ्टवेयर उत्पाद में एस एम ई के लिए ई शासन और ऑटोमेशन हेतु लागत प्रभावी औजार होने पर विचार किया है। परियोजना का उद्देश्य चार प्राथमिक मॉडयूल अर्थात इ 11 कार्य, इ 11 डॉक्स, इ 11 हिज और इ 11 संबंध को स्वतंत्र उत्पाद के रूप में विकसित करना है।

ये उत्पाद 10 % वैव आधारित होंगे। इस एकीकृत सूट को यू आर एम - सेवा के नाम से जाना जायेगा। इस उत्पाद को यू आर एम - सेवा के नाम से जाना जायेगा। इस उत्पाद को स्वतंत्र प्लेटफार्म कहा जाता है इस प्रकार वाणिज्यिक प्रचालन प्रणाली हेतु किसी लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी। यह बहुल आंकड़ा आधारों सहित आरेकल, एस क्यू एल, सर्वर आदि को सहायता प्रदान करेगा। यह बहुल सर्वरों सहित अपाचे, आई बी एम, डोमिनो वैव सर्वर आदि वैव सर्वरों को सहायता प्रदान करेगा। यह लाइनेक्स, विन्डोज, सोलरिस आदि प्रचालन प्रणालियों पर कार्य करेगा। यह उच्च रूप से मापन योग्य है।

कंपनी ने 6 जुलाई, 2005 को एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत टी डी बी 320 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करने के लिए सहमत हुआ है। परियोजना नवम्बर 2007 तक पूरी हो जायेगी।

4. सुदर्शन बायोटेक लिमिटेड, हैदराबाद

मै. सुदर्शन बायोटेक लिमिटेड, हैदराबाद स्वदेशी रूप से विकसित रिकांबिनेंट हेपेटाईटिक - सी वायरल (एच सी वी) प्रतिजन के वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ करने का प्रस्ताव किया है। ये प्रतिजन एच सी वी नैदानिक किट का बहुत ही सन्तोषप्रद स्त्रोत का निर्माण करते हैं। कंपनी में एक आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट है जो वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग से मान्यता प्राप्त है।

कंपनी ने, भारतीय एच सी वी के दो उपभेदों में से एन एस 3, एन एस 4 और एन एस 5 प्रतिजनों को रिकॉम्बिनेंट डी एन ए प्रौद्योगिकी द्वारा पृथक कर इनका क्लोन बनाया है तथा उनको चार एच सी वी प्रतिजनों में विशिष्टीकृत किया है। भारतीय एच सी वी के उपभेदों के पूर्ण विस्तार वाले जीनोम की अनुक्रमिका जीव बैंक को प्रस्तुत की गयी है। प्राप्त प्रोटीन को अच्छा बताया गया है। कंपनी अपनी प्रगति पर पेटेंट दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

कंपनी ने एच सी वी किट उत्पादकों के लिए परीक्षण सेंपल आपूर्ति किये हैं और उनसे उत्साहवर्धक सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। अभी प्रतिजन के अन्तराष्ट्रीय उत्पादक मात्र 3 या 4 हैं (भारत में कोई

automobiles because of its ability to drive multiple pulleys simultaneously. Processing and assembling are totally different from standard Polychloroprene based Poly-V belts.

The total cost of the project is Rs. 1131.39 lakhs. The company signed the loan agreement with TDB on 1st July 2005 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 480 lakhs. The project is due for completion by July 2006. In a later development at its end, the company did not avail the loan.

3. Value One Infotech (P) Limited, New Delhi

M/s Value One Infotech (P) Limited, New Delhi, was provided financial assistance to develop a world-class software product for Unified Relationship Management for e Governance and Workflow Applications (URM-SEWA) The project is stated to be first of its kind in India.

The objective of the project is to develop and commercialize an integrated suite of applications encompassing Customer Relationship Management (CRM), for workflow automation (paperless office), Internet space management, Knowledge Management, and Document Management. The software product is envisaged to be a cost effective tool for e-governance and automation for SMEs. The project aims at developing four primary modules, i.e., e11 Work, e11 Dox, e11Whiz and e11 Relations, as independent products.

These products will be 100% web based. The integrated suite will be known as URM-SEWA. The product is stated to be platform independent, thus not requiring any commercial operating system to be licensed. It will support multiple data bases including Oracle, SQL, server, etc. It will serve multiple web servers including Apache, IBM, Domino web server etc. It will run on multiple operating systems including Linux, Windows, Solaris etc. It will be highly scalable.

The company signed a loan agreement on 6th July, 2005 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 320 lakhs. The project is due for completetion by November 2007.

4. Sudershan Biotech Limited, Hyderabad

M/s Sudershan Biotech Limited, Hyderabad, proposes to commence commercial production of indigenously developed recombinant Hepatitis-C Viral (HCV) antigens. These antigens form a very satisfactory source of HCV diagnostic kits. The company has an in-house R&D unit, recognized by the Department of Scientific and Industrial Research.

The company has cloned and characterized four HCV antigens, these being, the core, NS3, NS4 and NS5 antigens, from two strains of Indian HCV isolates through recombinant DNA technology. The sequencing of the full-length genome of the Indian strains of HCV have been submitted to the Gene bank. The protein yield is reported to be good. The company is in the process of filing patents on their developments.

The company has supplied test samples to the HCV kit (commercial) manufacturers and has received encouraging positive response from them. There are currently only 3 or 4 international manufacturers of the antigens (none in India) and thus the entire contingent of the diagnostic kits for HCV used by the Indian blood banks and hospitals is currently imported. Thus there is significant market potential for

नहीं) । इस प्रकार भारतीय ब्लड बैंकों तथा अस्पतालों द्वारा प्रयुक्त एच सी वी हेतु नैदानिक किटों की समग्र खेप विद्यमान में आयातित है। सभी 4 प्रतिजनों का भारत में उत्पादन करने वाली यह पहली कंपनी कही जाती है। सभी चार हेपेटाइटिस - सी वायरल प्रतिजनों के उत्पादन को संधान प्रक्रिया और प्रोटीन शुद्धीकरण के माध्यम से मिलिग्राम से ग्राम स्तर तक के उत्पादन से वाणिज्यिक स्तर पर बढ़ाया जायेगा।

कंपनी ने 25 जुलाई, 2005 को एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत टी डी बी ने 250 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करने की सहमति व्यक्त है। परियोजना की कुल लागत 50 लाख रूपये है। परियोजना जनवरी 2007 तक पूरी होनी तय है।

5. दिव्या पुनःनवीकृत उर्जा प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता

दिव्या पुनः नवीकृत उर्जा प्रा. लि. कोलकाता ने "स्वदेशी ए - सी (अमोर्फस सिलिकॉन) सौर सेल प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण" का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। कंपनी को मई 2004 में समाविष्ट किया गया है।

प्रौद्योगिकी को इण्डियन एसोसिएशन फॉर दि कल्टिवेशन ऑफ साइंस (आई ए सी एस), कोलकाता द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अपरम्परागत उर्जा स्त्रोत मंत्रालय का वित्तीय सहायता से विकसित किया गया है। आई ए सी एस ने आर एफ सी इ सी वी डी प्रणाली के महत्वपूर्ण घटक और संसाधन हेतु पेटेंट आवेदन दायर किया है। प्रौद्योगिकी को सामग्रियों के विकास, वाणिज्यीक उत्पादन हेतु स्वदेशी संयंत्र के अभिकल्पन और संचरना के लिए सौर सेलों/ मॉड्यूलों के निर्माण स्तर से विकसित किया गया है।

संयंत्र से उत्पादन पारदर्शी चालक आक्साइड कोटेड ग्लास आधारों पर एकल संयोजन ए - सी सौर मॉड्यूलों (जो सौर सेल पतली फिल्म होगी) वाला होगा। स्थापित की जाने वाली उत्पादन लाइन के अनुसार विभिन्न वाट के मॉड्यूलों का निर्माण किया जायेगा। सामग्री की अपेक्षा बहुत कम होगी। जो क्रिस्टलाइन सिलिकॉन सौर सेल के लिए 400 माइक्रोन की तुलना में मोटाई 0.5 माइक्रोन होगी।

परियोजना गांव मौजा - कुलाइ जिला हावड़ा में लगायी जा रही है।

कंपनी ने 26 अगस्त, 2005 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत टी डी बी 325 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया कराने पर सहमत हुआ है। परियोजना की कुल लागत 657 लाख रूपये हैं। परियोजना अप्रैल, 2007 में पूरी होनी निश्चित है।

6 आई स्मार्ट बिजनस सौल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कोच्चि

मै. आई स्मार्ट बिजनस सौल्यूशंस प्रा. लि. को "कृषि हेतु सॉफ्टवेयर समाधान का विकास" हेतु टी डी बी से ऋण सहायता मुहैया करायी गयी।

कंपनी हारवेस्ट आई टी वर्जन 2.0 के रूप में भारत में तथा विदेश में कृषि व्यापार इंड टू इंड समाधान प्रबंध विकसित और विपणन करने का प्रस्ताव करती है। उत्पाद का संकेन्द्रण फसल विशेष कृषि विज्ञान समाधानों सहित खेती व्यवहार, ई आर पी (उद्यम संसाधन और योजना) आदि पर है। उत्पाद में लगभग 40 मॉड्यूलों के साथ कृषि विज्ञान मॉड्यूल सहित पूर्ण एकीकृत समाधान हैं। चरण - I में तेल ताड़ के पौधरोपण, धाय और रबर उद्योगों पर विचार किया गया है जिसे चरण - II में अन्य फसलों के लिए विस्तार दिया जायेगा। मै. साफ्ट सिस्टम लि. कोच्चि ने पहले ही हार्वेस्ट आई टी वर्जन 1.0 विकसित कर लिया था और वर्जन 2.0 विकसित करना चाहता था। सॉफ्टसिस्टम लि. वित्तीय पुनर्संरचना से गुजर रहा था और एक नयी कंपनी मै. आई स्मार्ट बिजनस सौल्यूशस प्रा. लि. नये निवेशकों, जूम विकासकों और आई स्मार्ट इंटरनेशनल लि. (जूम विकासकों की अनुपूरक) के साथ एक संयुक्त उद्यम के रूप में बनायी गयी।

हार्वेस्ट आई टी वर्जन 2.0 में निम्नलिखित पर विचार किया गया है:

(क) फसल दर फसल में कार्यात्मक भिन्नताओं और एक से दूसरी फसल में परम्परागत कठिनाइयों के नाते क्षेत्र विशेष की आवश्यकताएं।

these antigens of the company. This is stated to be the first company in India to produce all the four antigens. Production of all the four Hepatitis-C virus antigens will be scaled up to commercial level from milligram to gram level production through fermentation process and protein purification.

The company signed a loan agreement on 25th July, 2005 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 250 lakhs. The total cost of the project is Rs. 500 lakhs. The project is due for completion in January 2007.

5. Diviya Renewable Energy Private Limited, Kolkata

M/s Diviya Renewable Energy Private Limited, Kolkata, has submitted a proposal on 'Commercialization of indigenous a-Si (Amorphous silicon) solar cell technology'. The company has been incorporated in May 2004.

The technology has been developed by Indian Association for the Cultivation of Science (IACS), Kolkata with financial support from Department of Science & Technology, Ministry of Non-Conventional Energy Sources. IACS has filed patent applications for the process and important component of RFPECVD system. The technology has been developed from the stage of development of materials, fabrication of solar cells/modules to design and fabrication of indigenous plant for commercial production.

The product from the plant will be single junction a-Si solar modules (which will be thin film solar cell) on transparent conducting oxide coated glass substrates. According to the production line to be set up, modules of different wattages will be fabricated. Requirement of material will be very low (thickness 0.5 micron compared to 400 micron for crystalline silicon solar cell).

The project is being located at village Mouza-Kulai, District Howrah.

The company signed a loan agreement on 26th August, 2005 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 325 lakhs. The total cost of the project is Rs. 657 lakhs. The project is due for completion in April, 2007.

6. iSmart Business Solutions Private Limited, Kochi

M/s iSmart Business Solutions Private Limited was provided loan assistance from TDB for "Development of software solution for agriculture".

The company proposes to develop and market Harvest IT version 2.0 as an end-to- end solution catering agribusiness in India as well as abroad. The product focuses on cultivation practices including crop specific agronomy solutions, ERP (Enterprise Resource and Planning) etc. The product is to have fully integrated solution with about 40 modules including agronomy module. Phase I is to address plantation of oil palm, tea and rubber industries which would be extended in Phase II to other crop. M/s Soft Systems Limited, Kochi, had already developed Harvest IT version 1.0 and wanted to develop version 2.0. Soft Systems Limited underwent financial restructuring and a new company, M/s iSmart Business Solutions Private Limited was formed as a joint venture with new investors, Zoom Developers and iSmart International Limited (subsidiary of Zoom Developers).

Harvest IT version 2.0 will address

(a) Domain specific requirements, being functional differences from crop to crop and difficulties in customizing from one crop to another.

(ख) एक देश से दूसरे देश में कृषि - व्यवहारों में भिन्नता देश की विशेष स्वायत अपेक्षाओं और भाषा भिन्नताओं के नाते स्थान विशिष्ट की अपेक्षाएं।

परियोजना की कुल लागत 841.42 लाख रूपये है। टी डी बी 30 सितम्बर, 2005 के कंपनी के साथ हुए ऋण करार पर हस्ताक्षर के तहत 400 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करा रहा है।

7. मै. जिनेवा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी लिमिटेड, बंगलौर

प्राकृतिक भाषा की रूपरेखा एक सॉफ्टवेयर है जो किसी स्थानीय भाषा में सॉफ्टवेयर उत्पादों, वेबसाइटों, इण्टरनेटों, एस एम एस, एम एम एस को स्थानान्तरित करेगा और यथा अपेक्षित किसी भी भाषा के विकल्प पर प्रयोक्ता को संचारित करेगा। मै. जिनेवा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी लि., बंगलौर ने यू एस पेटेंट के लिए पेटेंट आवेदन किया है।

प्रौद्योगिकी स्वतंत्र वातावरण में किसी भी प्रदर्शन पर भाषा संलक्षणों को किसी व्यक्त भाषा में व्यवहार करने में सक्षम है। एस एम एस अनुप्रयोग के एक समान निष्पादन के साथ मोबाइल हैंडसेटों की व्यापक रेंज को अपनाने में सक्षम है।

विशेष क्षेत्र में स्थित लोगों को प्राकृतिक आपदाओं के घटित होने की चेतावनी भेजने हेतु स्थानीय भाषा में एस एम एस के अनुप्रयोग पर जांच कर ली गयी थी। एक विचारोत्प्रेरक सत्र में अन्तिम रूप में यह कहा गया कि संचार की सभी रीतियों में यह उपयोग लाभप्रद होगा ताकि बड़ी संख्या में लोगों को आपदा घटित होने बाबत यथा समय चेतावनी दी जा सके जिससे मानव जीवन, पशु और सम्पत्ति बचायी जा सके। यह महसूस किया गया कि ऐसी आपदाओं के लिए तेजी से पूर्व चेतावनी की प्रणालियों की आवश्यकताओं को देखते हुए कंपनी द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एस एम एस भेजना सम्भव हो सकेगा।

आपदा प्रबंधन हेतु क्षेत्रीय भाषाओं में चेतावनी संकेत जारी करने के लिए सूचना प्रणाली पर एक पायलट परियोजना चेन्नई शहर और तमिलनाडु में नागापट्टिनम के तटीय क्षेत्रों में कार्यान्वित किया गया था ताकि नवम्बर, 2005 में आरंभ हुए चक्रवाती/ वर्षाती मौसम में जो तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करता था प्रणाली का परीक्षण हो सकता था।

पायलट परियोजना की तथा समर्पित वास्तविक लीज्ड लाइनों की लागत के साथ कुल लागत 370 लाख रूपये हैं। कंपनी 60 लाख रूपये की इक्विटी लायी है। टी डी बी 310 लाख रूपये के अनुदान मुहैया करने हेतु सहमत हुआ है।

बोर्ड ने 22 सितम्बर, 2005 को हुई 34 वीं बैठक में पायलट परियोजना को स्वीकृति दी। कंपनी ने 14 अक्तूबर, 2005 को करार पर हस्ताक्षर किए। परियोजना मार्च, 2006 में सफलतापूर्वक पूरी कर ली गयी है।

8. जीनोटेक लेब्रोरेटीज लिमिटेड, हैदराबाद

मै. जीनोटेक लेब्रोरेटीज लि., हैदराबाद ने रिकॉम्बिनेंट थेराप्यूटिक्स - ऑनकोलॉजी और इण्डोक्रिनोलॉजी उत्पादों के उत्पाद हेतु नोवल प्रौद्योगिकीयों के वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

कंपनी मोलोग्रामोटिज्म (जी एम सी एस एफ), फिल्ग्रास्टिज्म (जी - सी एस एफ), अल्डेस्ल्यूकिन (आई एल - 2), फोलिसिल स्टिमुलेटिंग हार्मोन एफ एस एच), रीकांविनेंट ई. कोलि से हयूमन क्लोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एच सी जी) और मम्मालियन सेल्स का परियोजना के तहत प्रारंभ में उत्पादन हेतु एक संयंत्र स्थापित कर रही है।

कंपनी धीरे - धीरे क्षमता उपयोग की ओर लगभग 10 उत्पादों का पोर्टफोलियो बनाने का विचार रखती है।

इस परियोजना के साथ कंपनी यू एस - खाद्य और औषध प्रशासन तथा सी जी एम पी मानकों के सख्त विनियामक मानदण्डों को पूरा करने के लिए थेराप्यूटिक प्रोटीन रिकॉम्बिनेंट हेतु बड़ी मात्रा में औषध और प्रतिपादनों

(b) Locale specific requirements, being agri-practices variation from country to country, specific statutory requirements to country and language differences.

The total project cost is Rs. 841.42 lakhs. TDB is providing loan assistance of Rs. 400 lakhs under a loan agreement signed with the company on 30th September 2005. The project duration is 18 months.

7. M/s Geneva Software Technologies Limited, Bangalore

The Natural Language Framework is a software that will migrate software products, websites, intranets, SMS, MMS into any local language and will communicate to the user at the choice of any language as may be required. M/s Geneva Software Technologies Limited, Bangalore, has filed the patent application for the US patent.

The technology is capable of handling any language rendering language characters on any display independent of the environment. The SMS application is able to adapt to a large range of mobile handsets with uniform performance.

The SMS application in regional languages for sending warnings of impending natural calamities to the people located in the specific region was examined. In a brain storming session, it was concluded that it would be beneficial to use all modes of communication so that the people at large can be warned timely of the impending disaster thereby enabling saving of human lives, animals and property. Recognizing the need for fast track early warning systems for such disasters, it was felt that it would be possible to send SMS using the technology developed by the company.

The pilot project on information system for issuing warning signals in regional language for disaster management was implemented in Chennai city and in Nagapattinam Coastal areas in Tamil Nadu so as to test the system in the cyclone/rainy season commenced in November 2005 that affects the Tamil Nadu coast.

The total cost of the pilot project is Rs. 370 lakhs plus the cost of dedicated leased lines at actuals. The company brought in equity of Rs. 60 lakhs. TDB has agreed to provide a grant of Rs. 310 lakhs.

The duration of the project is six months starting from October 2005.

The Board had approved the pilot project in its 34th meeting held on 22nd September 2005. The company signed the agreement on 14th October 2005. The project has been completed successfully in March 2006.

8. Zenotech Laboratories Limited, Hyderabad

M/s Zenotech Laboratories Limited, Hyderabad, has submitted an application, seeking loan assistance from the Technology Development Board for commercialisation of novel technologies for the manufacture of recombinant therapeutics - Oncology and Endocrinology products.

The company is setting-up a plant for the manufacture of Molgramostim (GM-CSF), Filgrastim (G-CSF), Aldesleukin (IL-2), Follicle Stimulating Hormone (FSH), Human Chorionic Gonadotropin (HCG) from recombinant E.coli and mammalian cells initially under the project. Gradually, the company intends to build up a portfolio of about 10 products towards capacity utilization.

With this project, the company expects to be the first biotech company in India to have a bulk drug and formulations manufacturing

की उत्पादन सुविधा अपने पास होने से भारत में पहली बायोटेक कंपनी होने की आशा की जाती है।

कंपनी ने कहा है कि थेराप्यूटिक प्रोटीन रिकांबिनेंट के प्रस्तावित उत्पादन हेतु सभी प्रौद्योगिकियां पूर्णतः आन्तरिक रूप से विकसित की गयी हैं।

यह सुविधा इ. कोलि पर आधारित प्रत्येक उत्पाद का 250 ग्राम की उत्पादन क्षमता और मम्मालियन सेल्स पर आधारित प्रत्येक उत्पाद का 60 ग्राम वार्षिक रूप से उत्पादन के लिए होगी। संयंत्र तुरकापल्ली (v), शम्प्रीत मण्डल, रंगा रेड्डी जिले में जो हैदराबाद के गेनोप घाटी में एस पी बायोटेक पार्क के पास लगाया जा रहा है।

परियोजना की कुल अनुमानित लागत 3508 लाख रूपये है। बोर्ड ने 22 सितम्बर, 2005 को हुई इसकी 34 वीं बैठक में कंपनी को 600 लाख रूपये की ऋण सहायता मंजूर की थी। कंपनी ने 24 अक्तूबर, 2005 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किये।

परियोजना को जी - सी एस एफ और जी एम - सी एस एफ का उत्पादन करते हुए मार्च 2006 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

9. मैं बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

मैं बायोवेट प्रा. लि., बंगलौर को एक कंपनी के रूप में जनवरी, 2005 समाविष्ट किया गया, सीरोटाइप्स ओ ; ए और एसियल स्ट्रेंस में मोनोवलेंट, बिभालेंट और जानवरों के पैरों/ मुंह की बीमारियों के लिए टीका प्रतिवादकों के साथ टीकों के उत्पादन हेतु बंगलौर में एक संयंत्र स्थापित किया गया है।

विभिन्न सिरोटाइप्स के क्रयूड वायरस प्रतिजन के उत्पादन हेतु जानकारी प्रक्रिया अभी सार्वजनिक प्रभाव क्षेत्र में होने की सूचना दी गयी है। पारम्परिक प्रक्रिया में उत्पादित क्रयूड प्रतिजन टीके के सांद्रण और शुद्धिकरण की निचले रूप में संसाधन हेतु जानकारी प्रक्रिया का एकीकरण एफ एम डी हेतु प्रतिजन टीका उत्पादन की विद्यमान और पुरानी प्रक्रिया के लिए वास्तविक मूल्यवर्धन है। अनुप्रवाह प्रक्रिया हेतु जानकारी भारत बायोटेक अन्तराष्ट्रीय लिमि. द्वारा विकसित की गयी है तथा उसे हिमैक्स प्रौद्योगिकी का नाम दिया गया है, भारत बायोटेक लि. ने हिमैक्स प्रौद्योगिकी के लिए दो वैश्विक पेटेंटों के लिए आवेदन किया है।

भारत बायोटेक इन्टरनेशनल लि. ने बायोवेट द्वारा वाणिज्यिक उपयोग हेतु हिमैक्स प्रौद्योगिकी के लाइसेंसिग अथवा/ और अन्तरण हेतु 25 फरवरी, 2005 को प्रौद्योगिकी अन्तरण करार पर हस्ताक्षर किये।

पैरों और मुंह की बीमारी के टीके के उत्पादन हेतु वार्षिक रूप से 40 मिलियन खुराक की क्षमता वाले संयंत्र को लगाया जा रहा है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2522.80 लाख रूपये है।

बोर्ड ने 22 सितम्बर, 2005 को हुई इसकी 34 वीं बैठक में 400 लाख रूपये से ऋण स्वीकृति बढ़ाकर 850 लाख रूपये कर दी है। कंपनी ने 7 दिसम्बर, 2005 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किये। परियोजना जून, 2007 तक पूरी हो जाने के लिए नियत है।

10. आई ए एक्स आई एस लिमिटेड, हैदराबाद

मैं. आर ए एम्स आई एस लि., हैदराबाद को दूरसंचार नेटवर्क हेतु प्रयुक्त एक ऑन लाइन अगली पीढ़ी सी डी आर (चार्जिंग डाटा रिकार्ड) गेटवे - आई कलेक्ट के वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी से ऋण सहायता मुहैया करायी गयी है। यह एक आई एस ओ 9000 प्रमाणित कंपनी है और यह टी एल - 9000 हेतु प्रमाणनीकरण प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

कंपनी ने दूर संचार नेटवर्कों से सी डी आर एकत्र करने की अनूठी रीति खोजी है। विकसित आई कलेक्ट सूट परतदार माडल पर आधारित है। आई कलेक्ट सूट में (i) सर्किट स्विच वाले नेटवर्कों हेतु आइ कलेक्ट - सी एस और (ii) तीसरी पीढ़ी नेटवर्कों के लिए आइ कलेक्ट - 3 जी है। आई कलेक्ट एक्सचेंजों और सेवा मुहैयाकर्ताओं

facility for recombinant protein therapeutics that meet the stringent regulatory norms of the US-Food and Drug Administration and cGMP standards.

The company has stated that all the technologies for the proposed manufacture of recombinant therapeutic proteins have been completely developed in-house.

The facility is for capacity production of 250 gm of each product based on E.coli and 60 gm of each product based on mammalian cells annually. The plant is being located at Turkapalli (V), Shameerpet Mandal, Ranga Reddy District, which is adjacent to the SP Biotech Park in the Genome Valley of Hyderabad.

The total project cost is estimated at Rs 3508 lakhs. The Board, in its 34th meeting held on 22nd September 2005 had approved loan assistance of Rs. 600 lakhs to the company. The company signed the loan agreement on 24th October 2005.

The project has been completed successfully in March 2006 by bringing out the products G-CSF and GM-CSF.

9. M/s Biovet Private Limited, Bangalore

M/s Biovet Private Limited, Bangalore, a company incorporated in January 2005, is setting up a plant in Bangalore for the manufacture of vaccine with the serotypes O, A and Asial strains in monovalent, bivalent and trivalent vaccine formulations for the foot and mouth disease of the animals.

The process know-how for the production of crude virus antigen of different serotypes is reported to be in the public domain at present. Integration of the process know-how for down stream processing of concentration and purification of the crude antigen vaccine produced in the conventional process, is the real value addition to the existing and old process of the antigen vaccine production for FMD. The know-how for the downstream process has been developed by Bharat Biotech International Limited and the same has been named as HIMAX technology. Bharat Biotech International Limited has applied for two global patents for the HIMAX technology.

Bharat Biotech International Limited has entered into a technology transfer agreement on 25th February 2005 for licensing or / and transferring the HIMAX technology for the commercial use by Biovet.

Biovet Private Limited is putting up a plant having a capacity of 40 million doses annually for the production of the foot and mouth disease vaccine. The total cost of the project is estimated at Rs. 2522.80 lakhs.

The Board, in its 34th meeting held on 22nd September 2005, enhanced the loan sanction from Rs. 400 lakhs to Rs. 850 lakhs. The company signed the loan agreement on 7th December 2005. The project is due for completion in June 2007.

10. iAxis Ltd., Hyderabad

M/s iAxis Limited, Hyderabad, is provided a loan assistance from TDB for commercialisation of iCollecT - an online next generation CDR (Charging Data Record) Gateway used in for telecommunications network. It is an ISO 9000 certified company and is in the process of obtaining certification for TL-9000.

The company has invented a unique method of collecting CDRs from telecommunication networks. The iCollecT suite is developed based on a layered model. The iCollecT suite consists of (i) iCollecT - CS

के परिसरों में उनके अनुप्रवाह अनुप्रयोगों के बीच स्थित है। आइ कलेक्ट, इरिक्शन इंडिया प्रा. लिमि. के माध्यम से बी एस एन एल के नेटवर्कों में उनके 17 एक्सचेजों में लगाया गया है। कंपनी से सूचना मिली है कि आई कलेक्ट इस श्रेणी का मात्र उत्पाद है जिसमें इसकी परिचालनताओं के लिए टेलिकॉम इंजीनियरी केन्द्र (टी ई सी) द्वारा इसे प्रमाणित किया गया है। कंपनी ने आई कलेक्ट - सी एस की बिक्री की आधुनिकतम शुरूआत की है।

आई - कलेक्ट और सिग्मा टेलिकॉम बाजार में नेटवर्क से व्यापार घटक में अनूठे रूप से अवस्थित हैं जहां से सी डी आर के विश्वसनीय और सुरक्षित कलेक्शन तथा परिवहन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्य करते हैं। आई कलेक्ट के साथ कंपनी यह भी दावा करती है कि यही वह कंपनी है जो सर्किट स्विच वाले नेटवकर्स के लिए बहु प्राटोकालों हेतु सी डी आर कलेक्शन समाधान वाली पहली भारतीय कंपनी है। सिग्मा के साथ घरेलू रूप से बनायी गयी एस एस 7 मॉनिटरिंग और सी डी आ सृजन प्रोब वाली पहली कंपनी होने का दावा है।

परियोजना लागत 990 लाख रूपये है। टी डी बी 19 दिसम्बर, 2005 को हस्ताक्षर हुए करार के तहत 410 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करा रहा है। परियोजना जून, 2007 तक पूरी होने के लिए नियत है।

11. मै. अवरा लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मै. अवरा लेबोरेटरीज प्रा. लि., हैदराबाद ने कैंसर रोधी कारकों नामतः इरिवेनोटेकन, वाइकैलुटमाइड और अनेस्ट्राजोल के उत्पादन हेतु टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

कम्पनी जुलाई 1995 में समाविष्ट की गयी थी। इसे डॉ. ए. वी. रामाराव, पूर्व निदेशक, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रोन्नत किया गया। वह अनेक राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों को पाने वाले व्यक्ति थे। कंपनी के पास आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट है जिसे डी एस आई आर से मान्यता प्राप्त है।

पूर्व में टी डी बी ने जुलाई 1998 में हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत उच्च मूल्य अच्छे रासायनिकों के उत्पादन हेतु कंपनी को 200 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करायी थी। कंपनी ने परियोजना सफलतापूर्वक पूरी करने के पश्चात टी डी बी ऋण धनराशि को लौटा दिया है। अब कंपनी कैंसर - रोधी कारकों नामतः इरिनोटिकन, विकैलुटामाइड और एमाट्रामोल का उत्पादन करने का प्रस्ताव कर रही है। कंपनी ने इथाइल एसटोआसिटेट जैसे सरल मध्यवर्तीयों से इरिनोटिकन का समग्र संश्लेषण आरंभ करने और ऑप्टिकली शुद्ध रूप में एक मुख्य मध्यवर्ती को पूरा करने के लिए अनेक कदम उठाये हैं। उत्पाद सभी यू एस एफ डी ए विनिर्देशनों को पूरा करता है तथा सिपला द्वारा अनुमोदित है। विकालुटामाइड एक गैर - स्टीरियोडियल परिधीय रूप से सक्रिय एन्ड्रोजनरोधी है। कंपनी ने एक नवोन्मेषी दृष्टिकोण तैयार किया है जो साहित्य के ढंग से भिन्न है। कंपनी ने एक प्रयोगशाला प्रक्रिया विकसित की है। कंपनी एक पी सी टी आवेदन दर्ज करने का प्रस्ताव करती है जो विकसित प्रक्रिया के लिए एक भारतीय पेटेंट है। अनेस्ट्राजोल अरोमोटास प्रणाली का एक प्रभावशाली और चयनात्मक निरोधी है। यह एक मिलिग्राम दैनिक खुराक में पोस्टमोनोपोजल महिलाओं में छाती के कैंसर के उपचार हेतु प्रयोग में लाया जाता है।

चूंकि ये यौगिक बहुत की प्रतिरोधी हैं और ट्यूमररोधी कारकों के उत्पादन हेतु विशेष रूप से विशिष्ट सुविधाओं की अपेक्षा रखते है; कंपनी पेनुल्टिमेट मध्यवर्ती से अन्तिम रूप में मौलिक औ-घों के उत्पादन हेतु सी जी एम पी सुविधाएं बनाने का विचार रखती है।

कंपनी ने औषधि नियंत्रक, भारत से इन यौगिकों के लिए औषध लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कदम उठाये हैं।

परियोजना की कुल लागत 1035 लाख रूपये है। टी डी बी 475 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान

for circuit switched networks and (ii) iCollecT - 3G for the 3rd generation networks. ICollecT is located between the exchanges and the downstream applications of the service provider in its premises. ICollecT has been deployed in the BSNL networks in their 17 exchanges through Ericsson India Private Limited. The company reported that iCollecT is the only product in its class which has been certified by Telecom Engineering Centre (TEC) for its functionalities. The company has made a modest beginning of selling iCollecT-CS.

The iCollecT and SIGMA are uniquely positioned in the Network-to-Business segment of the telecom market to address the critical issue of reliable and secure collection and transportation of CDRs. With iCollecT, the company also claims that it is the first Indian company to have a CDR collection solution for multiple protocols for Circuit Switched networks. As with SIGMA, it is claimed to be the first Indian company to have a home- grown SS7 Monitoring and CDR generation probe.

The project cost is Rs. 990 lakhs. TDB is providing a loan assistance of Rs. 410 lakhs under an agreement signed on 19th December 2005. The project is due for completion in June 2007.

11. M/s. Avra Laboratories Private Ltd., Hyderabad

M/s Avra Laboratories Private Limited, Hyderabad, have submitted an application seeking loan assistance from Technology Development Board (TDB) for production of anti cancer agents, namely, Irinotecan, Bicalutamide and Anastrazole.

The company was incorporated in July 1995. It is promoted by Dr. A.V. Rama Rao, former Director of Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad. He has been the recipient of several national and international awards and honours. The company has its in-house R&D unit recognized by DSIR.

In the past, TDB had provided a loan assistance of Rs. 200 lakhs to the company for manufacture of high value fine chemicals under a loan agreement signed in July 1998. The company has settled the loan account with TDB after successfully completing the project. Now, the company proposes to manufacture anti cancer agents namely, Irinotecan, Bicalutamide and Anastrazole. The company has taken up the total synthesis of Irinotecan starting from simple intermediates such as Ethyl Acetoacetate and going through several steps to complete a key intermediate in optically pure form. The product meets all the US FDA specifications and was approved by CIPLA. Bicalutamide is a non-steroidal peripherally active anti-androgen. The company has worked out an innovative approach, different from the literature method. The company has developed a lab process. The company is proposing to file a PCT application and an Indian patent for the process developed. Anastrozole is a potent and selective inhibitor of the aromotase system. It is used in the treatment of breast cancer in postmenopausal women in a dose of 1 mg daily.

As these compounds are highly potent and need special facilities exclusively to manufacture anti-tumour agents, the company intends to build cGMP facilities to produce the final basic drugs from the penultimate intermediate. The company has initiated steps to obtain a drug licences for these compounds from the Drug Controller of India.

The total project cost is Rs. 1035 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of

करने के लिए सहमत हुआ है। कंपनी ने 24 जनवरी, 2006 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किये। परियोजना की अवधि 18 माह है।

12. मैं. गोल्डस्टोन टेलिसर्विसेज लिमिटेड, सिकन्दराबाद

मैं गोल्डस्टोन टेलिसर्विसेज लि. (जी टी एस एल) सिकन्दराबाद को तेल और गैस पाइपलाइनों के लिए पॉलियोलिफिनिक कम्पाउण्ड स्लीब्स पर आधारित संयुक्त कोटिंग प्रणाली के उत्पादन हेतु टी डी बी द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

जी टी एस एल एक आई एस ओ 9001 : 2000 प्रमाणित कंपनी है। इसका आर एण्ड डी केन्द्र, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है। जी टी एस एल, गोल्डस्टोन ग्रुप की कंपनियों से संबंधित है।

जी टी एस एल को तेल और गैस पाइपलाइन के लिए पॉलियोलिफीनिक यौगिक स्लीब्स पर आधारित संयुक्त कोटिंग प्रणाली का उत्पादन करना है। तेल और गैस पाइपलाइन के चारों ओर लपेटने के लिए अपेक्षित उष्मित सिकुड़ने वाले स्लीव की लम्बाई पाइप के आकार पर निर्भर करती है। स्लीव की चौड़ाई 4" से 56" के बीच होगी। प्रचालनों में यौगिक संश्लेषण, एक्सट्रयूशन, क्रॉस लिंकिंग, शीट स्ट्रेचिंग और हॉट मेल्ट एडेसिव कोटिंग से हीट संकुचन शीट उत्पादन है। प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा अपने आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट में विकसित की गयी है।

प्रौद्योगिकी की विशिष्टता पॉलियोलिफिन यौगिक और उष्मा उत्प्रेरित चेपदार पदार्थ के उत्पादन में है। कंपनी ने पॉलियोलिफिनिक यौगिक बनावट है जो इसकी अपनी सुविधा पर स्लीब्स के चारों ओर लपेटने के लिए उत्पादन का मुख्य घटक है। स्लीब्स के चारों और लपेटने के लिए उत्पादन का मुख्य घटक है और से संयंत्र में उपयोग हेतु शीट बनाने के लिए चीन भेजे जाने बाबत सूचना है तथा परियोजना के लिए मशीनरी प्रापण प्रस्तावित है।

परियोजना की लागत 696.36 लाख रुपये है। टी डी बी 350 लाख रुपये की ऋण सहायता मुहैया करने के लिए सहमत है। कंपनी ने 8 फरवरी 2006 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किये। परियोजना 1 मार्च, 2007 को पूरी होनी निश्चित है।

13. मै. एस एम एस कोर्टिंग्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मै. एस एम एस कोर्टिंग्स (इंडिया) प्रा. लि., हैदराबाद ने अल्ट्रा हार्ड सेरामिक कोर्टिंग्स के लिए माइक्रो आर्क आक्सिडेशन कोटिंग सुविधा हेतु ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए टी डी बी को आवेदन प्रस्तुत किया है। माइक्रो आर्क ऑक्सिडेशन (एम ए ओ) कोटिंग प्रौद्योगिकी अलुमीनियम और अलॉय घटकों को सतह पर सुपीरियर वियरिंग देने और कोरोसिन प्रोपर्टीज पर सूक्ष्य कोटिंग्स हेतु है। उत्पादन का अनुप्रयोग लगभग सभी क्षेत्रकों जैसे रसायन, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिकी, एयरोस्पेश, टैक्सटाइल, सामान्य इंजीनियरी आदि में है।

प्रौद्योगिकी ए आर सी आई, हैदराबाद द्वारा विकसित की गयी है। कंपनी ने 27 जुलाई, 2007 को प्रौद्योगिकी अन्तरण करार पर हस्ताक्षर किये हैं। कंपनी का पटनचेरू मेडल जिले में एम ए ओ कोटिंग सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव है।

परियोजना की कुल लागत 196 लाख रुपये है। टी डी बी ने 98 लाख रुपये की ऋण सहायता देने पर सहमति दी है। कंपनी ने 15 फरवरी 2006 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किये। परियोजना दिसम्बर 2006 तक पूरी होनी तय है।

14. मै. लॉजिक ईस्टर्न (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

मै. लॉजिक ईस्टर्न (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने ब्रॉड बैंड रिमोट एसेस सर्वर इडगिल - 4 जी (एज इंटेलिजेंस एट लॉजिक ईस्टर्न) नामक उत्पादन की सुविधा स्थापित करने के लिए टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

Rs. 475 lakhs. The company signed the loan agreement on 24th January 2006. The duration of the project is 18 months.

12. M/s. Goldstone Teleservices Limited, Secunderabad

M/s Goldstone Teleservices Limited (GTSL), Secunderabad, is being supported by TDB to manufacture joint coating system based on polyolefinic compound sleeves for oil and gas pipelines.

GTSL is an ISO 9001: 2000 certified company. Its R&D centre is recognized by the Department of Scientific and Industrial Research. GTSL belongs to Goldstone Group of Companies.

GTSL is to manufacture joint coating system based on polyolefinic compound sleeves for oil and gas pipelines. The length of the heat shrinkable sleeve required for wrapping around of oil and gas pipeline depends upon the size of the pipe. The width of the sleeve would be between 4" to 56". The operations involved in the manufacture of heat shrinkable sheet are compound synthesis, extrusion, cross linking, sheet stretching and hot melt adhesive coating. The technology has been developed by the company at its in-house R&D unit.

The uniqueness of the technology lies in manufacturing of the polyolefin compound and heat activated adhesive. The company has made the polyolefinic compound which is the key component in manufacture of wrap around sleeves at its own facility and reported to have sent it to China for making sheets using the plant and machinery proposed to be procured for the project.

The project cost is as Rs.696.36 lakhs. TDB agreed to provide a loan assistance of Rs. 350 lakhs. The company signed the loan agreement on 8th February 2006. The project is due for completion on 1st March 2007.

13. M/s. SMS Coatings (India) Private Limited, Hyderabad

M/s S.M.S. Coatings (India) Private Limited, Hyderabad, submitted an application to TDB seeking loan assistance for Micro Arc Oxidation Coating Facility for ultra-hard ceramic coatings. The Micro Arc Oxidation (MAO) coating technology will be used for micro coatings on aluminium and alloy component surfaces to impart superior wear and corrosion properties. The product has applications in almost all sectors like chemical, automotive, electronics, aerospace, textile, general engineering, etc.

The technology is developed by ARCI, Hyderabad. The company has entered into a technology transfer agreement on 27th July 2005. The company proposes to set up MAO coating facility at Patancheru, Medak District.

The total cost of the project is Rs. 196 lakhs. TDB has agreed to provide a loan of Rs. 98 lakhs. The company signed a loan agreement on 15th February 2006. The project is due for completion in December 2006.

14. M/s. Logic Eastern (India) Private Limited, New Delhi

M/s. Logic Eastern (India) Private Limited, New Delhi, submitted an application seeking loan assistance from TDB for setting up a facility to manufacture Broadband Remote Access Server named Edgile-4G (Edge Intelligence at Logic Eastern).

इडगिल 4 जी "ब्रॉड बैंड अनुप्रयोगों" के लिए परिकल्पित कैरियर ग्रेड एज रूटर है। एडगिल 4 जी ब्रॉडबैंड रिमोट एसेस सर्वर एक विशिष्ट हार्डवेयर उपकरण के साथ एम्बेडेड सॉफ्टवेयर और अगली पीढ़ी की सेवाओं को मुहैया करने के लिए सेवा मुहैयाकर्ताओं द्वारा स्थापित प्रबंधन प्लेटफार्म है। प्रौद्योगिकी आन्तरिक आर एंड डी केन्द्र में विकसित की गयी है। प्रस्तावित परियोजना में इण्टरनेट, वॉइस ओवर इण्टरनेट (वी ओ आई पी), इण्टरनेट प्रोटोकॉल टेलिविजन (आई पी टी वी) नेटवर्क्स के लिए एकल नेटवर्क/ वायर के माध्यम से वीडियो सहित कुल संचार नेटवर्क एकीकरण हेतु एक इंड टू इंड कंवर्जेड् सर्विस सोल्यूसन लगाने की क्षमता है। कंपनी ने आर पी जी केवल्स और हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन्स लिमिटेड जैसी कंपनियों से उत्पाद विकास निधि प्राप्त की है। कंपनी का प्रशासनिक और सॉफ्टवेयर केन्द्र नॉयडा में है।

यह देश में पहली कंपनी है जिसने एम टी एन एल, ए पी एन ई टी आंध्र प्रदेश और एच एफ सी एल कनेक्ट (चंडीगढ़) मे आइ पी टी वी नेटवर्क्स लगाया है। इसने पेटेंट हेतु एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास अभी एम टी एन एल (दिल्ली एवं मुम्बई), आकाश ब्रॉडबैंड लिमि. पी टी सी (नाइजीरिया) और एच एफ सी एल कनेक्ट (चंडीगढ़) से आर्डर हैं।

परियोजना की कुल लागत 967 लाख रूपये है। टी डी बी 477 लाख रूपये का ऋण मुहैया करने पर सहमत है और 29 मार्च, 2006 को करार पर हस्ताक्षर हुए हैं। परियोजना अक्तूबर 2007 तक पूरी हो जाने के लिए निश्चित है।

मूल सहायता प्रणाली

बोर्ड की 28 जनवरी, 2005 को हुई 31 वीं बैठक में डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्तिक विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटर्स/ स्टेप्स में आरंभन हेतु मूल सहायता प्रणाली में टी डी बी की सहभागिता पर अनुमोदन प्रदान किया है। बोर्ड ने इस प्रयोजनार्थ 3 व-र्षों की अवधि हेतु प्रत्येक एक करोड़ रूपये की कुल मिलाकर 5 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

वित्तीय सहायता अभिवृद्धि और सम्बद्ध कार्य के लिए अपेक्षित प्रौद्योगिकियों हेतु प्रारंभिक स्तर पर सहायता को पूरा करने के लिए है। वित्तीय सहायता केवल इन्क्यूबेटेड उद्यमी द्वारा ही प्रयुक्त की जायेगी और सुविधा सृजन हेतु स्टेप/ टी बी आई द्वारा प्रयुक्त नहीं होगा। मूल सहायता एक अवधि (पांच व-र्ा के लिए) इन्क्यूवेशन की निधि बनाने स्टेप्स/ टी बी आई को कार्यान्वित करने में अनुकूल बनाने के लिए भी होगी।

प्रत्येक कार्यान्वयन एजेंसी की परियोजना प्रबंधन समिति इसे सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी रहेगी और इन्क्यूवेशन निधि बनाने के लिए समुचित वित्तीय कारकों/ तंत्रों (आंशिक अनुदान, आंशिक सरल ऋण, एक्विटी सहभागिता, ब्याजमुक्त ऋण आदि) से प्राप्ति करेगी ताकि प्रचालनीय पक्ष पर उनकी अपेक्षाओं को वहन करने में वे सक्षम हो सकें।

प्रस्तावित मूल सहायता को टी डी बी और स्टेप/ टी बी आई संवृद्धि उन्मुखी पहल माना गया है। पूरी परियोजना के लिए एक इन्क्यूबिटी को संवितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की कुल उच्च सीमा 25 लाख रूपये तक सीमित है। निम्नलिखित इन्क्यूवेट्स को मूल सहायता मुहैया करायी गयी है।

15. जसाटे - स्टेप, नौयडा

जसाटे - स्टेप, नौयडा ने 16 सितम्बर, 2005 को टी डी बी के साथ टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की मूल सहायता की सुविधा हेतु करार पर हस्ताक्षर किये।

16. वेल्लौर प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर, वेल्लौर

वेल्लौर प्रौद्योगिकी संस्थान - प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर, वेल्लौर ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की मूल सहायता की सुविधा प्राप्त करने के लिए 16 सितम्बर, 2005 को टी डी बी के साथ करार पर हस्ताक्षर किये।

Edgile 4G is a carrier grade Edge Router designed for "Broadband applications". The Edgile - 4G Boradband Remote Access Server is a specialized hardware device with embedded software and management platform installed by service providers to provide next generation services. The technology has been developed at its in-house R&D center. The proposed product has the capability of deploying an end to end converged datacom services solution for integrating the total communication network including Internet, Voice Over Internet (VOIP), video through a single network / wire for Internet Protocol Television (IPTV) networks. The company received product development funds from companies like RPG Cables and Himachal Futuristic Communications Limited. The company has its administrative and software center located at NOIDA.

It is the first company in the country that has deployed IPTV networks at MTNL, APNET Andhra Pradesh and HFCL Connect (Chandigarh). It has filed an application for patent. The company currently has orders from MTNL (Delhi & Mumbai), Aksh Broadband Limited, PCTC (Nigeria) and HFCL Connect (Chandigarh).

The total cost of the project is Rs.967 lakhs. TDB has agreed to provide a loan of Rs.477 lakhs under an agreement signed on 29th March 2006. The project is due for completion in October 2007.

Seed Support System

The Board, in its 31st meeting held on 28th January 2005, approved TDB's participation in the Seed Support System for Start-ups in Incubators / STEPs, administered by National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST. The Board sanctioned financial assistance of Rs. 1 Crore each aggregating to Rs. 5 crore over a period of three years as grant for this purpose

The financial assistance is to cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. The financial assistance is to be used by the incubated entrepreneur only and will not be used by the STEP/TBI for facility creation. The seed support would also facilitate the implementing STEPs / TBIs to build up of an Incubation Fund over a period (of say 5 years).

The Project Management Committee of each of the implementing agency remains responsible to ensure this and would bring in appropriate financial instruments/mechanisms (part grant, part soft loan, equity participation, interest free loan etc.) for building up the Incubation Fund so as to enable them to sustain their requirements on the operational side.

The proposed seed support is treated as a growth oriented initiative between TDB and STEP/TBI. The total upper ceiling of financial assistance to be disbursed to an incubatee is limited to Rs. 25 lakhs for the entire project. The following incubates have been provided seed support.

15. JSSATE-STEP, Noida

JSSATE-STEP, Noida, signed an agreement with TDB on 16th September 2005 for availing of seed support of Rs. 100 lakhs as grant from TDB.

16. Vellore Institute of Technology, Technology Business Incubator, Vellore

Vellore Institute of Technology - Technology Business Incubator, Vellore, signed an agreement with TDB on 16th September 2005 for availing of seed support of Rs. 100 lakhs as grant from TDB.

17. टी आर इ सी - स्टेप, तिरूचिरापल्ली

टी आर इ सी - स्टेप, तिरूचिरापल्ली ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की मूल सहायता की सुविधा प्राप्त करने के लिए 16 सितम्बर, 2005 को टी डी बी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किये।

18. नवोन्मेष और उद्यमवृत्ति (सिने) सोसाइटी, आई आई टी - मुंबई

नवोन्मेष और उद्यवृत्ति सोसाइटी (सिने), आई आई टी - बम्बई, मुम्बई ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की मूल सहायता की सुविधा प्राप्त करने के लिए 20 अक्तूबर, 2005 को टी डी बी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किये।

19. नवोन्मेष और इन्क्यूवेशन केन्द्र (सी आई आई) आई आई एम, अहमदाबाद

नवोन्मेष और इन्क्यूनेशन केन्द्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की मूल सहायता की सुविधा प्राप्त करने के लिए 9 दिसम्बर, 2005 को टी डी बी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किये।

2005 - 06 के दौरान जारी उत्पादन/ पूरे की गयी परियाजनाएं

टी डी बी से वित्तीय सहायता के साथ वर्ष 2005 - 06 के दौरान पूरे किये गये जारी हुए उत्पादों का उल्लेख नीचे किया गया है।

वस्त्रों की रंजक छपाई के लिये प्रतिवर्ष 300 टन कृत्रिम थिकनर

मै0 गुंजन पेन्ट्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने वस्त्रों की रंजक छपाई के लिये प्रतिवर्ष 300 टन कृत्रिम थिकनर की उत्पादन सुविधा की स्थापना की है । रंजक छपाई से अधिक पसंदीदा तकनीक है क्योंकि यह सरल, किफायती है और अनेक प्रकार के वस्त्रों में उपयोग की जा सकती है । इस प्रौद्योगिकी में मिट्टी तेल के स्थान पर कृत्रिम थिकनर को रंजक छपाई में प्रयोग किया जाता है । इस प्रक्रिया के पर्यावरणिय लाभ हैं। टीडीबी ने सितम्बर, 2003 में हस्ताक्षरित करार के अधीन 321.24 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 116 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है । इस परियोजना को अप्रैल, 2005 में पूरा कर लिया गया है ।

कोर-डेक्ट डब्ल्यू एल एल दूर संचार प्रणाली का उन्नयन

मै0 एन-लोग कम्यूनिकेान प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने इंटरनेट सुविधा और टेलीफोनी वाले कम्प्यूटर प्रदान करने के लिये देश के ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे नगरों में सूचना खोखों को बड़ी संख्या में स्थापित करने के लिये 30 अप्रैल, 2005 को एक परियोजना पूरी की है । इस परियोजना में कोर-डेक्ट-डब्ल्यू एल एल दूर संचार प्रणाली का उन्नयन शामिल है। जो अतिरिक्त सुविधाओं के साथ विवसनीय, उपयोगकर्ता अनुकूल संयोजनता प्रदान करेगी। इस परियोजना के अंतर्गत ई-गवर्नेंस, ई-मार्केटिंग, ई-एजूकेान आदि का संवधर्न शामिल है ।

कंपनी ने 31 मार्च, 2005 तक 1625 खोखे स्थापित कर लिये हैं । टीडीबी ने 31 मार्च, 2003 के ऋण करार के अंतर्गत 913.49 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है ।

निम्न अणुभार (एलएमडब्ल्यू) हेपेरिन्सः डाल्टेपेरिन और नैड्रोपेरिन

मै0 ग्लैण्ड फार्मा लिमिटेड, हैदराबाद ने निम्न अणुभार (एलएमडब्ल्यू) हेपेरिन्सः डाल्टेपेरिन और नैड्रोपेरिन का विकास किया है । दोनों उत्पाद एंटीकोआगुलेंट हैं और इनका उपयोगशल्य चिकित्सा के दौरान गहरी नस थ्रोम्बोसिस के उपचार में किया जाता है । इस कंपनी के उत्पाद अन्य अत्पाद को इसी तरह के उत्पादों की तुलना में सस्ते हैं । टीडीबी ने 12 नवम्बर, 2003 के

17. **TREC-STEP, Tiruchirappalli**

TREC-STEP, Tiruchirappalli, signed an agreement with TDB on 16th September 2005 for availing of seed support of Rs. 100 lakhs as grant from TDB.

18. **Society for Innovation and Entrepreneurship (SINE), IIT- Bombay**

The Society for Innovation and Entrepreneurship, IIT-Bombay, Mumbai signed an agreement with TDB on 20th October 2005 for availing of seed support of Rs. 100 lakhs as grant from TDB.

19. **Centre for Innovation & Incubation (CII), IIM, Ahmedabad**

The Centre for Innovation and Incubation, Indian Institute of Management, Ahmedabad, signed an agreement with TDB on 9th December 2005 for availing of seed support of Rs. 100 lakhs as grant from TDB.

Products released / Projects completed during 2005-06

The products released completed during the year 2005-06 with the financial assistance from TDB are indicated below.

300 TPA of synthetic thickener for pigment printing of textiles

M/s. Gunjan Paints Limited, Ahmedabad, has setup a facility to manufacture 300 TPA of synthetic thickener for pigment printing of textiles. Pigment printing is the preferred technique mainly because of the simplicity, cost effectiveness and flexibility in application of variety of fabrics. The technology is based on substitution of kerosene in pigment printing by synthetic thickener. The process has environmental advantage. TDB has provided a loan assistance of Rs. 116 lakh out of the total project cost of Rs. 321.24 lakh under an agreement signed in September, 2003. The project is completed in April, 2005.

Upgradation of corDECT WLL telecommunication system

M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai completed a project on 30th April, 2005 for mass deployment of information kiosks in rural and small towns of the country to provide computers with internet accessibility and telephony. The project involved, upgradation of corDECT WLL telecommunication system to provide reliable, user friendly connectivity having additional features. The project covered promotion of e-governance, e-marketing, e-education etc.

Company has set up 1625 kiosks till 31st March, 2005. TDB has provided a loan assistance of Rs. 250.00 lakh against the total project cost of Rs. 913.49 lakh under loan agreement dated 31st March, 2003.

Low Molecular Weight (LMW) Heparins: Dalteparin & Nadroparin

M/s Gland Pharma Limited, Hyderabad has developed Low Molecular Weight (LMW) Heparins: Dalteparin and Nadroparin'. Both the products are anticoagulants and used in treatment of deep vein thrombosis and during surgeries. The products of the company have cost advantage over the equivalent products offered by other manufacturer. TDB has

ऋण करार के अधीन 900 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 450 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है । यह परियोजना 30 सितम्बर, 2005 को पूरी हुई थी ।

दो उत्पादों का विमोचन प्रौद्योगिकी दिवस, 2006 को किया गया।

एक्टिव फार्मा इनग्रेडिएंट (एपीआई)

मै0 इंड स्विफट् लेबोरेटरीज लिमिटेड, चण्डीगढ़ ने एक्टिव फार्मा इनग्रेडियंट लेट्रोजोल और एनास्ट्रोजोल के विकास, परीक्षण और वाणिज्यीकरण के लये टीडीबी से ऋण सहायता मांगी थी । दोनों एपीआई की कुल संस्थापित क्षमता 240 कि0ग्रा0 प्रतिवर्ष है । टीडीबी ने 11 नवम्बर, 2003 के ऋण करार के अधीन 240 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 120 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है । यह परियोजना अक्तूबर, 2005 में पूरी की गई है ।

लेड आधारित टूकलर डे/नाइट डिसप्ले सिस्टम

मै0 एमआईसी इलैक्ट्रानिक लिमि. ने लेड आधारित टूकलर डे/नाइट डिसप्ले सिस्टम की उत्पादन सुविधा स्थापित की है जो लाल, हरी और नीली रोशनी छोड़ने वाले सभी तीन प्रकार के लेड का उपयोग करती है । यह बहुप्रकार की सामग्रियों के अनुकूल हैं जैसे वीडियो, कम्पयूटर, लाइव कैमरा इनपुट आदि । यह डिसप्ले सिस्टम धूल और मौसम रोधी है और विभिन्न आकारों में इसका रूपान्तरण हो सकता है । इस उत्पाद का उपयोग मीडिया एवं संचार, जनसभाओं, चुनाव-अभियानो, आध्यात्मिक सम्मेलनों आदि के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा सकता है । टीडीबी ने 16 मार्च, 2003 के ऋण करार के अधीन 845 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 400 लाख रूपये ऋण सहायता के रूप में प्रदान किये हैं । यह परियोजना 27 अक्तूबर, 2005 को पूरी की गई ।

इस उत्पाद का विमोचन प्रौद्योगिकी दिवस, 2006 को किया गया ।

स्वचालित निरंतर गामा किरण स्टैरिलाइजेान प्लांट

मै0 ए0वी0 प्रोसेसर्स लिमिटेड, मुंबई ने कोबाल्ट 60 स्त्रोत का उपयोग करत हुए गामा किरणों से चिकित्सीय/सर्जीकल उत्पादों एवं मसालों के स्टैरिलाइजेान के लिए अंबरनाथ, महाराष्ट्र में एक स्वचालित निरंतर गामा किरण स्टैरिलाइजेान प्लांट की स्थापना की है । यह परियोजना बोर्ड आफ रेडिएशन एण्ड आइसोटोप टेक्नोलाजी (ब्रिट) द्वारा विकसित प्रमाणित प्रौद्योगिकी पर आधारित है । यह प्लांट पूर्णतः स्वचालित और कम्पयूटरीकृत है और कोबाल्ट 60 की 1 मिलियन क्यूरीज़ को रखने और प्रतिवर्ष 2400 घनमीटर तक की प्रसंस्करण क्षमता के लिए सक्षम है । टीडीबी ने 27 जुलाई, 2004 के एक करार के अंतर्गत 472 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 235 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है कंपनी ने नवम्बर, 2005 में यह परियोजना पूरी की ।

प्राकृतिक भाषा रूपरेखा प्रौद्योगिकी

मै. जिनेया सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी लि., बंगलौर ने उद्यम और टेलिकॉम अनुप्रयोगों के लिए प्राकृतिक भाषा रूपरेखा प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी से ऋण सहायता मांगी है। प्राकृतिक भाषा रूपरेखा (एन एल एफ) प्रौद्योगिकी एक दृष्टिकोण है जो प्रयोक्ता इण्टरफेस, आंकड़ा, सेवाओं अर अन्तरराष्ट्रीय - करण संचालनों को विभिन्न विश्व की भाषाओं के लिए एकल प्रक्रियाओं के तहत किसी भाषा को अन्यत्र भेजने के लिए पूर्ण रूप से ऑटोमेट सॉफ्टवेयर संचार पद्यति है। एन एल एफ की अन्य शाखाएं भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के विकल्प पर विभिन्न अन्तः परिवर्तनीय भाषाओं में सेल फोनों पर संदेश के आदान - प्रदान हेतु आदर्श एल एम एस (भाषा संदेश सेवाएं) हैं। एल एम एस सॉफ्टवेयर विद्यमान प्रयोक्ताओं के मामले में किसी रिटेक आऊटलेट पर सिम कार्ड पर डाला जा सकता है

provided a loan assistance of Rs. 450 lakh against the total project cost of Rs. 900 Lakh under loan agreement dated 12th November 2003. The project was completed on 30th September, 2005.

The two products were released on Technology Day 2006.

Active Pharma Ingredients (API)

M/s Ind-Swift Laboratories Limited, Chandigarh, sought loan assistance from TDB to carry out development, testing and commercialisation of Active Pharma Ingredients (API), Letrozole and Anastrozole. The total installed capacity for the both API is 240 Kg per annum. TDB has provided a loan assistance of Rs. 120 lakh against the total project cost of Rs. 240 Lakh under loan agreement dated 11th November 2003. The project is completed in October 2005.

LED based True Color Day / Night Display System

M/s MIC Electronis Limited has setup a facility for production of LED based True Color Day / Night Display System which utilizes all the three types of LED emitting red, green and blue light. These are compatible with multiple inputs, i.e. video, computer, live camera input, etc. The display system is dust and weather proof and can be configured to different sizes. The product is used in various sectors of media and communication, public meetings, election campaigns, spiritual conventions etc. TDB has provided a loan assistance of Rs. 400 lakh against the total project cost of Rs. 845 Lakh under loan agreement dated 16th March, 2003. Project was completed on 27th October, 2005.

The product was released on Technology Day 2006.

Automatic continuous Gamma sterilization plant

M/s A.V.Processors Limited, Mumbai, has set up an automatic continuous Gamma sterilization plant in Ambernath, Maharashtra, for sterilization of medical/surgical products and spices with Gamma rays by using Cobalt 60 source. The project is based on a proven technology developed by Board of Radiation and Isotope Technology (BRIT). The plant is fully automatic and computerised capable of housing up to 1 million curies of Cobalt 60 and processing capacity of up to 2400 cubic meters per annum. TDB has provided a loan assistance of Rs. 235 lakh against the total project cost of Rs. 472 lakh under an agreement signed on 27th July 2004. The company completed the project in November 2005.

Natural Language Framework Technology

M/s. Geneva Software Technologies Limited, Bangalore sought loan assistance form TDB for Development and Commercialization of Natural Language Framework Technology for Enterprise and Telecom Applications. Natural Language Framework (NLF) Technology is an approach to fully automate software communication system to migrate to any language at user interface, data services and internationalization functions under a single process to various world languages. The other branches of NLF are LMS (Language Message Services) ideal for exchanging messages over cell phones in different languages interchangeable at the option of the sender and the receiver. The LMS software can be deployed on the cell phones at the point of manufacturers or can be deployed on a SIM card at any retail

अथवा उत्पादकों के स्तर पर सेल फोनों पर डाला जा सकता है। टी डी बी ने 28 मार्च, 2005 के ऋण करार क तहत 975 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 400 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करायी है। परियोजना दिसम्बर 2005 में पूरी हो गयी है।

साइक्लोस्पोरीन सॉफ्ट जिलेटिन कैप्यूल्स

मै. एक्रोलैव लिमि. ने साइक्लोस्पोरीन सॉफ्ट जिलेटिन कैप्सूल्स के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी से वित्तीय सहायता मांगी है। परियोजना में एल्कोहल युक्त, साइक्लोस्पोरीन के पूर्व सांद्रण सूक्ष्म - मिश्रण जो अधिकतम जैव उपलब्धता और स्थिरता के लिए एक - पीस वायुरूद्ध रूप से सील्ड सॉफ्ट जिलेटिन शेल में इनकैप्स्यूल्ड है के उत्पादन पर विचार किया गया है। प्रत्यारोपित अंगों प्राप्तकर्ताओं में उपरोपण नकारने की घटना में कमी के लिए मुख्य रूप से एक महत्वपूर्ण इमुनोसुप्रेसिव कारक के रूप में साइक्लोस्पोरीन प्रयुक्त होता है। टी डी बी ने 1046 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 23 मार्च, 2004 की ऋण करार के तहत 470 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया करायी है।

क्षेत्रीय भाषाओं में चेतावनी संदेश भेजने के लिए पायलट परियोजना

मै. जेनेवा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी लि. बंगलौर को आपदा प्रबंधन हेतु विद्यमान तरीके के अनुपूरक के रूप में सतर्कता पद्धतियों के तीन प्रकारों का प्रयोग करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं में चेतावनी संकेत भेजने के लिए एक तंत्र विकसित करने के लिए एक पायलट परियोजना हेतु 14 अक्तूबर, 2005 को कंपनी और टी डी बी के मध्य हस्ताक्षरित करार के अनुसार 370 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में टी डी बी द्वारा 310 लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत किया गया।

outlets in the case of existing users. TDB has provided a loan assistance of Rs. 400 lakhs against the total project cost of Rs. 975 under loan agreement dated 28th March 2005. The project is completed in December 2005.

Cyclosporine soft gelatin capsules

M/s Strides Acrolab Limited sought financial assistance from TDB for development and commercialization of Cyclosporine soft gelatin capsules. The project envisaged to manufacture an alcohol free, micro-emulsion preconcentrate of cyclosporine that is encapsulated in a one-piece hermetically sealed soft gelatin shell for optimum bioavailability and stability. Cyclosporine is used as an important immunosuppressive agent primarily to reduce the incidence of graft rejection in recipients of transplanted organs. TDB has provided a loan assistance of Rs. 470 lakhs under loan agreement dated 23rd March 2004 against the total project cost of Rs. 1046 lakhs. The project is completed in February 2006.

Pilot project to send warning signals in regional languages

M/s Geneva Software Technology Limited, Bangalore, was sanctioned a grant of Rs. 310 lakhs by TDB against the total project cost of Rs. 370 lakhs as per an agreement signed between TDB and the company on 14th October 2005 for a pilot project to evolve a mechanism to send warning signals in regional languages employing three types of alert systems as a supplement to the exiting methods for disaster management. The project is completed in March 2006.

परियोजना प्रस्तावों को संसाधित करना

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड से वित्तीय सहायता चाहने वाली औद्योगिक कंपनी को जब भी यह टी डी बी से वित्तीय सहायता चाहती है निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। टी डी बी पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता चाहने के लिए आवेदन प्रपत्र और अन्य विवरण। 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशानिर्देशों' नामक विवरणिका में उपलब्ध हैं जो टी डी बी द्वारा मुफ्त उपलब्ध करायी जाती है। औद्योगिक कंपनी अथवा प्रर्वतक टी डी बी की वैब साइट अर्थात tdbindia.org से आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं।

2005 - 06 के दौरान प्राप्त आवेदन इस प्रकार है।

2005 - 06 में प्राप्त आवेदन (करोड़ रूपये में)

सं.	राज्य, संघ राज्य	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी से मांगी गयी सहायता
1.	आंध प्रदेश	16	206.66	94.08
2.	चण्डीगढ़	1	4.98	2.60
3.	दिल्ली	6	98.04	39.62
4.	गुजरात	1	1.00	1.00
5.	हिमाचल प्रदेश	1	0.60	0.30
6.	कर्नाटक	9	361.92	139.45
7.	केरल	1	23.98	6.00
8.	मध्य प्रदेश	2	87.08	33.90
9.	महाराष्ट्र	10	81.35	32.76
10.	पंजाब	3	199.53	83.74
11.	राजस्थान	1	0.80	0.80
12.	तमिलनाडु	9	79.47	22.55
13.	उत्तर प्रदेश	1	1.00	1.00
14.	पश्चिम बंगाल	2	13.55	5.95
15.	नागालैंड	1	105.6	12.00
16.	दादरा एंव नागर हवेली	1	2.00	2.00
	योग	**65**	**1267.56**	**477.75**

Processing of Project Proposals

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format whenever it seeks financial assistance from TDB. TDB receives the application throughout the year. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. The industrial concern or the promoter can also obtain the format of application from website of TDB i.e. tdbindia.org.

The details of applications received during 2005-06 are given below:

Applications Received (2005-06)

(Rupees in crore)

S. No.	State/Union Territory	No. of Applications	Total Cost	TDB's commitment
1.	Andhra Pradesh	16	206.66	94.08
2.	Chandigarh	1	4.98	2.60
3.	Delhi	6	98.04	39.62
4.	Gujarat	1	1.00	1.00
5.	Himachal Pradesh	1	0.60	0.30
6.	Karnataka	9	361.92	139.45
7.	Kerala	1	23.98	6.00
8.	Madhya Pradesh	2	87.08	33.90
9.	Maharashtra	10	81.35	32.76
10.	Punjab	3	199.53	83.74
11.	Rajasthan	1	0.80	0.80
12.	Tamil Nadu	9	79.47	22.55
13.	Uttar Pradesh	1	1.00	1.00
14.	West Bengal	2	13.55	5.95
15.	Nagaland	1	105.6	12.00
16.	Dadra and Nagar Haweli	1	2.00	2.00
	Total	**65**	**1267.56**	**477.75**

सेक्टर - वार प्राप्त आवेदन

टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए प्राप्त आवेदनों द्वारा एक व्यापक स्पेक्ट्रम आवेष्टित होता है। आवेदनों की प्राप्ति का क्षेत्र - वार मूल्यांकन इस प्रकार है:

आवेदनों की प्रारंभिक जांच पड़ताल

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसकी पूर्णता के दृष्टिकोण से, परियोजना के उद्देश्य, प्रौद्यागिकी के स्तर आदि की जांच - पड़ताल करती है। ऐसी जांच - पड़ताल में आवेदक और प्रवर्तक के साथ विचार - विमर्श के अलावा अपेक्षित सूचना/ विवरण मंगाना अथवा परियोजना को समेटने वाले संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण शामिल है। यदि टी डी बी की वित्तीय सहायता हेतु निर्धारित मानदण्डों को आवेदन पूरा नहीं करता तो आवेदक को तदनुसार सलाह दी जाती है।

2005 - 06 में क्षेत्रवार प्राप्त आवेदन (करोड़ रूपये में)

	आवेदनों की संख्या	कुल अनुमानित लागत	टी डी बी से मांगी गयी सहायता
इंजीनियरी	13	281.93	84.44
स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	15	495.08	147.49
उर्जा और अपशिष्ट उपयोग	03	99.85	28.42
कृषि	05	63.98	19.50
सूचना प्रौद्योगिकी	14	184.86	117.10
सड़क यातायात	02	87.63	51.41
हवाई परिवहन	01	6.10	2.70
रसायन	02	16.99	9.98
संचार	02	6.73	4.35
स्टेप - टी बी आई	05	5.00	5.00
अन्य	03	19.41	7.36
योग	**65**	**1267.56**	**477.75**

आवेदकों की रूपरेखा

टी डी बी ने प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों आदि से वर्ष 2005 - 06 के दौरान प्राप्त आवेदन नीचे दी गई तालिक से देखे जा सकते हैं:

आवेदकों की रूपरेखा 2005 - 06 (करोड़ रूपये में)

श्रेणी	आवेदनों की संख्या	कुल अनुमानित लागत	टी डी बी से मांगी गयी सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	34	444.70	132.55
पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	20	776.58	317.20
व्यक्तिगत	02	2.40	2.40
अन्य 09	43.88	25.60	
योग	**65**	**1267.56**	**477.75**

Applications Received Sector-wise

The applications received seeking financial assistance from TDB cover a wide spectrum. The sector-wise analysis of receipt of applications is given in the table below.

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project, status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for wanting information/details or a brief presentation covering the project. If the application is not meeting the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

Applications Received Sector-wise (2005-06) (Rupees in crore)

	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
Engineering	13	281.93	84.44
Health & Medical	15	495.08	147.49
Energy & Waste Utilisation	03	99.85	28.42
Agriculture	05	63.98	19.50
Information Technology	14	184.86	117.10
Road Transport	02	87.63	51.41
Air Transport	01	6.10	2.70
Chemical	02	16.99	9.98
Telecommunication	02	6.73	4.35
STEP-TBI	05	5.00	5.00
Others	03	19.41	7.36
Total	**65**	**1267.56**	**477.75**

Profile of Applicants

TDB received applications from private limited companies, public limited companies, etc., during the year 2005-06, as may be seen from the table given below.

Profile of Applicants (2005-06) (Rupees in crore)

Category	No. of application		Assistance sought from TDB
Private Limited Companies	34	444.70	132.55
Public Limited Companies	19	776.58	317.20
Individual	02	2.40	2.40
Others	09	43.88	25.60
Total	**65**	**1267.56**	**477.75**

आवेदनों की प्रारंभिक जांच से संबद्ध व्यक्तियों की सूची इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में है। टी डी बी उनका धन्यवाद करता है।

परियोजना मूल्यांकन

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदन को परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए, परियोजना की प्रकृति और उत्पाद को ध्यान में रखते हुए एक पी ई सी का गठन किया गया है तथा उसमें परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन हेतु टी डी बी से बाहर के संगत क्षेत्र से (वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय) विशेषज्ञ होते हैं।

विशेषज्ञ (सेवा में अथवा सेवानिवृत) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग, उद्योग एसोसिएशनों, वित्तीय संस्थान तथा वाणिज्यिक बैंकों से सम्बद्ध होते हैं। पी ई सी परियाजना साइट का दौरा करती है। आवेदक को वैज्ञानिक, तकनीकी, विपणन, वाणिज्यिक और वित्तीय ब्यौरे देने के साथ - साथ प्रौद्योगिकी प्रवर्तक के लिए पूर्ण अवसर दिया जाता है।

मूल्यांकन पद्धति

आवेदन को इसके वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी, वाणिज्यिक और वित्तीय योग्यताओं पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल है:

- समर्थता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी योग्यता
- व्यापक अनुप्रयोग की संभाव्यता और वाणिज्यीकरण से मिलने वाले प्रत्याशित लाभ
- प्रस्तावित प्रयास की उपयुक्तता
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आन्तरिक प्राप्तियों सहित उद्यम की संगठनात्मक और वाणिज्यिक क्षमता
- प्रस्तावित लागत और वित्त व्यवस्था प्रणाली का औचित्य
- मापन योग्य उद्देश्य, लक्ष्य और सफलताएं
- उद्यमी का पूर्णवृत

गोपनीयता और पारर्शिता

टी डी बी मानता है कि गोपनीयता बनाये रखना महत्वपूर्ण है चूंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव होता है और उसमें एक नया उत्पाद अथवा प्रक्रिया शामिल होती है। जहां आवेदक उल्लेख करता है कि टी डी बी को उपलब्ध करायी गयी सूचना को एकदम गोपनीय माना जाये तो इसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाता है। पी ई सी प्रक्रिया के दौरान कुछ अनिवार्य सूचना देते समय आवेदक की शंकाओं की संवेदना का आदर किया जाता है।

आवेदक से पूर्ण विचार - विमर्श के पश्चात पी ई सी को गठित करने वाले विशेषज्ञों द्वारा प्रेक्षणों और सिफारिशों को अन्तिम रूप दिया जाता है। पी ई सी के प्रेक्षणों और सुझावों को बैठक के अंत में आवेदक को मौखिक रूप से बता दिया जाता है। यदि पी ई सी द्वारा परियोजना प्रस्ताव को अनुशंसित नहीं किया जाता है तो आवेदक को सूचना के तहत टी डी बी द्वारा आवेदन को फाइल (बंद) कर दिया जाता है।

पी ई सी की बैठक

परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) की वर्ष 2005 - 06 में 32 बैठकें हुई।

वित्तीय सहायता की स्वीकृति

वित्तीय सहायता हेतु पी ई सी द्वारा अनुशंसित परियोजना प्रस्तावों पर बोर्ड की एक उप समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा आगे विचार किया जाता है। बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार बोर्ड को विचारार्थ प्रस्ताव भेजने से पूर्व सम्पदा प्रबंधकों की मदद से कुछ विशेष प्रस्तावों पर विधिवत रूप से अध्यवसाय कराया जाता है।

A list of persons who assisted in the initial screening of applications is appended to this report. TDB is thankful to them.

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product and consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant field from and outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant is given full opportunity to give a detailed scientific, technical, marketing, commercial and financial presentation along with the technology provider.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialisation
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a full discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

Meetings of the PEC

The Project Evaluation Committees (PEC) had held 32 meetings in the year 2005-06.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on certain specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

प्रबोधन और पुनरीक्षा

टी डी बी लाभार्थियों को स्वीकृत सहायता किस्तों में, जोखिम सम्बद्ध मानकों पर जारी करता है। द्वितीय और परवर्ती किस्तों को जारी करना स्वीकृत प्रत्येक परियोजना के लिए गठित परियोजना प्रबोधन समिति (पी एम सी) की सिफारिशों पर निर्भर करता है। पी एम बी साधारणतया वैज्ञानिक/ तकनीकी विशेषज्ञों वाली होती है जो परियोजना के मूल्यांकन के समय पी ई सी का सदस्य होता है।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान टी डी बी ने परियोजना प्रबोधन समिति, पुनरीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के मध्यम से 30 बैठकें आयोजित की।

विशेषज्ञों की सूची जिन्होंने पी ई सी और पी एम सी की सहायता की

टी डी बी को परियोजना प्रस्तावों, प्रबोधन और परियोजना पुनरीक्षा के मूल्यांकन में संगत फील्ड से 114 विशेषज्ञों ने मदद की। विशेषज्ञों की सूची रिपोर्ट के परिशिष्ट पर है। उनके द्वारा दिये गये अमूल्य योगदानों के लिए टी डी बी उनका आभारी है। योगदानों के लिए टी डी बी उनका आभारी है।

आवेदनों का संक्षिप्त स्तर

2005 - 06 के दौरान टी डी बी द्वारा प्राप्त आवेदनों की संख्या 31 मार्च, 2006 को इस प्रकार थी:

2005 - 06 में प्राप्त आवेदनों की सारांश में स्थिति इस प्रकार है।

(करोड़ रूपये में)

स्तर	संख्या	कुल अनुमानित लागत	टी डी बी से मांगी गयी सहायता
प्राप्त आवेदन	65	1267.56	477.75
31/3/2006 को बंद	28	629.27	256.55
शेष	37	638.29	221.2
2005 - 06 में हस्ताक्षरित करार	10	40.58	22.7
31/3/2006 को शेष	27	597.71	198.5
पी ई सी को अग्रेशित अथवा पी ई सी बैठक के पश्चात पृष्ठांकित प्रारंभिक जांच के तहत अनुप्रयोग	11 16	208.9 386.81	68.04 130.46

नोट: यह वर्ष 2005 - 06 के दौरान हस्ताक्षरित 10 करारों के अतिरिक्त है चूंकि वर्ष 2004 - 05 में 9 आवेदन प्राप्त हुए थे और एक आवेदन 2003 - 04 में प्राप्त हुआ।

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depend upon the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved project. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

During the year 2005-06, TDB organised 30 meetings through Project Monitoring Committees, Review meetings and inspections.

List of Experts who assisted the PEC and PMC

TDB was helped by 114 experts from the relevant field in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing of the projects. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2005-06 and the status of applications as on 31st March 2006 are indicated in the table given below:

Summary Status of Applications Received in 2005-06

(Rupees in crore)

Status	Number	Estimated total cost	Assistance sought from TDB
Applications received	65	1267.56	477.75
Closed as on 31-3-2006	28	629.27	256.55
Balance	37	638.29	221.2
Agreements signed in 2005-06	10	40.58	22.7
Balance as on 31-3-2006	27	597.71	198.5
Referred to PEC or processed after PEC	11	208.9	68.04
Applications under initial screening	16	386.81	130.46

Note: *This excludes 10 agreements signed during the year 2005-06 as 9 applications were received in the year 2004-05 and 1 application was received in 2003-04.*

सकारात्मक - सक्रिय भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक कंपनियों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों का उत्तर देने के अलावा समारात्मक सक्रिय भूमिका निभाता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण हेतु टी डी बी की सहायता, व्यापक होनी चाहिए जिसे अगस्त 1998 में बोर्ड द्वारा स्वीकृत टी डी बी के 'विजन दस्तावेज' पर विशेष बल दिया गया है।

इसके अधिदेश के तत्वावधान में टी डी बी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित करता है और बोर्ड ने वर्ष 2005 - 06 के दौरान निम्नलिखित पहलों को स्वीकृति दी है।

(क) प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स

प्रोद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्तिक पार्क (स्टेक) प्रौद्योगिकी विचारों के उद्भवन अथवा विकासाधीन प्रौद्योगिकियों को बाजारों में पहुंचने के लिए उनको सक्षम बनाने के लिए एक सुविधा है। यह व्यक्तिगतों, जो अभी आरंभ ही कर रहे हैं और नई पीढ़ी के उद्यमियों द्वारा प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्तियों को विकसित और पोषित करने के लिए है।

कार्यक्रम प्रौद्योगिकीय उद्यमों को इसके विकास और कार्यान्वयन तथा एक लाभकारी वाणिज्यिक उद्यम में परिवर्तन सहायता और प्रोन्नत करने में विशेषज्ञता प्राप्त कर रहा है। यह नई फर्मों को एक व्यापार उद्यम की महत्वपूर्ण अवधि अर्थात आरंभिक चरण के दौरान विशेषज्ञ सेवा सहायता मुहैया कराने के द्वारा बने रहने और आगे बढ़ने में सहायता प्रदान करता है।

टी डी बी की पुनरीक्षा समिति ने महसूस किया है कि टी डी बी की पर्याप्त विचार करने के पश्चात ही चयनात्मकता के साथ टी बी आई में सहभागिता कर सकता है। जबकि टी डी बी द्वारा इन्क्यूबेटरों को ऋण सहायता टी बी आई से बाहर औद्योगिक कंपनी के लिए लागू सामान्य वित्त व्यवस्था दिशानिर्देशों के अनुसार होगी, टी बी आई कुछ सामान्य उपकरणों को खरीदने के लिए टी बी आई को कुछ न्यनतम अनुदान मुहैया कराने पर और प्रगति की निकट से मानिटरिंग तथा टी डी बी को आवधिक रूप से रिपोर्ट हेतु विचार कर सकती है। प्रौद्योगिकी उपायों को आरंभ करने के साथ टी डी बी, डी एस टी से हाथ मिला सकता है जिसमें टी बी आई पर तथा डी एस टी के रा-ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्तिक विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों (स्टेप) के माध्यम से हाल ही में कार्यक्रम आरंभ किया है।

बोर्ड ने जनवरी, 2005 में निर्णय लिया कि टी डी बी प्रायोगिक उपायों पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एन इ बी द्वारा शासिल इन्क्यूबेटरों/ विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों (स्टेप) में आरंभन हेतु मूल सहायता प्रणाली में सहभागिता करेगा। बोर्ड ने इस प्रयोजनार्थ अनुदान के रूप में तीन वर्षों की अवधि में 5 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

वित्तीय सहायता वाली प्रौद्योगिकियों के लिए अपेक्षित श्रेणी उन्नयन और संबंधित कार्य हेतु प्रारंभिक अवस्था सहायता को वहन करती है। वित्तीय सहायता इन्क्यूवेटेड उद्येमियों द्वारा प्रयुक्त होगी और सुविधा सृजन हेतु स्टेप/ टी बी आई द्वारा प्रयुक्त नहीं होगी। प्रमुख सहायता स्टेप/ टी बी आई इन्क्यूवेसन निधि बनाने के लिए भी सुविधा

Pro-active Role

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialisation should be comprehensive which has been the thrust of TDB's 'Vision Document' approved by the Board in August 1998.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies and the Board approved the following initiatives during the year 2005-06.

(a) Technological Business Incubators

Technological Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurship Parks (STEPs) are a facility to incubate technological ideas or technologies under development to enable them to reach the market place. It is to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals who are just getting started and by new generation of entrepreneurs.

The programme specializes in supporting and promoting technological enterprises from the initial concept through its development and on to implementation and transition to a profitable commercial enterprise. It helps the young firms to survive and grow by providing specialized support services during the critical period of a business venture i.e. the start-up phase.

The Review Committee on TDB had felt that TDB may selectively participate in TBIs after due diligence. While the loan assistance by TDB to the incubatees would be as per the normal funding guidelines applicable to an industrial concern outside the TBI. TDB may consider providing some minimum grant to the TBI for purchase of some common equipment for TBI and for close monitoring the progress and periodically reporting to TDB. To start with, on an experimental measure, TDB may join hands with DST that has just started a programme on TBIs as well as through the Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEP) administered by the National Science and Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of the DST."

The Board decided in January 2005 that TDB would participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators / Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) administered by NEB of the Department of Science and Technology on an experimental measure. The Board sanctioned financial assistance of Rs. 5 crore over a period of three years as grant for this purpose.

The financial assistance caters to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. The financial assistance would be used by the incubated entrepreneur only and would not be used by the STEP/TBI for facility creation. The seed support would also facilitate the implementing STEPs / TBIs to build up an Incubation Fund over a period of say 5 years. The seed support would be treated as a

प्रदान करेगी। प्रमुख सहायता को टी डी बी और स्टेप/ टी बी आई के मध्य संवृद्धि उन्मुखी पहल के रूप में माना जायेगा।

(ख) ए एन बी ए आर, फ्रांस के साथ समझौता ज्ञापन

28 जनवरी, 2005 को हुई बोर्ड की 31 वीं बैठक में बोर्ड ने उद्योग मंत्रालय और अनुसंधान मंत्रालय, फ्रांस गणराज्य की सरकार के प्राधिकार के तहत एजेंस नेशनल दि वलोरिसेसन दि ला रिचेरसी (ए एन वी ए आर), पेरिस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

टी डी बी और ए एन बी ए आर के मध्य 14 अप्रैल, 2005 को पेरिस में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

समझौता ज्ञापन के दायरे में यह शामिल है कि ए एन बी ए आर और टी डी बी दोनों सहयोग की इस रूपरेखा के तहत साथ - साथ कार्य करेंगे जिसमें निम्नलिखित कार्यकलाप शामिल होंगे :

(i) सहभागी खोज प्रावधानों' सहित एक सहक्रिया वैवसाइट बनाना।

(ii) सहभागी खोज के साथ कंपनियों को सहायता प्रदान करना।

(iii) एक देश में से दूसरे देश में सक्रिय कंपनियों का आंकड़ा आधार स्थापित करना।

(iv) सहयोग और संगत घटनाओं/ अवसरों में सहभागिता हेतु का योजना हेतु क्षेत्र - वार आपसी प्राथमिकताओं को परिभाषित करना।

(v) संस्थानों और उद्योग एसोसिएशनों के साथ - साथ सेमिनारों और कार्यशालाओं सहित उन्नतिशील और सहभागिता प्रौद्योगिकी अवसरों को आयोजित करना और सहभागिता करना।

(vi) संभव ' सांस्कृतिक अन्तराल' को पाटना और बाधाओं को पार करने के लिए विशेषज्ञों के नेटवर्क सृजन में सहायता करना।

(vii) वृद्धित प्रौद्योगिकीय सहयोग हेतु उच्च संभाव्यता के साथ संस्थानों की पहचान करना।

दोनों संगठन अपने - अपने नियमों, विनियमनों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय सहायता सहित कंपनियों के मध्य संकाय करार के तहत द्वि - राष्ट्रीय परियोजनाओं को सहायता करने के लिए स्वयं वचनबद्ध करेंगे। एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को अपनाने पर कोई लागत खर्च नहीं होगा जब तक कि अन्यथा लिखित में सहमति न हो।

सहयोग की रूपरेखा को कार्यान्वित करने की दृष्टि से प्रत्येक पक्ष दो परियोजना प्रबंधकों को पदनामित करेगा जो सहयोगी कार्यकलापों की पहचान करेंगे और कार्यान्वित हेतु ब्यौरों का परिकलन करेंगे। परियोजना प्रबंधक एक तिमाही रिपोर्ट तैयार करेंगे जिसमें परियोजनाओं की सूची में स्वीकृत परियोजनाएं, मूल्यांकनाधीन परियोजनाएं, आयोजित अवसर और आयोजित किये जा रहे अवसर आदि शामिल होंगे। दोनों संगठन वार्षिक पुनरीक्षा और प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

growth oriented initiative between TDB and STEP/TBI.

(b) MOU with ANVAR, France

The Board, in its 31st meeting held on 28th January 2005, had approved a proposal for TDB signing a MOU with the Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), Paris, under the authority of the Ministry of Industry and Ministry of Research, Government of the French Republic.

The MoU was signed in Paris between TDB and ANVAR on 14th April 2005. The MOU will remain in force for a period upto five years.

The scope of the MOU covers that both ANVAR and TDB shall work together under this framework of cooperation that will include the following activities:

(i) Building an interactive website including 'partner search provisions'.

(ii) Assisting companies with partner search.

(iii) Establishing a database of companies from one country active in the other country.

(iv) Defining mutually sector-wise priorities for cooperation and a plan for participation in relevant events.

(v) Organizing and participating in promotional and partnership technology events including seminars and workshops along with institutions and industry associations.

(vi) Assisting in the creation of a network of experts to overcome impediments and bridge the possible 'cultural gap'.

(vii) Identifying institutions with higher potential for enhanced technological cooperation.

Both the organizations commit themselves to support bi-national projects under consortium agreement between companies including financial assistance according to their respective rules, regulations and procedures. No cost incurred by one party shall be assumed by the other party unless otherwise agreed to in writing.

With a view to implement the framework of cooperation, each party shall designate two project managers who shall identify cooperative activities and work out details of implementation. The project managers shall prepare a quarterly report covering a list of projects that have been approved, projects under evaluation, events organized and being organized, etc. Both the organizations will conduct an annual review and evaluation of the progress made.

प्रोन्नयन कार्यकलाप

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

25 मई 1998 को 1997 का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार देते समय तात्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई, ने घोषणा की कि अबसे 11 मई 'प्रौद्योगिकी दिवस' के रूप में मनाया जायेगा।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार' संस्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो घटक हैं : (i) किसी औद्योगिक कंपनी को जिसमें स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया हो और (ii) ऐसी प्रौद्योगिकी के विकासक/ प्रर्वतक को। प्रत्येक पुरस्कार में 5 लाख रूपये का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी होती है। नकद पुरस्कार आयकर मुक्त होता है। राष्ट्रीय पुरस्कार प्रथम बार प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर 11 मई 1999 को दिया गया।

लघु उद्योग यूनिट को पुरस्कार

अगस्त 2000 में टी डी बी ने मई 2001 से किसी लघु उद्योग यूनिट जिसने प्रौद्योगिकी - आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत किया हो उसे 2 लाख रूपये का नकद पुरस्कार देना प्रारंभ किया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2005

औद्योगिकी कंपनी जिसने अप्रैल, 1999 के पश्चात स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को वाणिज्यीकृत किया है वह प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई 2005 को पुरस्कार दिये जाने के लिए आवेदन देने हेतु पात्र था। विज्ञापन की प्रतिक्रिया में टी डी बी ने 52 आवेदन प्राप्त किए - 10 आवेदन 10 लाख रूपये के पुरस्कार हेतु और 42 आवेदन 2 लाख रूपये के पुरस्कार हेतु थे।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2005 के लिए गठित चयन समिति, जिसमें हैं प्रोफेसर जी - पद्मनाभन, अध्यक्ष, डॉ. वी. सुमंत्रन कार्यकारी निदेशक टाटा मोटर्स लि., पुणे, डॉ. ए. वी. रामाराव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अवरा लेबोरेटरीज, हैदराबाद और श्री राजीव भटनागर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय लघु उद्योग कॉर, नई दिल्ली।

चयन समिति ने बनयान नेटवर्क्स, मिडास संचार प्रौद्योगिकियां प्रा. लि., चेन्नई का ब्रॉड डिविजन और आई आई टी, चेन्नई का चयन ब्रॉड बैण्ड डायस (डायरेक्टर इण्टरनेट असेस सिस्टम) संचार के वाणिज्यीकरण हेतु 10 लाख रूपये के राष्ट्रीय पुरसकार के लिये चुना। प्रौद्योगिकी आई आई टी, चेन्नई द्वारा मुहैया करायी गयी है।

बनयान नेटवर्क ब्रॉड बैण्ड संचार और आंकड़ा संचार में विशेषज्ञता प्राप्त कर रहा है। इसे अप्रैल 2003 में मिडास संचार प्रौद्योगिकी प्रा. लि. के साथ मिला दिया गया है जो टेलिकॉम एसेस उत्पादों के स्वदेशी विकास में विशेषज्ञता प्राप्त कर रही है। आंतरिक आर एण्ड डी वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है।

यह पुरस्कार ब्रॉडबैण्ड असेस प्रौद्योगिकी बनयान नेटवर्क्स द्वारा विकसित करने के लिए दिया गया है। ब्रॉड बैण्ड प्रोफाइल में ब्रॉडबैण्ड संचार के लिए प्रयुक्त विविध प्रकृति के उत्पादों का एक सूट है।

Promotional Activities

National Awards on Technology Day

While presenting the 1997 Shanti Swarup Bhatnagar Awards on 25th May 1998, the then Prime Minister Shri Atal Behari Vajpayee, had announced that 11th May would henceforth be celebrated as 'Technology Day'.

The Technology Development Board decided to institute a 'National Award for successful commercialization of indigenous technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialised the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of five lakh rupees and a trophy. The cash award is exempt from income tax. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced, from May 2001, a cash award of Rs. 2 lakhs to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product.

National Award 2005

The industrial concerns that have commercialised indigenous technologies after April 1999 were eligible to apply for the awards to be presented on Technology Day, 11th May 2005. In response to the advertisements, TDB received 52 applications - 10 applications for the award of Rs. 10 lakhs and 42 applications for the award of Rs. 2 lakhs.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2005, consisted of Professor G. Padmanabhan as Chairman, Dr. V. Sumantran Executive Director Tata Motors Limited, Pune, Dr. A.V. Rama Rao, Chairman / Managing Director, Avra Laboratorie, Hyderabad and Shri Rajiv Bhatnagar, Chairman cum Managing Director, National Small Industries Corporation, New Delhi.

The Selection Committee selected Banyan Networks, broadband Division of Midas Communications Technologies Pvt. Limited, Chennai and IIT Madras, Chennai for the National Award of Rs. 10 lakhs for commercialization of Broadband DIAS (Director Internet Access System) Communication. The technology has been provided by IIT Madras, Channai.

Banyan Network is specializing in data communication and broadband communication. It has been amalgamated in April 2003 with Midas Communication Technologies Private Limited which is specializing in indigenous development of telecom access products. The in-house R&D is recognized by the Department of Scientific and Industrial Research, Ministry of Science and Technology.

The award is given for the Broadband Access Technology developed by Banyan Networks. The Broadband profile consists of a suite of products of diverse nature used for Broadband communication.

वे हैं ब्रॉड बैण्ड डायस (निदेशक इण्टरनेट पंहुच प्रणाली) ए डी एस एल +2 उद्यम तथा कैरियर श्रेणी रूटर, मैट्रो इथेरनेट गिगाबिट स्थिच, ब्रांड बैण्ड डिजिटल लूप कैरियर, रिमोट असेस आदि। ये उत्पाद एक युवा इंजीनियरों के दल द्वारा और आई आई टी - मद्रास तथा बनयान नेटवर्क्स के स्वामित्व वाली बौद्धिक सम्पदा द्वारा विकसित किये गये हैं।

लघु उद्योग यूनिट के लिए पुरस्कार - 2005

चयन समिति ने मै. अर्जुना नेचुरल एकट्रेक्ट्स लिमि. आल्वेई और मै. वलेथ हाईटैक् कम्पोजिट्स (प्रा.) लि. चेन्नई को लघु उद्योग यूनिट के लिए पुरस्कार हेतु चुना है।

मै. अर्जुना नेचुरल एक्सट्रेक्ट्स, आल्वेई का कच्चा मछली तेल में उपलब्ध कम असंतृप्त बसा अम्लों से 3 - ओमेगा बसा अम्लों का निष्कर्षण करने के लिए विकसित एक प्रौद्योगिकी के लिए चुना गया। उत्पाद पोषणीय अनुपूरकों/ स्वास्थ्य खाद्यों/ नेन्ट्रासेंटिकल की श्रेणी से स्म्बद्ध हैं। उत्पाद यूरोपियन फार्माकोपिया के अनुरूप हैं और भारत तथा विदेशों में इनकी अच्छी मांग हैं। सार्डीन तेल इस उत्पाद के लिए कच्ची सामग्री है। यह छोटी मछली मुख्यतः खाद्य मछली हेतु संसाधित की जाती है और तेल संसाधन का एक उप - उत्पाद है तथा पूर्व में देशी नावों के लिए केवल सस्ते सतही कोटिंग सामग्री के रूप में प्रयुक्त होता था। यह मूल्यवर्धन और मछुवारों द्वारा लाभान्वित है।

मै. वलेथ हाईटेक कम्पोजिट्स (प्रा.) लि., चेन्नई को विक्रम साराभाई स्पेस सेन्टर (वील एस एस सी) तिरूवन्तपुरम प्रौद्योगिकी पर आधारित सिलिका - सिलिका यौगिक टाइलों के वाणिज्यीकरण हेतु चुना गया था। कंपनी विक्रम साराभाई स्पेस सेन्टर, तिरूवन्तपुरम की प्रक्रिया प्रौद्योगिकी पर आधारित सिलिका विलेट्स टाइल्स का उत्पादन करती है। उत्पाद अमोरफस उच्च शुद्धता वाली सिलिका फायबर्स वाले लगभग 0.3 ग्राम/ सी सी घनत्व के हल्के वजन का है। इसकी तापीय चालकता बहुत कम है और तापीय झटकों की प्रतिरोधता बहुत ही अच्छी है तथा इसमें 1400 डिग्री से. तक तापमान रोधता है। ये विशिष्टताएं दैनिक स्पेस कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित उन्नत सामग्री हेतु मुख्य कारक हैं। यह एक अनूठी उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद है जो आपातित रूप में अथवा स्वदेशी रूप में उपलब्ध नहीं है।

बोर्ड, पुरस्कार विजेताओं को चयन करने के लिए चयन समिति के सदस्यों का आभार प्रकट करता है।

पुरस्कारों का प्रस्तुतिकरण

11 मई, 2005 को अशोक होटल नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस के राष्ट्रीय पुरस्कारों के समारोह में भारत के वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम, मुख्य अतिथि थे। वित्त मंत्री ने बनयान नेटवर्क्स, भिडास कम्युकेशन्स टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. चेन्नई और आई आई टी मद्रास, चेन्नई के ब्रॉड बैण्ड डिविजन को 10 लाख रूपये का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।

उन्होंने मै. अर्जुना नेचुरल एम्सट्रेक्ट्स लि. आलवेई और मै. वलेथ हाइटोक कम्पोजिट्स (प्रा.) लि. चेन्नई, लघु उद्योग यूनिट को भी 2 लाख रूपये और ट्रॉफी प्रदान की।

श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (अब मंत्री) ने स्वागत सम्बोधन किया। समारोह में बड़ी संख्या में लोग सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर टी डी बी ने एक प्रदर्शनी लगायी जिसमें टी डी बी द्वारा समर्पित वित्तीय परियोजनाओं को चित्रित करते हुए पोस्टर लगाये थे और टी डी बी की सहायता के साथ वाणिज्यिक उद्यमों द्वारा लाये गये उत्पाद थे। टी डी बी ने इस अवसर पर विवरणिका और पंफ्लेट निकाले। इस अक्सर का टी डी बी द्वारा सहायता प्रदत्त नये उत्पादों को जारी करने के उपयोग किया गया।

They are Broadband DIAS (Director Internet Access System) ADSL +2, Enterprise and carrier class router, Metro Ethernet Gigabit Switch, Broadband Digital Loop Carrier, Remote Access Servers, LAN switch, etc. These products are developed in-house by a team of young engineers and the intellectual property is owned by IIT-Madras and Banyan Networks.

Award for SSI Unit - 2005

The Selection Committee selected M/s Arjuna Natural Extracts Ltd., Alwaye and M/s Valeth Hightech Composites (P) Ltd., Chennai, for the award for SSI Unit.

M/s Arjuna Natural Extracts Ltd., Alwaye was selected for developing a technology for extracting 3-Omega fatty acid from less unsaturated fatty acids available in the raw fish oil. The product belongs to the category of nutritional supplements / health foods/ nentracentical. The product conforms to European Pharmacopoeia and is well received in India and abroad. Sardine oil is the raw material for the product. This small fish is mainly processed for fish meal and the oil is a by-product of the process and was earlier used only as a cheap surface coating material for country boats. This value addition and benefited by the fishermen.

M/s Valeth Hightech Composites (P) Ltd., Chennai, was selected for commercialization of Silica-Silica Composite tiles based on Vikaram Sarabhai Space Centre (VSSC) Thiruvananthapuram technology. The company is manufacturing Silica-tile billets Tiles based on the process technology of Vikram Sarabhai Space Centre, Thiruvananthapuram. The product is of light weight having density of approximate 0.3 gm/ cc containing amorphous high purity silica fibers. Its thermal conductivity is very low and has temperature resistance upto 1400 degrees C with an extremely good thermal shock resistance. These characteristics are key factors for advanced material needful for present day space programs. This is a unique high technology product not available for import or indigenously.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the awards

The Finance Minister of India, Shri P. Chidambaram, was the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day 2005 held on 11th May, 2005, at Hotel 'The Ashok', New Delhi. The Finance Minister presented the National Award of Rs. 10 lakhs to Banyan Networks, broadband division of Midas Communication(s) Technologies Pvt. Limited, Chennai and IIT Madras, Chennai. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the SSI units, M/s Arjuna Natural Extracts Ltd., Alwaye and M/s Valeth Hightech Composites (P) Ltd., Chennai,

Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent Charge) for Science and Technology and Ocean Development gave the welcome address. The function was very well attended.

On this occasion, TDB organized an exhibition consisting of posters depicting projects financially assisted by TDB and products brought out by commercial enterprises with TDB's assistance. TDB also brought out a brochure and pamphlets on this occasion. The occasion was also used for release of new products assisted by TDB.

उद्योग के साथ सहक्रिया बैठकें

टी डी बी ने उद्योग एसोसिएशनों, आर एण्ड डी संगठनों आदि के माध्यम से उद्योग, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रवर्तकों के साथ सहक्रिया बैठकों की श्रृंखला आयोजित की है। टी डी बी विभिन्न प्रदर्शनियों में भी सहभागिता करता है।

यद्यपि ये बहुकार्यात्मक प्लेटफार्म हैं, टी डी बी का उद्देश्य उद्योगों, आर एण्ड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग के आन्तरिक आर एंड डी यूनिटों में, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों आदि में स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों के लिए विशेष रूप से उनके वाणिज्यीकरण के प्रयासों हेतु आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता पर जानकारी का सृजन करना है। संभावित निवेशकों को प्रौद्योगिकीय और नवीन परियोजनाएं प्रस्तुत की गयी।

ऐसी बैठकें अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, चण्डीगढ़, चेन्नई, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवांगिरि, गंगटोक, गुड़गांव, हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इन्दौर, जयपुर जम्मू, जोहान्सवर्ग (दक्षिण अफ्रीका), कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ, लधियाना, मदुरै मुम्बई, मैसूर, नॉयडा, नागपुर, ऑक्सफोर्ड (यू. के.), पुणे, राजामुदरी, राजापलपम, राजकोट, रूद्रपुर, शिमला, तिरूवन्तपुरम, तिरूचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लौर, बिजयबाड़ा में सितम्बर 1996 से हुई हैं।

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षरित करारों के राज्य - वार संवितरण का एक मूल्यांकन से उल्लेख मिलता है कि स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए वाणिज्यिक उद्यमों को प्रोत्साहित करने तथा उन अन्य राज्यों और संघ राज्यों में, जिनको अभी शामिल नहीं किया गया है, यंपंत्र स्थापित किये जाने की आवश्यकता है।

टी डी बी की पुनरीक्षा समिति ने सिफारिश की है कि टी डी बी द्वारा वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त सफल उद्यमियों को ऐसी पारस्परिक सहक्रिया बैठकों में सम्बद्ध किया जाये। पुनरीक्षा समिति पर टी डी की ने यह भी सिफारिशि की है कि वाणिज्य मंडलों, ट्रेड यूनियनों और संस्थानों के निकट सहयोग से नियोजित तरीके से रोड - शो भी नियमित रूप से आयोजित किये जाने चाहिए तथा इसे पूरे देश में फैलाना चाहिए।

टी डी बी ने 2005 - 06: के दौरान प्रदर्शनियों ओर उद्योग तथा संस्थानों के साथ हुई सहक्रिया बैठकों में भी सहभागिता की। इनकी सूची नीचे दी गयी है:

अप्रैल 10, 2005: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने हैदराबाद विश्वविद्यालय और औद्योगिक एसोसिएसनों (ए आई बी ए, बी डी एम ए) के सहयोग से हाल ही में सृजित भेषज अनुसंधान विकास सहायता कोष की उपयोग हेतु दिशानिर्देश तैयार करने के लिए हैदराबाद में 10 अप्रैल 2005 को एक दिवसीय विचारोत्प्रेरक सत्र आयोजित किया। श्री एच पुरूषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' से सत्र में भाग लिया और टी डी बी के पक्ष में अनेक भेषज उद्योगों के साथ विचार - विमर्श किया।

22 - 24 अप्रैल, 2005: जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक को विकसित करने के लिए एक अन्तरराष्ट्रीय अवसर "बंगलौर बायो - 2005" की सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग कर्नाटक सरकार द्वारा मेजबानी की गयी। 22 और 24 अप्रैल, 2005 के बीच जैव प्रौद्योगिकी के विजन ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया था। श्री पुरूषोत्तम ने टी डी बी का प्रतिनिधित्व किया।

29 अप्रैल, 2005 : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में राष्ट्रीय उद्यमवृत्ति बोर्ड ने प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स के प्रबंधकों के लिए नौयडा (उ. प्र.) में जे एस एस इंजीनियरी अकादमी में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न इलाकों से लगभग 40 लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। टी डी बी से श्री एच. पुरूषोत्तम और डॉ. महिन्द्र पाल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 29 अप्रैल, 2005 को इन्क्यूबेटर्स पर इन्क्यूबेटीज की वित्त व्यवस्था के टी डी बी के कार्यक्रम सहित टी डी बी पर वकत्व्य दिया।

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations, R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the industries, R&D organisations, academic institutions, in-house R&D units in the industry, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialisation efforts especially for indigenously developed technologies. Potential investors were presented with technological and innovative projects.

Such meetings have been held at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Chandigarh, Chennai, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gangtok, Gurgaon, Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Israel, Jaipur, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mumbai, Mysore, Noida, Nagpur, Oxford (U.K.), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Rudrapur, Shimla, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada since September 1996.

An analysis of the State-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

The Review Committee on TDB has recommended that successful entrepreneurs, assisted financially by TDB, may be associated in such interactive meetings. The Review Committee on TDB has also recommended that road shows should be organised regularly and in a planned manner in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions and it should be spread all over the country.

TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2005-06. These are listed below.

April 10, 2005: The Department of Science and Technology in association with the University of Hyderabad and industrial associations (AIBA, BDMA) organized one day brain storming session on 10th April 2005 at Hyderabad to formulate guidelines for utilizing the recently created Pharmaceutical Research Development Support Fund. Shri H. Purushotham, Scientist 'G' attended the session and interacted with many pharma industries on behalf of TDB.

April 22-24, 2005: To develop the biotech sector, an international event, "Bangalore Bio - 2005", was hosted by the Department of IT and Biotechnology of the Government of Karnataka. It was organized by the Vision Group on Biotechnology between 22nd and 24th April 2005. Shri Purushotham represented TDB.

April 29, 2005: The National Entrepreneurship Board in the Department of Science and Technology organized a training programme at the JSS Academy of Engineering in NOIDA (U.P.) for managers of Technology Business Incubators. About 40 persons from different regions participated in the programme. Shri H. Purushotham and Dr. Mahindra Pal, Scientist 'F' from TDB gave a talk on TDB including TDB's programme of funding incubatees at the incubators on 29th April 2005.

11 - 13 मई, 2005: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने यू के उर्जा अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित 11 से 13 मई, 2005 के दौरान ऑक्सफोर्ड में आयोजित जी 8 उर्जा अनुसंधान एवं नवेन्मेष कार्यशाला में भाग लेने के लिए 9 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमण्डल के एक सदस्य के रूप में श्री एच पुरूषोत्तम को प्रतिनियुक्त किया। जी 8 देशों के अतिरिक्त, ने भी कार्यशाला के लिए अपने प्रतिनिधि - मण्डल भेजे। कार्यशाला स्वच्छ उर्जा प्रौद्योगिकियों के अनेक पहलुओं पर संकेन्द्रित थी। इसमें लगभग 150 प्रतिनिधि थे। अन्तरराष्ट्रीय उर्जा परिदृश्य, राष्ट्रीय उर्जा कार्यक्रमों, नेटवर्किंग, सुविधाजनक आर एण्ड डी क्षेत्रों आदि से संबंधित मुद्दों पर विचार - विमर्श किया गया। श्री पुरूषोत्तम ने डिजायन, विकास निर्माण और म्यूनिसिफल ठोस अपशिष्ट से 6 मेगावाट के उर्जा संयंत्रों के प्रचालन में, जिनकी वित्त व्यवस्था आंशिक रूप से टी डी बी द्वारा की जाती है, भारत द्वारा प्राप्त सफलता का विवरण दिया।

29 मई से 3 जून, 2005: विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक सहयोग और " व्यापार के लिए व्यापार" कार्यकलापों को सुदृढ़ करना तथा अन्ततः समग्र रूप से आर्थिक और व्यापार संबंधों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, (डी एस टी) और इजराइल के सैमुअल नियामेंन संस्थान के मध्य सांस्थानिक संयोजन स्थापित करने के लिए एक प्रयास करने हेतु " भारत और इजराइलः नवोन्मेष चालित नये उद्यमों को प्रोन्नत करना और सुविधाजनक बनाने के लिए आर एण्ड डी एक कार्यनीतिक कुल के रूप में" पर संयुक्त कार्यशाला में सहभागिता हेतु 29 मई, 2005 से 3 जून, 2005 के दौरान एक भारतीय प्रतिनिधिमण्डल ने इजराइल का दौरा किया। डॉ. रेनु बापना, वैज्ञानिक - एफ, टी डी बी, डी एस टी द्वारा नामित 9 सदस्यी प्रतिनिधिमण्डल में एक थी।

प्रतिनिधिमण्डल ने " भारत और इजराइलः आर एंड डी कार्यनीतिक पुल के रूप में : नवोन्मेष चालित नये उद्यमों का प्रोन्नयन और अनुकूलन" पर सैमुअल नियामेंन संस्थान, हैफिया में दो दिवसीय सम्मेलन में सहभागिता की। श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। डॉ रेनु बापना ने टी डी बी की भूमिका के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

27 जून, 2005: राष्ट्रीय पर्यावरणीय इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान (नीरी), नागपुर ने 27 जून, 2005 को पर्यावरणीय इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी में लागू उत्पादों और प्रक्रियाओं पर टी डी बी तथा नीरी के मध्य सहयोगी दृष्टिकोण पर अपने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ एक सहक्रिया बैठक करायी, श्री एम. एल. गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' और श्री ए. एस. खाती, निदेशक (एफ एंड ए) ने बैठक में भाग लिया। नीरी के लगभग 20 वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण दिया। श्री एम एल गुप्ता ने टी डी बी के कर्यकलापों पर एक प्रस्तुतिकरण दिया तत्पश्चात नीरी और टी डी बी के मध्य सहयोगी दृष्टिकोण संबंधी विचार - विमर्श हुआ।

21 - 22 सितम्बर, 2005: भारतीय उद्योग परिसंघ और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने 21 - 22 सितम्बर 2005 के दौरान नई दिल्ली में 11 वां प्रौद्योगिकी सम्मेलन और प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म का आयोजित किया। सम्मेलन का उद्घाटन श्री कपिल सिब्बल, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा श्री जेम्स एस. पीटरसन, अन्तराष्ट्रीय व्यापार मंत्री, कनाडा ने संयुक्त रूप से 21 सितम्बर, 2005 को किया। इस वर्ष के लिए कनाडा देश के सहभागी था। टी डी बी के प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रो. वी. एस. राममूर्ति ने उद्घाटन सत्र में सहभागियों को संबोधित किया।

30 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 2005: 30 सितम्बर से 1 अक्तूबर, 2005 के दौरान बी वी सी कालेज ऑफ इंजीनियरी और टेक्नोलॉजी, हुबली में लघु उद्योग सेवा संस्थान द्वारा आयोजित संस्थानों और उद्योग में आई पी आर पर संगोष्ठी में टी डी बी वित्त व्यवस्था पर डॉ. महेन्द्र पाल, वैज्ञानिक - एफ ने आर पी आर मुद्दों पर व्याख्यान दिया तथा प्रतिनिधियों के साथ सहक्रिया बातचीत की।

May 11-13, 2005: The Department of Science and Technology deputed Shri H.Purushotham, as a member of 9 member Indian delegation to attend the G8 Energy Research & Innovation Workshop held at Oxford during 11-13th May 2005, organized by the UK Energy Research Centre. In addition to G8 countries, Brazil, China, India and South Africa had sent their delegations to the Workshop. The Workshop focused on several aspects of clean energy technologies. There were about 150 delegates. Issues relating to international energy scenario, national energy programmes, networking, niche R&D areas, etc. were discussed. Shri Purushotham narrated the success achieved by India in design, development, construction and operation of 6 MW power plants from Municipal Solid Waste that has been financed partly by TDB.

May 29 - June 3, 2005: An Indian delegation visited Israel during 29th May 2005 to 3rd June 2005 for participating in the Joint Workshop on "India and Israel : R&D as a strategic bridge - Promoting and Facilitating Innovation driven new ventures" for making an effort to establish institutional linkages between Department of Science and Technology, (DST), Government of India and Samuel Neaman Institute of Israel for better cooperation in the areas of Science & Technology and to strengthen 'Business to Business' activities and ultimately overall economic and trade relations. Dr. Renu Bapna, Scientist-F, TDB, was one of the nine member delegation nominated by DST.

The delegation participated in a two days conference on " India & Israel: R&D as a Strategic Bridge : Promoting and Facilitating Innovation Driven New Ventures" at Samuel Neaman Institute, Haifa. Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development, inaugurated the conference. Dr. Renu Bapna made a presentation about the role of TDB.

June 27, 2005: The National Environmental Engineering Research Institute (NEERI), Nagpur, organized an interactive meeting with its senior scientists on collaborative approach between TDB and NEERI on products and processes applicable in environmental engineering and technology on 27th June 2005. Shri M.L. Gupta, Scientist-G and Shri A.S. Khati, Director (F&A) attended the meet. About 20 senior scientists from NEERI made presentation on the technologies developed by them. Shri M.L. Gupta made a presentation on the activities of TDB followed with discussions regarding collaborative approach between NEERI and TDB.

September 21-22, 2005: The Confederation of Indian Industry and Department of Science and Technology organized the 11th Technology Summit and Technology Platform at New Delhi during 21-22 September 2005. The summit was jointly inaugurated by Shri Kapil Sibal, Union Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology and Ocean Development and Mr. James S. Peterson, Minister of International Trade, Canada, on 21st September 2005. This year, Canada was the partner country. TDB participated in the exhibition. Professor V.S. Ramamurthy addressed the gathering at the opening session.

September 30 - October 1, 2005: Dr. Mahendra Pal, Scientist-F, delivered a talk on IPR issues and interacted with the delegates on TDB funding at a symposium on IPR in Institutions and Industry, organized by the Small Industries Service Institute at BVB College of Engineering and Technology, Hubli during September 30 - October 1, 2005.

10 नवम्बर, 2005: 10 नवम्बर 2005 को आई आई टी, मद्रास के उद्यमवृत्तिक क्लब ने प्रौद्योगिकी नवोन्मेष, विकास और उद्यमवृत्तिक सहायता (सी - टाईट्स) हेतु सेल द्वारा आयोजित चेन्नई में एक बैठक में टी डी बी कार्यकलापों और वित्त व्यवस्था पर डॉ. रेनुबापना, वैज्ञानिक - एफ ने वक्तव्य दिया।

17 से 20 नवम्बर, 2005: दक्षिण अफ्रीका में भारतीय उच्चायोग और भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) द्वारा आयोजित "मेड इन इण्डिया शो" नामक प्रदर्शनी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, टाइफैक और डी एस आई आर के साथ टी डी बी ने सहभागिता की। प्रदर्शनी 17 से 20 नवम्बर, 2005 के दौरान गालाघर प्रदर्शनी केन्द्र, मिडलेंड, जोन्सवर्ग (दक्षिण अफ्रीका) के पवैलियन में हुई। डी एस टी प्रतिनिधि मण्डल के साथ श्री ए. एस. खाती को प्रतिनियुक्त किया गया था।

6 दिसम्बर, 2005: एन एस एस सी ओ एम (नेसकॉम) उत्पाद फोरम और नेसकॉम उत्पाद अवसर द्वारा आयोजित 2005 के दौरान नेसकॉम उत्पाद सम्मेलन में 6 दिसम्बर, 2005 को आई आई एम, बंगलौर में डॉ. रेनु बापना ने प्रस्तुतिकरण किया। सम्मेलन पारिस्थिकी उत्पाद बनाने के लिए एन. एस. राघवन्न उद्यमवृत्तिक शिक्षण केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया गया था।

7 दिसम्बर, 2005: प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) ने 4 से 7 दिसम्बर 2005 के दौरान नई दिल्ली में उड़न राख और उपयोग तथा प्रदर्शनी तथा व्यापार बैठक में अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस को आयोजित किया। श्री वी. एम. सईद तत्कालीन ऊर्जा मंत्री ने कांग्रेस का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री कपिल सिब्बल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास (स्वतंत्र प्रभार) ने किया। श्री दिनेश शर्मा, सचिव - टी डी बी ने 7 दिसम्बर, 2005 को प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण हेतु वित्त व्यवस्था अवसर पर वक्तव्य दिया।

15 से 17 दिसम्बर, 2005: 15 से 17 दिसम्बर, 2005 के दौरान वायूजी इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी संस्थान, देवांगिरी में आयोजित "आपदा, पूर्वानुमान, रोकथाम और प्रबंधन" पर इस्ते के वार्षिक सभा और राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान टी डी बी के वाणिज्यीकरण प्रयासों पर डा. रेनु बापना ने एक प्रस्तुतिकरण किया।

3 से 7 जनवरी, 2006: टी डी बी ने 3 से 7 जनवरी, 2006 के दौरान हैदराबाद में आयोजित 93 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में सहभागिता की।

2 फरवरी, 2006 : 2 फरवरी, 2006 को मुम्बई में संभावित इन्क्यूबेटरों के साथ आई आई टी मुम्बई में नवोन्मेष एवं उद्यमवृत्तिक सोसाइटी ने एक सहक्रिया बैठक आयोजित की। डा. महेन्द्र पाल ने बैठक में भाग लिया और टी डी बी की वित्त व्यवस्था दिशानिर्देश पर वक्तव्य दिया।

20 से 23 फरवरी, 2006: मै. इण्डिया को वेंचर्स (प्रा.) लिमि., पुणे के आमंत्रण पर श्री पुरूषोत्तम ने 20 से 23 फरवरी, 2006 के दौरान मनीला, फिलिपींस में आयोजित "एशिया में नवोन्मेष और उद्यमवृत्तिक प्रोन्नयन नामक इंफो डेब एशिया क्षेत्रीय कार्यशाला में सहभागिता की। श्री पुरूषोत्तम ने नवोन्मेष एवं उद्यमवृत्ति के प्रोन्नयन हेतु एस एम ई आधारित प्रौद्योगिकी की वित्त व्यवस्था - टी डी बी अनुभव" पर एक व्याख्यान दिया।

3 मार्च, 2006: बायोटेक कंसारेटियम इण्डिया लिमि. (बी सी आई एल) ने 3 मार्च, 2006 को होटल ली मैरिडियन में "जैव प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा किया गया। श्री आनन्द सिंह खाती ने बायोटेक उद्यमों के वाणिज्यीकरण में और इसकी वित्त व्यवस्था तंत्र में टी डी बी द्वारा निभायी गयी भूमिका पर विवरण देते हुए "बायोटेक परियोजनाओं का उद्यम निधिकरण - टी डी बी की भूमिका" पर एक प्रस्तुतिकरण किया।

November 10, 2005: Dr. Renu Bapna, Scientist-F, TDB, made a presentation on TDB activities and funding guidelines at a meeting in Chennai organized by the Cell for Technology Innovation, Development and Entrepreneurship Support (C-TIDES), an entrepreneurship club of IIT-Madras on 10th November 2005.

November 17-20, 2005: TDB participated, along with Department of Science and Technology, TIFAC and DSIR, in an exhibition called 'Made in India Show' organised by the Indian High Commission in South Africa and Confederation of India Industries (CII). The exhibition was held in the pavilion at Gallaghar Exhibition Centre, Midland, Johannesburg (South Africa) during November 17-20, 2005. Shri A.S. Khati was deputed along with the DST delegation.

December 6, 2005: Dr. Renu Bapna made a presentation on TDB at IIM, Bangalore, on 6th December 2005, during NASSCOM Product Summit 2005 organised by NASSCOM Product Forum and NSRCEL - NASSCOM Product Event. The summit was organised in collaboration with N.S. Raghavan Centre for Entrepreneurial Learning to build a product ecosystem.

December 7, 2005: The Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC) organized International Congress on Fly Ash and Utilisation and Exhibition-cum-Business Meet at New Delhi during December 4-7, 2005. Shri P.M. Sayeed, then Union Minister for Power, inaugurated the Congress. The exhibition was inaugurated by Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development. Shri Dinesh Sharma, Secretary-TDB, gave a talk on Funding Opportunities for Technology Development and Commercialisation on 7th December 2005.

December 15-17, 2005: Dr. Renu Bapna made a presentation on commercialisation efforts of TDB during Annual Convention and National Seminar of ISTE on 'Disaster, Prediction, Prevention and Management' at Bapuji Institute of Engineering and Technology, Davengere organised during December 15-17, 2005.

January 3 - 7, 2006: TDB participated in the exhibition organised during the 93rd Indian Science Congress held in Hyderabad during 3rd to 7th January 2006.

February 2, 2006: The Society for Innovation & Entrepreneurship at IIT-Bombay organised an interactive meeting with the potential incubatees in Mumbai on 2nd February 2006. Dr. Mahendra Pal attended the meeting and gave a talk on Funding Guidelines of TDB.

February 20-23, 2006: At the invitation of M/s IndiaCo Ventures (P) Limited, Pune, Shri Purushotham, participated in the InfoDev Asia Regional Workshop entitled, "Promoting Innovation and Entrepreneurship in Asia : Strategies and Partnerships" held in Manila, Philippines, during February 20-23, 2006. Shri Purushotham delivered a lecture on 'Financing Technology based SMEs for promotion of Innovation & Entrepreneurship - TDB Experience"

March 3, 2006: The Biotech Consortium India Limited (BCIL) organized a workshop on "Commercialization of Biotechnology" at Hotel Le Meridien, New Delhi on March 3, 2006. The exhibition was inaugurated by Shri Kapil Sibal, Minister for Science and Technology and Ocean Development. Shri Anand S. Khati made a presentation on "Venture funding of biotech projects-Role of TDB" elaborating on role played by TDB in commercialization of Biotech Ventures and its funding mechanism.

9 मार्च, 2006: 9 मार्च, 2006 को गुड़गांव में प्रबंध - विकास संस्थान में अकादमियां - उद्योग से आये सहभागियों को श्री एच. पुरूषोत्तम द्वारा ''नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी कार्यनीति'' पर एक सम्मेलन में ''प्रौद्योगिकी वित्त व्यवस्था - टी डी बी की भूमिका'' पर एक प्रस्तुतिकरण दिया।

11 मार्च, 2006: सी एस आई आर शोध अध्येताओं के लिए प्रौद्योगिकी चालित उद्यमवृत्ति पर आइ आई एम, बंगलौर के सहयोग से केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री एच. पुरूषोत्तम द्वारा "नवोन्मेषक प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु वित्त व्यवस्था अवसर" पर 11 मार्च, 2006 को एक प्रस्तुतिकरण किया।

वैब साइटः

टी डी बी की वैब साइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध हैः

www.tdbindia.org

March 9, 2006: A presentation on "Technology Financing - Role of TDB" at a conference on "Innovation & Technology Strategy" was made by Shri H. Purushotham to participants from academia - industry at Management Development Institute, Gurgaon on 9th March 2006.

March 11, 2006: A presentation was made on 11th March 2006 on "Funding opportunities for Commercialization of Innovative Technologies" by Shri H. Purushotham at a training program organized by Central Leather Research Institute (CLRI), Chennai in collaboration with IIM - Bangalore on Technology Led Entrepreneurship for CSIR Research Fellows.

Web site

The web-site for TDB is available on the following addresses:

www.tdbindia.org

अनुसंधान और विकास शुल्क

अनुसंधान और विकास शुल्क अधिनियम, 1986, 1995 मे यथा संशोधित, प्रौद्योगिकी के आयात पर किये गये सभी भुगतानों पर प्रभार और शुल्क की वसूली का प्रावधान है। शुल्क प्रभार 5% है। शुल्क किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा जब प्रौद्योगिकी आयात की जाती है तथा ऐसी आयात के लिए जब अथवा पहले किये गये भुगतान पर देय है। शुल्क की प्राप्तियां भारत का संचित निधि के खाते डाली जाती है। शुल्क स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग और व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयोजनार्थ प्रभारित और वसूल किया जाता है।

एकत्र शुल्क में से भारत सरकार, संसद द्वारा किये गये विनियोग के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रयोग में लाये जाने हेतु प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु कोष में भुगतान करती है। कोष, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के तहत गठित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा शासित होता है।

शुल्क वसूली और भुगतान

निम्नलिखित तालिका में 1996 - 97 से इस वर्ष जब से सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी बोर्ड का गठन (किया गया था) टी डी बी नियतनों और टी डी बी को भुगतान बाबत वर्ष - वार शुल्क वसूली को दर्शाया गया है।

आर एण्ड डी उपकर एकत्रणों से प्राप्त कुल 1092.60 करोड़ रू. में से सरकार द्वारा 10 वर्षों (1996 - 2006) की अवधि के दौरान टी डी बी को 478.10 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई है जो 10 वर्षों में किए गए उपकर संग्रह का 43.76% है।

11 मई, 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस पुरस्कार समारोह के अवसर पर बोलते हुए तत्कालीन विज्ञान एवं

अनुसंधान और विकास शुल्क वसूली और संवितरण

(करोड़ रूपये में)

वर्ष	शुल्क वसूली (सी जी ए के आंकड़े)	किया गया निपतन बजट अनुमान		सरकार द्वारा टी डी बी को किय गया भुगतान
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-2000	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
योग	**1092.60**	**563.5**	**470.33**	**478.10**

Research and Development Cess

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purposes of encouraging the commercial application of indigenously developed technology and for adapting imported technology to wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board, constituted under the Technology Development Board Act, 1995.

Cess Collections and Payments

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Of the total of Rs. 1092.60 crore from R&D cess collections, Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 478.10 crore over the period of 10 years (1996-2006). This works out to 43.76% of the cess collections made in 10 years.

While speaking on the Technology Day Awards function on 11th May 2005, Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean

Research and Development Cess Collections and Disbursements

(Rupees in crore)

Year	Cess collection (CGA's figures)	Allocation of Budget Estimate	TDB Revised Estimate	Payment to TDB by Govt.
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-2000	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
Total	**1092.60**	**563.5**	**470.33**	**478.10**

प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री कपिल सिब्बल ने प्रौद्योगिकी के निर्यात पर लगने वाले उपकर के बारे में बताते हुए कहा कि यह टी डी बी के लिए एक संसाधन के रूप में वृद्धि करेगा। 1997 - 98 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से कुछ 916 करोड़ रू. की राशि एकत्रित की गई है और इसे भारत की संचित निधि में जमा किया गया है। इस राशि में से टी डी बी को अब तक 435 करोड़ रू. आबंटित किए गए हैं। बढ़ते हुए दायित्वों को ध्यान में रखते हुए टी डी बी के लिए बजटीय सहायता में वृद्धि करने की आवश्यकता है। इसे यह सुनिश्चित कर बढ़ाया जा सकता है कि उपकर द्वारा एकत्रित राशि पूर्णतः टी डी बी के लिए ही हो। श्री पी चिदंबरम, माननीय वित्त मंत्री ने कहा कि वे टी डी बी को वर्तमान राजकोष के आरंभ से आबंटन में वृद्धि कर टी डी बी को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करेंगे ताकि निधियों की इसकी आवश्यकता को पूरा किया जा सके और यह स्वदेशी तौर पर विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण के अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सके।

समीक्षा समिति की सिफारिशें

टी डी बी पर समीक्षा समिति ने निम्नानुसार सिफारिशें (फरवरी, 2003) की हैं:

"टी डी बी द्वारा आने वाले वर्षों में अदा की जाने वाली भूमिका को देखते हुए भी सरकार द्वारा आने वाले वर्षों में निधियों को पर्याप्त रूप से बढ़ाए जाने की आवश्यकता होगी। एक ऐसे चरण के आने की भी ही संभावना है जिसमें वर्ष के दौरान उपकर के अंतर्गत एकत्रित निधियों का पूरा अंतरण और उपकर की संचित राशि से भी कुछ भुगतान करने की आवश्यकता होगी।"

Development, stated, that cess levied on import of technology and is to flow back to the TDB as a resource. It was observed that since the inception of R&D Cess in 1996-97, a total amount of Rs. 916 crores has been collected and deposited in the Consolidated Fund of India. Of this amount, TDB has been allocated Rs. 435 crores so far. Considering increasing responsibilities, TDB requires enhancement in budgetary support which can be achieved by ensuring that the money collected through the R&D cess is fully committed to TDB." Shri P. Chidambaram, The Union Minister of Finance, stated that he would make good the shortfall in providing financial support to TDB by enhancing the allocation beginning the current fiscal to meet its requirement of fund and to achieve objective of commercialization of indigenously developed technology.

Recommendations of the Review Committee

The Review Committee on TDB has recommended (February 2003) as follows:

"Taking also into account the role to be played by TDB in the years to come, the flow of funds from the Government will need to be stepped up substantially in the coming years. A stage is likely to be reached soon requiring the full transfer of funds collected under the Cess during the year and also liquidation of some of the accumulated amounts of Cess."

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखाएं

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के खण्ड 12 में यह उल्लिखित है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान इसके क्रियाकलापों का पूरा विवरण दिया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के खण्ड 13 (4) के अनुसार, बोर्ड द्वारा केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत की जाएगी। वर्ष 2004 - 05 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वार्षिक लेखाओं की लेखापरीक्षित प्रति सहित वार्षिक रिपोर्ट 19 मई, 2005 को लोक सभा के पटल पर और 22 मई, 2005 को राज्य सभा के पटल पर प्रस्तुत की गयी थी।

टी डी बी सचिवालय

श्री दिनेश शर्मा ने 6 अक्तूबर, 2005 से टी डी बी के सचिव का पदभार ग्रहण किया। श्री एन बी मनी ने टी डी बी में अवर सचिव के रूप में वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय से प्रतिनियुक्ति पर 1 जून, 2005 से कार्यभार ग्रहण किया। श्री ए. के. चौहान ने एन आर डी सी से प्रतिनियुक्ति पर 1 अप्रैल, 2005 से लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। श्री कुलदीप कुमार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से प्रतिनियुक्ति पर 11 नवम्बर, 2005 से टी डी बी में अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

आयकर से छूट

आयकर विभाग के महानिदेशक (छूट), नई दिल्ली से ए वाई वर्ष 2000 - 2001 से 2002 - 03 के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23 C/iv) के अंतर्गत टी डी बी को आगे छूट प्रदान करने के लिए सम्पर्क किया गया, जो उनके पास लम्बित है। आगे की अवधि के लिए आवेदन पहले ही आयकर विभाग को भेजे जा चुके हैं और कर से छूट सम्बंधी प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

राजभाषा का कार्यान्वयन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा अपने अस्तित्व में आने के बाद से ही संघ की राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है, और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्टें, परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशा निर्देश, विवरणिकाएं, वाउचर्स आदि को हिन्दी और अंग्रेजी में मुद्रित किया गया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में प्रदर्शन हेतु प्रदर्शन सामग्रियों/ पैनलों को हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किया जाता है।

Administration

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2004-05 was laid on the Table of the Lok Sabha on 19th May 2005 and on the Table of the Rajya Sabha on 22nd May 2005.

TDB Secretariat

Shri Dinesh Sharma assumed the office of Secretary, TDB w.e.f. 6th October 2005. Shri N.B. Mani joined as Under Secretary in TDB on deputation on 1st June 2005 from the Ministry of Commerce & Industry. Shri A.K. Chauhan joined as Accounts Officer on 1st April 2005 on deputation from NRDC. Shri Kuldeep Kumar joined as Section Officer in TDB on 11th November 2005 on deputation from Department of Science & Technology.

Income Tax exemption

The Director General of Income Tax (Exemption), New Delhi has been approached for further granting the exemption to TDB, -u/s 10(23C/iv) of the I.T. Act, 1961 for A.Y. 2000-01 to 2002-03 pending at their end. The applications for further period have already been filed with the I.T. department and being persued for issue of exemption certificate.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, brochures, vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

आरंभिक जांच समितियों के सदस्य

अभ्यंकर आर. आर	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
आचार्य पी एस	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
बालासुब्रमण्यन एम डा.	पूर्व सलाहकार, डी बी टी
बन्धोपाध्याय, एच	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
बैनर्जी रीता	वैज्ञानिक - सी, डी एस टी
बापना रेणु डा.	वैज्ञानिक - एफ, टी डी बी
बसाक पी आर	प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, टाइफैक
भटनागर दीपक	वैज्ञानिक - जी, टाइफैक
ब्राकस्पति आर डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
छैनुलु ए. वी.	वैज्ञानिक - डी, डी एस टी
चंद्र जगदीश डा.	वैज्ञानिक - डी, डी एस टी
देशपाण्डे एस के	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
गोपाल हरि बी डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
जैन बी. के. डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
कोहली एस एस	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
कुलकर्णी एम. आर.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
कुलश्रे-ठ एस. के.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
कुमार विनोद डा.	वैज्ञानिक - डी, एस ई आर सी
लाहिड़ी ए. डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
मित्तल एच. के	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी

Members for the Initial Screening Committees

Abhyankar R.R.	Scientist-G, DSIR
Acharya P.S.	Scientist-F, DST
Balasubramanian M. Dr	Ex-Adviser, DBT
Bandopadhaya, H.	Scientist-G, DST
Banerjee Rita	Scientist-C, DST
Bapna Renu Dr.	Scientist-F, TDB
Basak P.R.	PSO, TIFAC
Bhatnagar Deepak	Scientist-G, TIFAC
Brakaspathy R. Dr	Scientist-G, DST
Chainulu A. V.	Scientist-D, DST
Chandra Jagdish Dr.	Scientist-D, DST
Deshpande S.K.	Scientist-F, DSIR
Gopal Hari B Dr.	Scientist-G, DST
Jain B.K. Dr.	Scientist-G, DST
Kohli S.S.	Scientist-F, DST
Kulkarni M.R.	Scientist-F, DST
Kulshrestha S.K.	Scientist-G, DSIR
Kumar Vinod Dr.	Scientist-D, SERC
Lahiri A. Dr.	Scientist-G, DST
Mittal H.K.	Scientist-G, DST

मोहन चंद्र	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
निस्तेन्द्र एस. सी.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
पाल महेंद्र डा.	वैज्ञानिक - एफ, टी डी बी
प्रसाद लक्ष्मण डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
पुरूषोत्तम एच	वैज्ञानिक - जी, टी डी बी
राय कुलदीप	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
राव ए. एस.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
राव के. वी. एस. पी.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
राय अमिताभ डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
रेलिया अनिल	वैज्ञानिक - एफ, एन ए बी एल
सागर प्रेम डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
साहा आर डा.	वैज्ञानिक - जी, टाइफैक
समाथानम जी. जे. डा.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
शर्मा जे. के. डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
शर्मा उषा डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
शर्मा विनीता डा.	वैज्ञानिक - डी, डी एस टी
सिंह जगदीश डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
सिंह संजय	वैज्ञानिक - डी, डी एस टी
सिंह एच. बी.	वैज्ञानिक - बी, डी एस टी
सिंह आई. बी.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
सिन्हा अनुज डा.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
वरूण विमल कुमार	वैज्ञानिक - ई, डी एस आई आर

Mohan Chander	Scientist-G, DST
Nistandra S.C.	Scientist-G, DSIR
Pal Mahendra Dr.	Scientist-F, TDB
Prasad Laxman Dr.	Scientist-G, DST
Purushotham H	Scientist-G, TDB
Rai Kuldeep	Scientist-F, DSIR
Rao A.S.	Scientist-G, DSIR
Rao K.V.S. P.	Scientist-F, DSIR
Ray Amitabha Dr.	Scientist-G, DST
Relia Anil	Scientist-F, NABL
Sagar Prem Dr.	Scientist-G, DSIR
Saha R. Dr.	Scientist-G,TIFAC
Samathanam, G.J. Dr.	Scientist-F, DST
Sharma J. K. Dr.	Scientist-G, DST
Sharma Usha Dr.	Scientist-G, DST
Sharma Vinita Dr.	Scientist-D, DST
Singh Jagdish Dr.	Scientist-G, DSIR
Singh Sanjay	Scientist-D, DST
Singh H.B.	Scientist-B, DST
Singh I.B.	Scientist-G, DST
Sinha Anuj Dr.	Scientist-G, DST
Varun Vimal Kumar	Scientist-E, DSIR

परियोजना मूल्यांकन समितियों एवं परियोजना मानिटरिंग समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अधिकारी एस. के.	महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लि. नासिक
आहुजा शोभना	डायमेसंस कंसल्टिंग (प्रा.) लि., गुड़गांव
आनंद नित्या	पूर्व निदेशक, सी डी आर आई
एरोकियास्मि आर प्रो.	प्रो., आई आई टी, दिल्ली
अरूमुघन सी	कृषि प्रसंस्करण एवं प्राकृतिक उत्पाद प्रभाग, तिरूवनन्तपुरम
बगाई मंजु	कानूनी सलाहकार (एस जी) सी एस आई आर
भट्ट आई के. प्रो.	मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
बालासुब्रमण्यन डी. डा.	निदेशक (रिसर्च), एल. वी. प्रसाद इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
बंधोपाध्याय टी	इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, नौएडा
बसु अभिजीत	एच पी इंडिया सैल्स प्रा. लि. गुड़गांव
बसु एस. के.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलोजी, नई दिल्ली
भाटिया सी. आर. डा.	पूर्व सचिव, डी बी टी
भौमिक अभिजीत	अर्नस्ट एंड यंग प्रा. लि., नई दिल्ली
बिहारी विनोद डा.	सी डी आर आई, लखनऊ
चौधरी एम. सी.	पूर्व निदेशक (तकनीकी), टी सी आई एल, नई दिल्ली
चिन्नैय्यन पी	जी एम (व्यापार विकास), बी एस एन एल, चैन्नई

Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

Adhikari S.K.	Mahindra & Mahindra Ltd., Nashik
Ahuja Shobhana	Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon
Anand Nitya	Former Director, CDRI
Arockiasmy R. Prof.	Prof. IIT, Delhi
Arumughan C.	Division of Agro Processing & Natural Products, Thiruvananthapuram
Bagai Manju	Legal Adviser (SG) CSIR,
Bhatt I.K. Prof.	Motilal Nehru National Institute of Technology
Balasubramanyan D. Dr.	Director (Research), L.V. Prasad Institute, Hyderabad
Bandhopadhyay T.	India Oil Corporation, Noida
Basu Avjit	HP India Sales Pvt. Ltd, Gurgaon
Basu S.K.	Indian Institute of Immunology, New Delhi
Bhatia C.R. Dr.	Former Secretary, DBT
Bhaumik Abhijit	Ernst &Young Pvt. Ltd, New Delhi
Bihari Vinod Dr	CDRI, Lucknow
Chaudhary M.C.	Former Director (Technical), TCIL, New Delhi
Chinnaiyan P.	GM (Business Development), BSNL, Chennai

चोपड़ा एस जे डा.	पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
दास मोहन के. डा.	श्री चित्रा तिरूनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरूअनन्तपुरम
दत्ता वीरेश प्रो.	प्रो., आई आई टी, दिल्ली
दीक्षित पी. एन. डा.	निदेशक एन पी एल, नई दिल्ली
दत्ता ए. के.	लेडी हार्डिंग मेडीकल कॉलेज, दिल्ली
इला कृष्णा एम डा.	सी एम डी, भारत बायोटैक इंटरनेशनल लि.
गांगुली एन. के. प्रो.	डी जी, आई सी एम आर, नई दिल्ली
घोष ए. के. प्रो.	पोलीमर विज्ञान एवं इंजीनियरी केन्द्र, आई आई टी, दिल्ली
घोष एम	डी जी एम, आई डी बी आई
गोयल संजीव	हिंडालको इंडस्ट्रीज लि., रेनुकुट
गोपालन एस	पूर्व - ई डी, आई डी बी आई, चैन्नई
गोपॉल एस डा.	बाल स्वास्थ्य संस्थान, चैन्नई
गोपीनाथन के. पी. प्रो.	भारतीय विज्ञान संस्थान,बंगलौर
गोविंद राजन आर प्रो.	आई आई एस सी, बैंगलोर
गोवरिकर वसंत	अध्यक्ष, राजीव गांधी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग, पुणे
गोयल हर्षेन्द्र	डाइमेंशन्स कंसल्टिंग (प्रा.) लि. गुड़गांव
गुप्ता जे. पी.	पूर्व - परियोजना निदेशक, आई ए आर आई, नई दिल्ली
हसनैन सैयद डा.	उ.कु. हैदराबाद म. विश्वविद्यालय, हैदराबाद
जैन बी. एन. प्रो.	प्रोमेथ्यूज कंसल्टिंग, बंगलौर

Chopra S.J. Dr.	University of Petroleum & Energy Studies, New Delhi
Das Mohan K. Dr.	Shri Chitra Thirunal Institute for Medical Science & Technology, Thiruvananthapuram
Datta Viresh Prof.	Prof. IIT, Delhi
Dixit P.N. Dr.	Director NPL, New Delhi
Dutta A.K.	Lady Hardinge Medical College, Delhi
Ella Krishna M. Dr.	CMD, Bharat Biotech International Ltd.
Ganguly N.K. Prof.	DG, ICMR, New Delhi
Ghosh A.K. Prof.	Centre of Ploymer Science & Engg., IIT Delhi
Ghosh M.	D.G.M., IDBI
Goel Sanjeev	Hindalco Industries Ltd, Renukoot
Gopalan S	Ex-ED, IDBI, Chennai
Gopaul S. Dr.	Institute of Child Health, Chennai
Gopinathan K.P. Prof.	Indian Institute of ScienceBangalore
Govindrajan R. Prof.	IISc, Bangalore
Gowarikar Vasant	Chairman, Rajiv Gandhi Science & Technology Commission, Pune
Goyal Harshendra	Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon
Gupta J.P.	Ex- Project Director, IARI, New Delhi
Hasnain Seyed Dr.	V.C. Hyderabad Central University Hyderabad
Jain B.N. Prof.	Prometheus Consulting, Bangalore

जोशी एस. वी. डा.	इंटरनैशनल एडवान्स्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाऊडर मेटालर्जी एंड न्यू
मैटिरियल्स	(ए आर सी आई), हैदराबाद
कालरा पी. के. प्रो.	आई आई टी, दिल्ली
कालरा वीणा डा.	प्रो., एम्स, दिल्ली
करंथ एन वी	वरिष्ठ सहायक निदेशक, ए आर ए आई, पुणे
करलावलेम कमल डा.	आई आई आई टी, हैदराबाद
कृष्णन एस. वी.	पूर्व सचिव, टी डी बी, नई दिल्ली
कुमार अंशुल प्रो.	आई आई टी, दिल्ली
कुमार नरेन्द्र	जी ए आई एल, नई दिल्ली
कुमार विक्रम डा.	एन पी एल, नई दिल्ली
लाल कृष्ण डा.	एन पी एल, नई दिल्ली
महादेवन पी. प्रो.	आई आई एम, बैंगलोर
महापात्रा आर. के. डा.	हैदराबाद
मजुमदार एस. प्रो.	पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़
माथुर जी. एन प्रो.	निदेशक, डी एम एस आर डी ई, कानपुर
मेहरा एन. के. प्रो.	एम्स, नई दिल्ली
मेहरोत्रा आर एन	ए जी एम (एस ई), एन टी पी सी लि., नौएडा
मिश्रा अशोक प्रो.	निदेशक, आई आई टी, बुम्बई
मेनन ए. एस.	मुख्य महाप्रबंधक, दक्षिणी क्षेत्र, वी एस एन एल, चेन्नई
मूर्ति ए. एन. एस डा.	जे एस एस एकेडमी आफ टेक्निकल एजुकेशन, बंगलौर

Joshi S.V. Dr.	International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Material (ARCI) Hyderabad
Kalara P.K., Prof.	IIT, Delhi
Kalara Veena Dr.	Prof. AIIMS, Delhi
Karanth N.V.	Sr. Assistant Director, ARAI, Pune
Karlapalem Kamal Dr.	Prof. IIIT, Hyderabad
Krishnan S.B.	Former Secretary, TDB, New Delhi
Kumar Anshul Prof.	IIT, Delhi
Kumar Narendra	GAIL, New Delhi
Kumar Vikram Dr.	NPL, New Delhi
Lal Krishan Dr.	NPL, New Delhi
Mahadevan P., Prof.	IIM, Bangalore
Mahapatra R.K. Dr.	Hyderabad
Majumdar S. Prof.	PGIMER, Chandigarh
Mathur G. N. Prof.	Director, DMSRDE, Kanpur
Mehra N.K. Prof.	AIIMS, New Delhi
Mehrotra R.N	AGM (SE), NTPC Ltd, NOIDA
Mishra Ashok Prof.	Director, IIT Bombay
Menon A.S.	Chief GM, Southern Region, VSNL, Chennai
Murthy A.N.N. Dr.	JSS Academy of Technical Education, Bangalore

मूर्ति वी एस आर	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुम्बई
मूर्ति टी. जी. के	सलाह., स्पेस विभाग, बंगलौर
मुत्थु एम वी	भू.पू.का.नि., आई एफ सी आई
नायर एम डी	पूर्व प्रमुख, एस पी आई सी ई
नरसिम्हन जी. डा.	कौम्बेट व्हैकिल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, चैन्नई
नारोती एम वी डा.	उप निदेशक, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, नागपुर
नटराजन वेंकटेश	टैक्सास इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) प्रा. लि., बंगलौर
पद्मनाभन जी. प्रो.	मानद वैज्ञानिक, आई आई एस सी, बंगलौर
पंडा ए. के. डा.	वैज्ञानिक, एन आई आई, नई दिल्ली
प्रसाद लक्ष्मण डा.	सलाह, डी एस टी, नई दिल्ली
रघुरामन वी	सी आई आई, गुड़गांव
रामचंद्रन एस वी. कर्नल	एन ए एस एस सी ओ एम, हैदराबाद
रामकृष्णन एस. डा.	सी - डी ए सी, पुणे
राव गंगाधर पी	आर आर एल, जोरहट
राव जे. एस.	डी जी एम, बी एच ई एल
राव मायलार, बी. ए.	पूर्व, सी एम डी, सैन्ट्रल इलैक्ट्रानिक्स लि., साहिबाबाद
राव रामा पी.	राष्ट्रीय भेषज एवं अनुसंधान शिक्षा संस्थान, मोहाली
राव राघव के. एस. एम. एस.	केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान, मैसूर
राजा वी. एस. प्रो.	कोरिसन विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग, आई आई टी, बुम्बई

Murthy V.S.R.	Union Bank of India, Mumbai
Murthy T.G.K.	Advisor, Deptt. of Space Bangalore
Muthu M.V.	Former ED, IFCI
Nair M. D.	Former Chief, SPICE
Narasimhan G. Dr.	Combat Vehicle Research & Development, Chennai
Naroti M.V. Dr.	Deputy Director, National Environmental Engg. Research Institute, Nagpur
Natarajan Venkatesh	Texas Instrument (India) Pvt. Ltd., Bangalore
Padmanabhan G. Prof.	Emeritus Scientist, IISc, Bangalore
Panda A.K. Dr.	Scientist, NII, New Delhi
Prasad Laxman Dr.	Advisor, DST, New Delhi
Raghuraman V.	CII, Gurgaon
Ramachandran S.V. Col.	NASSCOM, Hyderabad
Ramakrishnan S. Dr.	C- DAC, Pune
Rao Gangadhara P.	RRL, Jorhat
Rao J.S.	D.G.M. BHEL
Rao Mylar, B.A.	Fromer CMD, Central Electronics Ltd, Sahibabad
Rao Rama P.	National Institute of Pharmaceuticals & Research Education, Mohali
Rao Raghav K.S.M.S.	Central Food Technological Research Institute, Mysore
Raja V.S. Prof.	Department of Corrossion Science & Engineering, IIT, Bombay

राघवन विजया रवि	टाटा टेलिसर्विसेस लि. हैदराबाद
राघवन के. वी. डा.	डी आर डी ओ, लखनऊ
राघवराव के एस एम एस डा.	सी एफ टी आर आई, मैसूर
रामासुब्रमण्यन ए	मुख्य अधिशासी, आईसर ट्रैक्टर्स लि.
रमेश ए	वी पी, ए पी आई डी सी - वी सी एल
राव रामा ए. वी. डा.	ए वी आर ए लैब, हैदराबाद
रावत ए. के. एस.	राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
सिंह गुरूशरण डा.	भाभा नाभिकीय अनुसंधान संस्थान, मुम्बई
साहनी गिरीश प्रो.	माइक्रोबाइल प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ
शास्त्री आई. एस.	टी ई सी, नई दिल्ली
सेठ प्रदीप डा.	एम्स
शर्मा एन. के.	पूर्व - एम डी, एन आर डी सी
शर्मा शोभना प्रो.	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुम्बई
सिंह योगेश प्रो.	इंदरप्रस्थ - गुरूगोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
संगल राजीव प्रो.	आई आई आई टी, हैदराबाद
सिन्हा विश्वनाथ प्रो.	एल एन मित्तल आई आई टी, जयपुर
सिरोही आर. एस. प्रो.	उ.कु., बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
शिवानंदम एस. एन	पी एस जी कॉलेज ऑफ टैक्नोलॉजी, कोयम्बटुर
सोनी अश्विनी	ई आई एल, नई दिल्ली
सूद डी. के. डा.	संयुक्त निदेशक, सैन्ट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट, कसोली

Raghavan Vijaya Ravi	Tata Teleservices Ltd, Hyderabad
Raghavan K.V. Dr.	DRDO, Lucknow
Raghavarao KSMS Dr.	CFTRI, Mysore
Ramasubramanian A	Chief Executive, Eicher Tractors Ltd.
Ramesh A.	VP, APIDC-VCL, Hyderabad
Rao Rama A.V. Dr.	AVRA Lab, Hyderabad
Rawat A.K.S.	National Botanical Research Institute, Lucknow
Singh Gurusharan Dr.	Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai
Sahni Girish Prof.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh
Sastri I.S.	TEC, New Delhi
Seth Pradeep Dr.	AIIMS
Sharma N.K.	Ex-M.D., NRDC
Sharma Shobhna Prof.	Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai
Singh Yogesh Prof.	Indraprastha - Gurugobind Singh University, Delhi
Sangal Rajeev Prof.	IIIT, Hyderabad
Sinha Vishwanath Prof.	LN Mittal IIT, Jaipur
Sirohi R.S. Prof.	V.C., Barkatullah University, Bhopal
Sivanandam S. N.	PSG College of Technology, Coimbatore
Soni Ashwani	EIL, New Delhi
Sood D.K. Dr.	Joint Director, Central Research Institute, Kasoli

श्रीधर के.	सी जी एम, बी एस एन एल, चैन्नई
श्रीनिधि संगरूर डा.	प्रौमेथ्यूज कंसल्टिंग, बंगलोर
श्रीनिवास जी	बी एस एन एल, हैदराबाद
श्रीनिवासराघवन एन आर प्रो.	आई आई एस सी, बैंगलोर
श्रीवास्तव यू. के.	डी डी जी, टी ई सी, नई दिल्ली
श्रीवास्तव अजय	एम डी, मेसर्स डायमेन्संस कंसलटिंग (प्रा.) लि., गुड़गांव
सुब्रमण्यन	आई आई टी मद्रास
सुरी ए. के. डा.	भाभा एटोमिक रिसर्च सैंटर, मुम्बई
जोसेफ थामस प्रो.	आई आई टी मद्रास, चैन्नई
वार्ष्णेय के. सी. डा.	पूर्व - ई डी, आई डी बी आई
वासुदेव वर्मा डा.	आई आई टी, हैदराबाद
वेंकटरामन बी प्रो.	डिफेंस मेटेलर्जी, रिसर्च लेबोरेट्री (डी एम आर एल), हैदराबाद
विट्ठल एन	अध्यक्ष, कमीशन ऑफ पिपुल्स श्रीला, चैन्नई
वर्मा एस. के. डा.	केन्द्रीय प्लास्टिक इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चैन्नई
वैरियर कृष्णा डी.	पी ई जी, इलैक्ट्रानिकी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, तिरूअनन्तपुरम
यादव जी. डी. डा.	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल टैक्नोलॉजी, मुम्बई

Sridhara K.	CGM, BSNL, Chennai
Srinidhi Sangrur Dr	Prometheus Consuting, Bangalore
Srinivas G.	BSNL, Hyderabad
Srinivasraghavan N.R. Prof.	IISc, Bangalore
Srivastava U.K.	DDG, TEC, New Delhi
Srivastava Ajay	MD, M/s. Dimensions Consulting (P) Ltd, Gurgaon
Subramanium	IIT Madras
Suri A.K. Dr.	Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai
Joseph Thomas Prof.	IIT Madras, Chennai
Varshney K.C. Dr.	Ex-ED, IDBI
Vasudev Verma Dr.	IIIT, Hyderabad
Venkataraman B. Prof.	Defence Metallurgical Research Laboratory(DMRL), Hyderabad
Vittal N.	Chairman, Commission of People's Sreela, Chennai
Verma S.K. Dr.	Central Institute of Plastic Engineering & Technology, Chennai
Warrier Krishna D.	PEG, Electronics Research and Development Centre, Thiruvananthapuram,
Yadav G.D. Dr.	University Institute of Chemical Technology, Mumbai

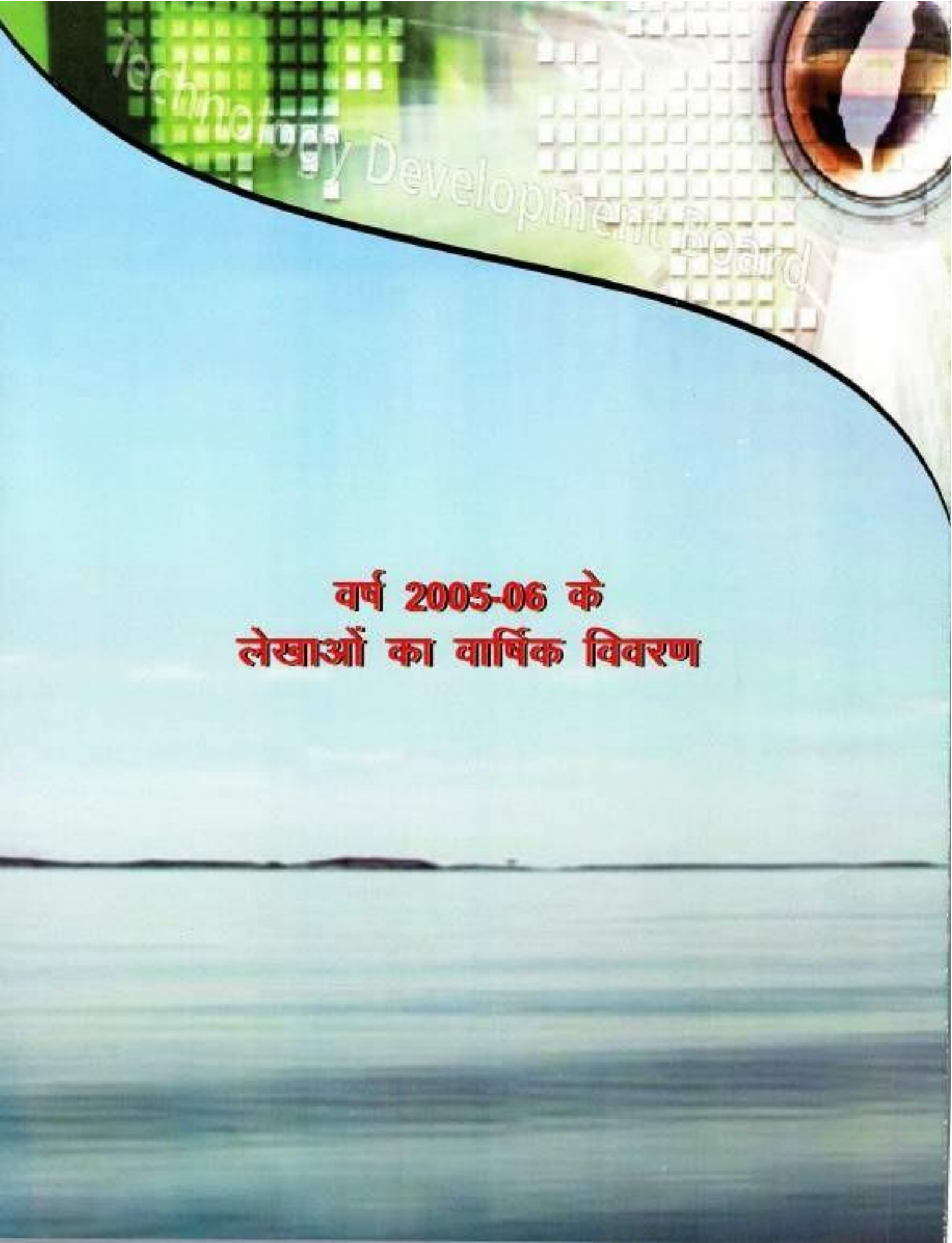

वर्ष 2005-06 के लेखाओं का वार्षिक विवरण

Technology Development Board

Annual Statement of Accounts for the year 2005-06

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31, मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार तुलन -पत्र

पिछले वर्ष		देनदारियां			चालू वर्ष(रुपये)
		प्रौद्योगिकी विकास एंव अनुप्रयोग हेतु निधि			
5,240,261,932	(क)	प्रारंभिक शेष			6,193,885,347
481,000,000	(ख)	केन्द्र सरकार से अनुदान		426,554,000	
39,672,982		घटाया गया : संस्थापन के लिए		43,270,419	
441,327,018					383,283,581
269,213,093	(ग)	ऋणों की वापसी अदायगी			295,568,848
9,102,324	(घ)	रायल्टी			10,470,584
-	(ङ)	दान			-
-	(च)	आईडीबीआई के बीसीएफ			-
36,875,000	(छ)	आईटीवीयूएस (यूटीआई)			113,125,000
28,895,188	(ज)	लघु अवधि जमा पर ब्याज वास्तविक		43,666,296	
2,897,877		घटाया गया 31.03.2005 तक प्रोद्भूत ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया।		5,011,961	
25,997,311					38,654,335
80,914,398	(झ)	ऋणों पर प्राप्त ब्याज		85,593,679	
46,680,712		घटाया गया 31.03.2005 तक प्रोद्भूत ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया।		51,224,299	
34,233,686					34,369,380
32,279	(ञ)	अनुदानों पर ब्याज			-
369,798	(ट)	स्वत्व शुल्क पर ब्याज			735,260
137,472,906	(ठ)	व्यय पर आय की अधिकता			213,446,066
-		घटाया गया अनुदान : क) इनकूबेटर्स			20,000,000
1,000,000		ख) अन्य संस्थाएं			28,000,000
6,193,885,347					7,235,538,401
		आईडीबीआई के बीसीएफ			
278,400,000		आईडीबीआई द्वारा भारत सरकार से प्राप्त अंशदान निवेश से आय	निवेश से प्राप्त आय	278,400,000	
130,353,021		क. ब्याज	130,804,195		
55,165,270		ख. स्वत्व शुल्क	55,165,270		

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March, 2006

PREVIOUS Year (Rs.)	LIABILITIES		CURRENT YEAR (Rs.)
	Fund for Technology Development & Application		
5,240,261,932	a) Opening Balance		6,193,885,347
481,000,000	b) Grants from Central Govt.	426,554,000	
39,672,982	Less: For Establishment	43,270,419	
441,327,018			383,283,581
269,213,093	c) Repayment of Loans		295,568,848
9,102,324	d) Royalty		10,470,584
-	e) Donations		-
-	f) VCF of IDBI		-
36,875,000	g) ITVUS(UTI)		113,125,000
28,895,188	h) Interest on short term deposits actuals	43,666,296	
2,897,877	Less : Interest accrued upto 31.03.2005 realized this year	5,011,961	
25,997,311			38,654,335
80,914,398	i) Interest received on loans	85,593,679	
46,680,712	Less : Interest accrued upto 31.03.2005 realized this year	51,224,299	
34,233,686			34,369,380
32,279	j) Interest on Grants		-
369,798	k) Interest on Royalty		735,260
137,472,906	l) Excess of income over expenditure		213,446,066
-	Less : Grants released to (a) Incubators		20,000,000
1,000,000	(b) Other Agencies		28,000,000
6,193,885,347			7,235,538,401
	VCF of IDBI		
278,400,000	Contribution received by IDBI from Government of India	278,400,000	
	Income from Investment		
130,353,021	a. Interest	130,804,195	
55,165,270	b. Royalty	55,165,270	

पिछले वर्ष		देनदारियां			चालू वर्ष(रुपये)
5,016,994		ग. लाभांश	5,626,345		
990,523,171		घ. प्रोद्भूत आय	1,180,195,842		
		ङ. विनियोजन के लिए लंबित प्राप्तियाँ	2,720,895		
1,181,058,456			1,374,512,547		
212,500,000		घटाया गया : टीडीबी को भुगतान की गई राशि	212,500,000		
968,558,456			1,162,012,547		
-		घटाया गया : पूर्व में प्राप्त अधिक स्वत्व शुल्क	11,250,000		
968,558,456			1,150,762,547		
12,480,814		घटाया : बट्टे खाते में डाले गए ऋण	12,480,814		
2,450,250		घटाया : निवेश की बिक्री पर नुकसान	5,858,250		
953,627,392			1,132,423,483		
52,780,000		घटाया : प्रबंधन शुल्क	66,700,000		
711,133		घटाया : लेखा परीक्षा शुल्क एंव अन्य व्यय	767,802		
900,136,259				1,064,955,681	
1,178,536,259					1,343,355,681
		वर्तमान देनदारियां			
114,360	(1)	प्रतिनियुक्ति पर आए स्टाफ के लिए पेंशन अंशदान			479,921
30,000	(2)	लेखा परीक्षा शुल्क			40,000
166,532	(3)	उपस्करों के लिए देय भुगतान जमा की गई राशि			-
-	(4)	स्त्रोत पर आयकर में कि गई कटौती			553,728
2,000	(5)	प्राप्त प्रतिभूति			2,000
7,372,734,498		कुल			8,579,969,731

टिप्पणी-अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

PREVIOUS Year (Rs.)	LIABILITIES		CURRENT YEAR (Rs.)
5,016,994	c. Dividend	5,626,345	
990,523,171	d. Accrued Income	1,180,195,842	
	e. Receipt Pending Appropriation	2,720,895	
1,181,058,456		1,374,512,547	
212,500,000	Less : Amount paid to TDB	212,500,000	
968,558,456		1,162,012,547	
-	Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted	11,250,000	
968,558,456		1,150,762,547	
12,480,814	Less : Loans written off	12,480,814	
2,450,250	Less : Loss on sale of Investment	5,858,250	
953,627,392		1,132,423,483	
52,780,000	Less : Management Fees	66,700,000	
711,133	Less: Audit Fees & Other Expenses	767,802	
900,136,259			1,064,955,681
1,178,536,259			1,343,355,681
	Current Liabilities		
114,360	(i) Pension Contribution for deputationists		479,921
30,000	(ii) Audit fee		40,000
166,532	(iii) Payment due for equipments		-
-	(iv) Income tax deducted at source		553,728
2,000	Security received		2,000
7,372,734,498	TOTAL		8,579,969,731

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31, मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार तुलन -पत्र

पिछले वर्ष	परिसंपत्तियां		चालू वर्ष(रुपये)
	स्थिर परिसंपत्तियां (अनुसूचि-क)		
2,985,621	क) उपकरण/उपकरण/ मशीनरी	4,380,872	
1,702,453	जोड़े : परिवर्धन	2,045,283	
4,688,074		6,426,155	
297,602	घटाया गया: मूल्यहास	438,087	
9,600	बट्टे खाते	-	
4,380,872			5,988,068
275,839	ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	537,945	
289,690	जोड़े : परिवर्धन	224,016	
565,529		761,961	
27,584	घटाया गया: मूल्यहास	53,794	
537,945			708,167
163,660	ग) वाहन	370,890	
370,890	जोड़े : परिवर्धन	-	
534,550		370,890	
-	घटाया गया: मूल्यहास	37,089	
163,660	बट्टे खाते	-	
370,890			333,801
	मौजूदा परिसंपत्तियाँ		
5,011,961	क) (1) लघु अवधि जमा / बचत खातों पर प्रोद्भूत ब्याज		12,755,003
378,727,344	(2) 31.3.2005 तक औद्योगिक इकाइयों को दिए गए ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	464,937,552	
689,714	घटाया गया : माफ किया गया ब्याज	9,668,433	
46,680,712	घटाया गया : 31.03.2005 तक प्रोद्भूत ब्याज, जो इस वर्ष प्राप्त हुआ	51,224,299	
331,356,918		404,044,820	
133,580,634	जोड़े : परिवर्धन	216,808,689	
464,937,552			620,853,509
	ख) ऋण संवितरण		
3,666,950,000	31.03.2005 तक	4,095,020,000	

Technology Development Board

Balance Sheet as on 31st March, 2006

PREVIOUS Year (Rs.)	ASSETS		CURRENT YEAR (Rs.)
	Fixed Assets (Schedule-A)		
2,985,621	a) Equipment/Apparatus/Machinery	4,380,872	
1,702,453	Add : Additions	2,045,283	
4,688,074		6,426,155	
297,602	Less : Depreciation	438,087	
9,600	Write off	-	
4,380,872			5,988,068
275,839	b) Furniture & Fixtures	537,945	
289,690	Add : Additions	224,016	
565,529		761,961	
27,584	Less : Depreciation	53,794	
537,945			708,167
163,660	c) Vehicle	370,890	
370,890	Add : Additions	-	
534,550		370,890	
-	Less : Depreciation	37,089	
163,660	Write off	-	
370,890			333,801
	Current Assets		
5,011,961	a) (i) Interest accrued on short term deposits/S.B. A/c.		12,755,003
378,727,344	(ii) Interest accrued on loans to industrial concerns upto 31.03.2005	464,937,552	
689,714	Less : Interest accrued waived off	9,668,433	
46,680,712	Less : Interest accrued upto 31.03.05realized this year	51,224,299	
331,356,918		404,044,820	
133,580,634	Add : Additions	216,808,689	
464,937,552			620,853,509
	b) Loan Disbursements		
3,666,950,000	Upto 31.03.2005	4,095,020,000	

पिछले वर्ष	परिसंपत्तियां			चालू वर्ष(रुपये)
428,070,000	2005-2006 के दौरान		383,800,000	
-	घटाया गया : ऋण का इक्विटी में रूपांतरण		-	
-	घटाएं : बट्टे खाते ऋण		6,000,000	
4,095,020,000				4,472,820,000
243,600,000	ग) 31.03.2005 तक साम्य पूंजी अभिदान		243,600,000	
-	2005-06 के दौरान		-	
-	जोड़: ऋण का इक्विटी में रूपांतरण		-	
243,600,000				243,600,000
212,500,000	घ) आईटीवीयूएस (यूटीआई)			250,000,000
150,000,000	ङ) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)			393,000,000
593,000	च) प्रतिभूति जमा			2,849,540
	छ) एपीआईडीसी वेन्चर केपिटल फंड			181,781,219
	ज) वसूल की जाने वाली राशि :			
	(1) सरकारी विभागों से देय धनराशि.			
4,983,322	2002-03 में	4,983,322		
3,708,862	2003-04 में	3,708,862		
5,125,103	2004-05 में	5,125,103		
-	2005-06 में	1,605,010		
13,817,287		15,422,297		
9,035	(2) विभागीय अधिकारियों को अग्रिम राशि		75,350	
-	(3) अन्य से देय धनराशि		50,373	
13,826,322				15,548,020
	झ) अंत शेष :			
700,000,000	बैंकों में लघु अवधि जमा (अनुसूची-ख)			1,017,510,000
4,416	नकद हाथ में			7,358
303,415,281	नकद बैंक में			18,859,365

PREVIOUS Year (Rs.)	ASSETS			CURRENT YEAR (Rs.)
428,070,000	During 2005-2006		383,800,000	
-	Less : Conversion of Loan into Equity		-	
-	Less: Loan written off		6,000,000	
4,095,020,000				4,472,820,000
243,600,000	c) Equity subscription upto 31.03.2005		243,600,000	
-	During 2005-06		-	
-	Add : Conversion of Loan into Equity		-	
243,600,000				243,600,000
212,500,000	d) ITVUS (UTI)			250,000,000
150,000,000	e) Ascent India Fund (UTI VFM)			393,000,000
593,000	f) Security Deposit			2,849,540
	g) APIDC Venture Capital Fund			181,781,219
	(h) Payments to be recovered :			
	(i) Amount due from Govt. Depts.			
4,983,322	in 2002-03	4,983,322		
3,708,862	in 2003-04	3,708,862		
5,125,103	in 2004-05	5,125,103		
-	in 2005-06	1,605,010		
13,817,287		15,422,297		
9,035	(ii) Advance to Staff members		75,350	
-	(iii) Amount due from others		50,373	
13,826,322				15,548,020
	(i) Closing Balance :			
700,000,000	Short Term Deposits in banks(Schedule-B)			1,017,510,000
4,416	Cash in hand			7,358
303,415,281	Cash in bank			18,859,365

पिछले वर्ष	परिसंपत्तियां		चालू वर्ष(रुपये)
	आईडीबीआई के सीसीएफ		
	निवेश		
149,969,845	(1) ऋण	146,630,538	
22,425,000	(2) साम्य पूंजी	15,325,000	
172,394,845			161,955,538
	प्राप्य राशि		
287,930,766	(1) ब्याज	301,286,447	
713,842,405	(2) अन्य	878,909,395	
1,001,773,171			1,180,195,842
4,368,243	**आईडीबीआई के पास नकद**		1,204,301
1,178,536,259			1,343,355,681
7,372,734,498	**कुल**		8,579,969,731

टिप्पणी–अनुसूची क, ख, तथा ग लेखाओं के अंश है।

(आनन्द एस. खाती)	(दिनेश शर्मा)	(डा. टी. रामासामी)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

PREVIOUS Year (Rs.)	ASSETS		CURRENT YEAR (Rs.)
	VCF of IDBI		
	Investment		
149,969,845	(I) Loan	146,630,538	
22,425,000	(ii) Equity	15,325,000	
172,394,845			161,955,538
	Receivables		
287,930,766	(I) Interest	301,286,447	
713,842,405	(ii) Others	878,909,395	
1,001,773,171			1,180,195,842
4,368,243	Cash with IDBI		1,204,301
1,178,536,259			1,343,355,681
7,372,734,498	TOTAL		8,579,969,731

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछले वर्ष		प्राप्तियां	चालू वर्ष (रुपये)
		प्रारंभिक शेष	
300,000,000		लघु अवधि में जमाओं में निवेश	700,000,000
23,585		हाथ में मौजूद नकद	4,416
422,943,612		बैंक में जमा नकद	303,415,281
		प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि	
481,000,000	i)	केन्द्र सरकार से अनुदान	426,554,000
28,895,188	ii)	लघु अवधि की जमाओं पर ब्याज	43,666,296
80,914,398	iii)	ऋण पर ब्याज	85,593,679
369,798	iv)	स्वत्व पर ब्याज	735,260
32,279	v)	अनुदानों पर ब्याज	-
269,213,093	vi)	ऋणों की अदायगी	295,568,848
9,102,324	vii)	स्वत्व शुल्क	10,470,584
-	viii)	दान	-
-	ix)	आईडीबीआई के वीसीएफ से अंतरण	-
68,471	x)	विविध प्राप्तियाँ	79,777
6,000	xi)	प्रतिभूति की वापसी	239,060
1,663,683	xii)	आयकर की वसूली	2,550,017
36,875,000	xiii)	आईटीवीयूएस (यूटीआई)	113,125,000
1,631,107,431		**कुल**	1,982,002,218

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2006

PREVIOUS Year (Rs.)		RECEIPTS	CURRENT YEAR (Rs.)
		Opening Balance :	
300,000,000		Investment in short term deposits	700,000,000
23,585		Cash in hand	4,416
422,943,612		Cash at bank	303,415,281
		Fund for Technology Development & Application	
481,000,000	i)	Grants from central Govt.	426,554,000
28,895,188	ii)	Interest on short term deposits	43,666,296
80,914,398	iii)	Interest on loans	85,593,679
369,798	iv)	Interest on royalty	735,260
32,279	v)	Interest on grants	-
269,213,093	vi)	Repayment of loans	295,568,848
9,102,324	vii)	Royalty	10,470,584
-	viii)	Donations	-
-	ix)	Transfer from VCF of IDBI	-
68,471	x)	Miscellaneous receipt	79,777
6,000	xi)	Refund of Security	239,060
1,663,683	xii)	Recoveries towards Income Tax	2,550,017
36,875,000	xiii)	ITVUS(UTI)	113,125,000
1,631,107,431		**TOTAL**	**1,982,002,218**

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछले वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष (रुपये)
		संस्थापन व्यय	
4,052,927	i)	वेतन	5,415,756
1,661	ii)	मजदूरी	27,480
2,729,374	iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	3,935,025
718,611	iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	601,746
304,000	v)	मानदेय	61,500
35,436	vi)	समयोपरि भत्ता	32,814
30,535	vii)	चिकित्सा व्यय	255,156
416,771	viii)	प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान	125,958
		कार्यालय व्यय	
403,977	i)	टेलिफोन / टेलेक्स	581,598
106,812	ii)	डाक टिकट	102,767
129,506	iii)	पेट्रोल, तेल तथा स्नेहक	122,853
162,706	iv)	मरम्मत एवं अनुरक्षण	552,605
2,319,887	v)	उपभोज्य भंडार एवं मुद्रण	1,341,628
22,497	vi)	समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	31,605
321,075	vii)	मनोरंजन एवं आतिथ्य	147,548
13,702	viii)	परिवहन	30,395
13,341,336	ix)	विज्ञापन एवं प्रचार	5,099,346
3,224,424	x)	किराया (कार्यालय)	4,830,255
1,117,428	xi)	विविध व्यय	666,908
130,000	xii)	प्रतिभूति राशि	2,495,600
1,400,000	xiii)	राष्ट्रिय पुरस्कार	2,400,000
-	xiv	पुस्तकालयों की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	19419
-	xv)	बयाना जमा की वापसी	-
11,114,230	xvi)	विधिक एवं प्रबन्ध शुल्क	15,402,597

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March, 2006

PREVIOUS Year (Rs.)		PAYMENTS	CURRENT YEAR (Rs.)
		Establishment Expenses	
4,052,927	i)	Salaries	5,415,756
1,661	ii)	Wages	27,480
2,729,374	iii)	Travel Expenses (Domestic)	3,935,025
718,611	iv)	Travel Expenses (Abroad)	601,746
304,000	v)	Honorarium	61,500
35,436	vi)	Over Time Allowance	32,814
30,535	vii)	Medical Expenses	255,156
416,771	viii)	Pension Contribution for Deputationists	125,958
		Office Expenses	
403,977	i)	Telephone / Telex	581,598
106,812	ii)	Postage stamps	102,767
129,506	iii)	Petrol, Oil, Lubricants	122,853
162,706	iv)	Repairs & Maintenance	552,605
2,319,887	v)	Consumable Stores & Printing	1,341,628
22,497	vi)	Newspapers & Magazines	31,605
321,075	vii)	Entertainment & Hospitality	147,548
13,702	viii)	Conveyance	30,395
13,341,336	ix)	Advertisement & Publicity	5,099,346
3,224,424	x)	Rent (Office)	4,830,255
1,117,428	xi)	Miscellaneous Expenses	666,908
130,000	xii)	Security Deposits	2,495,600
1,400,000	xiii)	National Award	2,400,000
-	xiv	Library Books & Journals	19419
-	xv)	Refund of earnest money Deposit	-
11,114,230	xvi)	Legal & Management Charges	15,402,597

पिछले वर्ष		भुगतान	चालू वर्ष (रुपये)
543,330	xvii)	कोर्ट फीस	-
-	xviii)	वर्दी एवं परिधान	3,389
171,115	xix)	लेखा परीक्षण शुल्क	130,885
9,035	xx)	कर्मचारियों को अग्रिम	66,315
	बोर्ड के व्यय		
151,916	i)	सदस्यों को दैनिक / यात्रा भत्ता	267,507
355,000	ii)	व्यावसायिक शुल्क/मानदेय	729,350
67,926	iii)	बैठक के लिए व्यय	19,994
1,362,333	iv)	विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता	1,563,784
	पूंजी व्यय		
1,535,921	i)	उपस्कर / उपकरण / मशीनरी	2,211,815
289,690	ii)	फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	224,016
370,890	iii)	वाहन	
1,663,683	**आयकर वसूली का संवितरण**		2,046,662
428,070,000	i)	ऋण	383,800,000
	ii)	अनुदान (क) इन्कूबेटर्स	20,000,000
1,000,000		(ख) अन्य संस्थाएं	28,000,000
-	iii)	साम्य पूंजी	-
-	iv)	आईटीवीयूएस (यूटीआई)	37,500,000
150,000,000	v)	एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)	243,000,000
	vi	एपीआईडीसी वेन्चर कैपिटल फंड	181,781,219
	अन्तशेष		
700,000,000	i)	लघु अवधि जमा में निवेश	1,017,510,000
4,416	ii)	हाथ में मौजूद नकद	7,358
303,415,281	iii)	बैंक में जमा नकद	18,859,365
1,631,107,431	**कुल**		1,982,002,218

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

PREVIOUS Year (Rs.0		PAYMENTS	CURRENT YEAR (Rs.)
543,330	xvii)	Court Fee	-
-	xviii)	Liveries & Uniform	3,389
171,115	xix)	Audit Fee	130,885
9,035	xx)	Advance to staff members	66,315
	Board Expenses		
151,916	i)	TA / DA to Members	267,507
355,000	ii)	Professional Fee / Honorarium	729,350
67,926	iii)	Meeting Expenses	19,994
1,362,333	iv)	TA / DA to Experts	1,563,784
	Capital Expenditure		
1,535,921	i)	Equipment / Apparatus / Machinery	2,211,815
289,690	ii)	Furniture & Fixtures	224,016
370,890	iii)	Vehicle	
1,663,683	**Remittance of recoveries to Income Tax**		2,046,662
	Disbursements from TDF		
428,070,000	i)	Loans	383,800,000
	ii)	Grants (a) Incubators	20,000,000
1,000,000		(b) Other Agenices	28,000,000
-	iii)	Equity	-
-	iv)	ITVUS (UTI)	37,500,000
150,000,000	v)	Ascent India Fund(UTI VFM)	243,000,000
	vi	APIDC Venture Capital Fund	181,781,219
	Closing Balance		
700,000,000	i)	Investment in short term deposits	1,017,510,000
4,416	ii)	Cash in hand	7,358
303,415,281	iii)	Cash at bank	18,859,365
1,631,107,431	**TOTAL**		**1,982,002,218**

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछले वर्ष (रुपये)		आय	चालू वर्ष (रुपये)
39,672,982	i)	संस्थापन हेतु अनुदान	43,270,419
5,011,961	ii)	लघु अवधि जमा बचत खातों पर प्रोद्भूत ब्याज	12,755,003
133,580,634	iii)	ऋणों पर प्रोद्भूत ब्याज	216,808,689
22,685	iv)	विविध प्राप्तियाँ	79,777
178,288,262		कुल	272,913,888

टिप्पणी–अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक *(वित्त एवं प्रशा.)*
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Income and Expenditure Account for the Year Ending 31st March 2006

PREVIOUS Year (Rs.)		INCOME	CURRENT YEAR (Rs.)
39,672,982	i)	Grant for Establishment	43,270,419
5,011,961	ii)	Interest accrued on short term deposits / SB A/c.	12,755,003
133,580,634	iii)	Interest accrued on loans	216,808,689
22,685	iv)	Miscellaneous receipt	79,777
178,288,262		**TOTAL**	**272,913,888**

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछले वर्ष		व्यय	चालू वर्ष (रुपये)
		संस्थापन व्यय	
4,052,927	i)	वेतन	5,415,756
1,661	ii)	मजदूरी	27,480
2,729,374	iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	3,935,025
1,112,025	iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	601,746
304,000	v)	मानदेय	61,500
35,436	vi)	समयोपरि भत्ता	32,814
30,535	vii)	चिकित्सा व्यय	255,156
344,042	viii)	प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान	491,519
		कार्यालय व्यय	
403,977	i)	टेलिफोन / टेलेक्स	581,598
106,812	ii)	डाक टिकट	102,767
129,506	iii)	पेट्रोल, तेल तथा स्नेहक	122,853
162,706	iv)	मरम्मत एवं अनुरक्षण	552,605
2,319,887	v)	उपभोज्य भंडार एवं मुद्रण	1,341,628
22,497	vi)	समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	31,605
321,075	vii)	मनोरंजन एवं आतिथ्य	147,548
13,702	viii)	परिवहन	30,395
8,216,233	ix)	विज्ञापन एवं प्रचार	3,494,336
3,224,424	x)	किराया (कार्यालय)	4,830,255
1,117,428	xi)	विविध व्यय	666,908
173,260	xii)	बट्टे खाते	
45,786		घटाएं : वसूली	
127,474			-
1,400,000	xiii)	राष्ट्रिय पुरस्कार	2,400,000
-	xiv)	पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	19,419
11,114,230	xv)	विधिक एवं प्रबन्ध शुल्क	15,402,597

Technology Development Board

Income and Expenditure Account for the Year Ending 31st March 2006

PREVIOUS Year (Rs.)		EXPENDITURE	CURRENT YEAR (Rs.)
		Establishment Expenses	
4,052,927	i)	Salaries	5,415,756
1,661	ii)	Wages	27,480
2,729,374	iii)	Travel Expenses (Domestic)	3,935,025
1,112,025	iv)	Travel Expenses (Abroad)	601,746
304,000	v)	Honorarium	61,500
35,436	vi)	Over Time Allowance	32,814
30,535	vii)	Medical Reimbursement	255,156
344,042	viii)	Pension Contribution for deputationists	491,519
		Office Expenses	
403,977	i)	Telephone / Telex	581,598
106,812	ii)	Postage stamps	102,767
129,506	iii)	Petrol, Oil, Lubricants	122,853
162,706	iv)	Repairs & Maintenance	552,605
2,319,887	v)	Consumable Stores & Printing	1,341,628
22,497	vi)	Newspapers & Magazines	31,605
321,075	vii)	Entertainment & Hospitality	147,548
13,702	viii)	Conveyance	30,395
8,216,233	ix)	Advertisement & Publicity	3,494,336
3,224,424	x)	Rent (Office)	4,830,255
1,117,428	xi)	Miscellaneous Expenses	666,908
173,260	xii)	Write off of Assets	
45,786		Less : Recovery	
127,474			–
1,400,000	xiii)	National Award	2,400,000
-	xiv)	Library Books & Journals	19,419
11,114,230	xv)	Legal & Management Charges	15,402,597

पिछले वर्ष		व्यय		चालू वर्ष (रुपये)
543,330	xvi)	कोर्ट फीस		-
-	xvii)	वर्दी एवं परिधान		
30,000	xviii)	लेखा परीक्षण शुल्क		3,389
	xix)	मूल्यह्रास :		140,885
297,602		उपकरण	438,087	
27,584		फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	53,794	
-		वाहन	37,089	
325,186				528,970
689,714	xx)	ब्याज माफ किया गया		9,668,433
	xxi)	ऋण माफ किया गया		6,000,000
	बोर्ड के व्यय			
151,916	i)	सदस्यों को दैनिक / यात्रा भत्ता		267,507
355,000	ii)	व्यावसायिक शुल्क/मानदेय		729,350
67,926	iii)	बैठक के लिए व्यय		19,994
1,362,333	iv)	विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता		1,563,784
137,472,906	व्यय पर आय की अधिकता			213,446,066
178,288,262	कुल			272,913,888

टिप्पणी– अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं के अंग है ।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

PREVIOUS Year (Rs.)		EXPENDITURE		CURRENT YEAR (Rs.)
543,330	xvi)	Court Fee		-
-	xvii)	Liveries & Uniform		3,389
30,000	xviii)	Audit Fee		140,885
	xix)	Depreciation :		
297,602		Equipment	438,087	
27,584		Furniture & Fixtures	53,794	
-		Vehicle	37,089	
325,186				528,970
689,714	xx)	Interest accrued waived off		9,668,433
	xxi)	Loan written off		6,000,000
	Board Expenses			
151,916	i)	TA / DA to Members		267,507
355,000	ii)	Professional Fee / Honorarium		729,350
67,926	iii)	Meeting Expenses		19,994
1,362,333	iv)	TA / DA to Experts		1,563,784
137,472,906	Excess of Income over Expenditure			213,446,066
178,288,262	**TOTAL**			**272,913,888**

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

अनुसूचि - क

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31मार्च 2006 तक अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(रूपये)

	उपकरण / उपकरण मशीनरी	फ नीचर / फि क्सचर्स	वाहन
31.03.05 तक सकल ब्लॉक	5,802,714	645,462	370,890
2005-06 के दौरान अभिवृद्धि	2,045,283	224,016	-
2005-06 में बट्टे खाते	-	-	-
31.03.06 तक सकल ब्लॉक	7,847,997	869,478	370,890
31.03.05 तक मूल्यह्रास	1,421,842	107,517	-
2005-06 के दौरान मूल्यह्रास	438,087	53,794	37,089
31.03.06 तक मूल्यह्रास	1,859,929	161,311	37,089
31.03.06 के अनुसार निवल ब्लॉक	5,988,068	708,167	333,801
31.03.05 के अनुसार निवल ब्लॉक	4,38,872	537,945	370,890

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक *(वित्त एवं प्रशा.)*
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule-A

Technology Development Board

Statement of Fixed Assets as of 31st March, 2006

(in Rupees)

	Equipment/Apparatus/ Machinery	Furniture/ Fixtures	Vehicle
Gross Block as at 31.03.05	5,802,714	645,462	370,890
Additions during 2005-06	2,045,283	224,016	-
Written off during 2005-06	-	-	-
Gross Block as at 31.03.06	7,847,997	869,478	370,890
Depreciation upto 31.03.05	1,421,842	107,517	-
Depreciation during 2005-06	438,087	53,794	37,089
Depreciation upto 31.03.06	1,859,929	161,311	37,089
Net Block as at 31.03.06	5,988,068	708,167	333,801
Net Block as at 31.03.05	4,380,872	537,945	370,890

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 तक प्रौद्योगिकी विकास एवं उपयोग के लिए निधि से प्राप्त लघु अवधि जमाओं का विवरण

(रूपये)

बैंक का नाम	एफ डीआर संख्या	एफ डीआर तिथि	परिपक्वता तिथि	राशि (लाख रूपये)
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली Flexi Account	-	-	-	3,075.10
बैंक ऑफ इंडिया, सीआर पार्क, नई दिल्ली Fixed Deposit	4126186	31.03.2006	30.06.2006	100.00
केनरा बैंक, शहिद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली- अचल Fixed Deposit	एफडी/01/00777	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- तदैव -	एफडी /01/00778	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- तदैव -	एफडी /01/00779	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- तदैव -	एफडी /01/002884	05.01.2006	04.01.2007	1,000.00
- तदैव -	एफडी /01/002989	30.01.2006	30.01.2007	500.00
- तदैव -	एफडी /01/002990	30.01.2006	30.01.2007	500.00
- तदैव -	एफडी /01/002991	30.01.2006	30.01.2007	2,000.00
- तदैव -	एफडी /01/003157	23.03.2006	22.09.2006	500.00
- तदैव -	एफडी /01/003158	23.03.2006	22.09.2006	500.00
- तदैव -	एफडी /01/003159	23.03.2006	22.09.2006	500.00
कुल				10,175.10

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule-B

Technology Development Board

Details of Short Term Deposits from Fund for Technology Development and Application as on 31st March, 2006

(in Rupees)

Name of the Bank	FDR No.	FDR Date	Date of Maturity	Amount (Rupees in Lakhs)
Union Bank of India, DST Branch, New Delhi,- Flexi Account	-	-	-	3,075.10
Bank of India, C.R.Park, New Delhi- Fixed Deposit	4126186	31.03.2006	30.06.2006	100.00
Canara Bank, Shaheed Jit Singh Marg, New Delhi- Fixed Deposit	FD/01/00777	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- do -	FD/01/00778	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- do -	FD/01/00779	04.01.2006	04.04.2006	500.00
- do -	FD/01/002884	05.01.2006	04.01.2007	1,000.00
- do -	FD/01/002989	30.01.2006	30.01.2007	500.00
- do -	FD/01/002990	30.01.2006	30.01.2007	500.00
- do -	FD/01/002991	30.01.2006	30.01.2007	2,000.00
- do -	FD/01/003157	23.03.2006	22.09.2006	500.00
- do -	FD/01/003158	23.03.2006	22.09.2006	500.00
- do -	FD/01/003159	23.03.2006	22.09.2006	500.00
TOTAL				**10,175.10**

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां और लेखाओं पर टिप्पणी - 2005 - 06

क. लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां

1. पावतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन - देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकार्ड रखा जाता है।

2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकार्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित व्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है ; तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई हो।

3. जारी किए गए अनुदानों को किए गए संवितरणों के आधार पर दर्शाया गया है।

4. अवमूल्यन को डिमिनिशिंग (ह्रासमान) बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष के आरंभ के समय निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) के आरंभिक जमा (ओपनिंग बैलेंस) पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/ बेची गई/ स्थानांतरित/ अलग की गई निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता है। निर्धारित परिसंपत्तियों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।

5. रायल्टी संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते हैं।

6. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।

7. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, रायल्टी, अनुदानों और किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस शीट) तैयार किया गया है।

8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है। अल्पावधि जमा पर ब्याज को आवतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेख और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए हैं।

10. स्टाक का सत्यापन (वेरिफिकेशन) वार्षिक आधार पर किया जाता है।

11. आंकड़ों को निकटतम रूपए में पूर्वांकित (राउंडेड आफ) किया गया है।

Technology Development Board

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2005-06

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Grants released have been shown on the basis of disbursements made.

4. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition

5. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

6. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

7. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

ख. लेखाओं पर टिप्पणियां

1. तुलन पत्र में देयताओं में स्थापना व्ययों के लिए 432.70 लाख रू. की राशि दर्शाई गई है और इसे केन्द्र सरकार के अनुदानों में से काट लिया गया है। यह स्थापना व्यय के अंतर्गत 432.70 लाख रू. के व्यय के अनुरूप है जो आय तथा व्यय खाते में बट्टे खाते में डाले गए कुल 161.97 लाख रू. के ऋण, ब्याज तथा अवमूल्य को छोड़कर है।

2. 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा 6950.28 लाख रू. का दिया गया ऋण बकाया है (ऋण परिशोधन देय हो चुका है परन्तु अभी राशि प्राप्त नहीं हुई है) । इसके अलावा, 1689.79 लाख रू. का साधारण ब्याज, ऋण पर 1973.74 लाख रू. का अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में 407.83 लाख रू. भी देय थे। इस प्रकार लाभ प्राप्तकर्ताओं के पास 11021.64 लाख रू. की देनदारी थी किन्तु वह 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है। कंपनियों के साथ हिसाब - किताब तय हो जाने के कारण 156.68 लाख रू. की राशि का अधित्याग किया गया है।

3. टी डी बी ने जुलाई 2000 में यू टी आई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा संचालित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम इकाई योजना में 25 करोड़ रू. तक के अंशदान पर सहमति व्यक्त की थी। टी डी बी की इस प्रकार भागीदारी से प्रौद्योगिकी विकास एवं वाणिज्यीकरण के उद्देश्य को बढ़ावा मिलेगा और अन्य संगठनों को प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमों के संवर्धन के लिए अपनी निधियों का निवेश करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना का टी डी बी, एक्सिम बैंक, एल आई सी, यू टी आई तथा कुछेक अग्रणी बैंकों जो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं से 115 करोड़ की कुल वचनबद्धता प्राप्त हुई है जिसके फलस्वरूप यू टी आई वी एफ द्वारा लगभग 20 पोर्टफोलियो कंपनियों से निवेश कराया गया। टी डी बी की भागीदारी 31 मार्च, 2006 तक 25.00 करोड़ रू. की सीमा तक थी और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। स्टाफ एक्सचेंज में यह सूचीबद्ध नहीं है, टी डी बी ने 31.3.2006 तक यू टी आई वी एफ से 15 करोड़ रू. (वर्ष 2004 - 05 में 3.69 करोड़ रू. और वर्ष 2005 - 06 में 11.31 करोड़ रू.) प्राप्त किए जो पूंजी निधि का 60 % वितरण है। निधि का लेखा परीक्षण एन ए वी 31 मार्च, 2006 को 100/- रू. की प्रति इकाई पर 342.91 रू. था।

4. टी डी बी द्वारा मार्च, 2005 में यू टी आई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा संचालित एसेंट इंडिया फंड में 75 करोड़ रू. तक की हिस्सेदारी पर सहमति व्यक्त की गई। टी डी बी की भागीदारी के परिणामस्वरूप ज्ञान आधारित उद्योगों में पोर्टफोलियो कंपनियों की पर्याप्त संख्या द्वारा सार्थक निवेश किया जाएगा। इसके अलावा टी डी बी को उद्यमियों तक पहुंचने, नई प्रौद्योगिकियों, तेजी से विकास कर रही कंपनियों और यू टी आई उद्यम निधियों से संपर्क का अवसर उपलब्ध होगा। एसेंट इंडिया फंड द्वारा आरंभिक स्तर के प्रौद्योगिकी अभिमुखी उद्यमों को इक्विटी उपलबध कराई जाएगी। लिवरेज टी डी बी के प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी क्षेत्रों में वित्तपोषण का कम से कम तीन गुना है क्योंकि इसकी निधि 300 करोड़ की है। टी डी बी द्वारा 31 मार्च, 2006 तक एसेंट इंडिया फंड को 39.30 करोड़ रू. जारी किया गया है और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। स्टाक एक्सचेंज में इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। निधि का लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2006 को 100/- रू. की प्रति इकाई पर 93.00 रू. था।

5. टी डी बी ने अगस्त, 2004 में ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लि., हैदराबाद के साथ एक सह - निवेश करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे टी डी बी को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पहचान की गई कंपनियों में इक्विटी का सह - निवेश करना सुगमीकृत होगा। यद्यपि टी डी बी द्वारा पहले की तरह ही किसी भी क्षेत्र में परियोजनाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता उपलबध कराना जारी रहेगा, ए पी आई डी सी वी सी एल के साथ व्यवस्था द्वारा टी डी बी कहीं भी उपलब्ध निधियों की सुगम्यता में समर्थ हो सकेगा। जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि की एल आई सी, साधारण बीमा और कुछ व्यवसायिक बैंकों द्वारा

B. Notes on Accounts

1. In the Balance Sheet, on the Liabilities side, a sum of Rs. 432.70 lakhs for Establishment expenses is shown and is reduced from Grants from Central Government. This corresponds to the expenditure of Rs. 432.70 lakhs under Establishment expenses, excluding writing off of Loan, Interest and Depreciation totaling to Rs. 161.97 lakhs, in the Income and Expenditure Account.

2. As on 31st March 2006, the Technology Development Board has an outstanding loan (repayment due but not received) amounting to Rs. 6950.28 lakhs. In addition, simple interest of Rs. 1689.79 lakhs, additional interest on loan amounting to Rs. 1973.74 lakhs and Rs. 407.83 lakhs as additional interest on simple interest, were also due. Thus, sum of Rs. 11021.64 lakhs was due from the beneficiaries but have not been received as on 31st March 2006. An amount of Rs. 156.68 lakhs has been waived off on account of settlement with companies.

3. TDB had agreed in July 2000 to participate upto Rs. 25 crores in the India Technology Venture Unit Scheme administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore. TDB's participation would further the objective of technology development and commercialization and would leverage others to commit their funds for promoting technology based ventures. The Scheme has received a total commitment of Rs. 115 crores from TDB, EXIM Bank, LIC, UTI, and a few leading PSU banks, thereby enabling investment in around 20 portfolio companies by UTIVF. The participation by TDB has been to the extent of Rs. 25.00 crores till 31st March 2006 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange, TDB has received Rs.15 crores till 31.03.06 (Rs. 3.69 crores in 2004-05 and 11.31 crores in 2005-06) from UTIVF being the distribution of 60 percent of the fund's capital. The audited NAV of the fund was Rs. 342.91per unit of Rs. 100/- on 31st March 2006.

4. TDB has agreed in March 2005 to participate up to Rs. 75 crores in the Ascent India Fund administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore. TDB's participation would result in meaningful investments in adequate number of portfolio companies in the Knowledge based industries besides giving TDB an opportunity to access to entrepreneurs, new technologies, fast growing companies and the networks of UTI Venture Funds. Ascent India Fund would provide equity to early stage technology oriented ventures. The leverage is at least 3 times the TDB's funding in technology and technology related sectors as the size of the fund would be Rs. 300 crores. TDB has released Rs. 39.30 crores to Ascent India Fund till 31st March 2006 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange. The audited NAV of the fund was Rs. 93.00 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2006.

5. TDB signed a co- investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad in August, 2004.This would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. While TDB will continue to provide directly financial assistance to projects in any sector as before, the arrangement with APIDC VCL will enable TDB to access the funds available elsewhere. The

खरीदा गया है। निधि का संचालन ए पी आई डी सी वी सी एल, हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है। टी डी बी द्वारा चार वर्षों की अवधि के लिये 30 करोड़ रूपये तक की आकार 60 करोड़ रूपये होगा। टी डी बी द्वारा 31.3.2006 तक 18.18 करोड़ रूपये जारी किये गये हैं।

6. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से सम्बंधित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन देन के मद में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) के दस्तावेजों में बकाये राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास के अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 के अनुसार बोर्ड को हस्तान्तरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष के लिये बोर्ड के साथ निहित आई डी बी आई की उद्यम पूंजी निधि का तुलन पत्र (बैलेंस सीट) इस व-र्ा के तुलन पत्र में शामिल किया गया है। तुलन पत्र में आई डी बी आई के वी सी एफ से सम्बंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

7. (i) टी डी बी द्वारा 1000 रूपये प्रत्येक शेयर की दर से 59000 इक्वीटी शेयर खरीदे गये थे जो मेसर्स ट्वेंटी फर्स्ट सेन्चुरी बैट्री लिमिटेड के 590 लाख रूपये के बराबर था। कंपनी के शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचिबद्ध नहीं किया है। निवेशों को लागत में दर्शाया गया है।

(ii) मेसर्स निक्को कॉरपोरेशन लि. को 1846 लाख रूपये की टी डी बी की ऋण की राशि को 100 रूपये प्रत्येक शेयर के बराबर 18,46,000 क्युम्युलेटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों में परिवर्तित करने की अनुमति दी गई। क्युम्युलेटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचिबद्ध नहीं किया गया है। निवेशों को लागत में दर्शाया गया है। इन शेयरों पर डीवीडेंड उपलब्ध नहीं कराया गया है।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (वित्त एवं प्रशा.)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Biotechnology Venture Fund has been subscribed by LIC, general insurance and some commercial banks. The fund is being operated by APIDC VCL, Hyderabad. TDB has committed up to Rs. 30 crores over a period of four years. The size of the fund would be Rs. 60 crores. TDB has released Rs. 18.18 crores up to 31.3.06.

6. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2006 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

7. (i) TDB had subscribed in 59000 equity shares of Rs.1000/-each at par amounting to Rs. 590 lakhs of M/s Twenty First Century Battery Limited. The shares of the company are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost.

(ii) M/s Nicco Corporation Limited was allowed conversion of TDB's loan amounting to Rs. 1846 lakhs into 18,46,000 Cumulative Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at par. The Cumulative Redeemable Preference Shares are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost. The dividend on these shares has not been provided.

(Anand S. Khati)
Director (F&A)
Technology Development Board

(Dinesh Sharma)
Secretary
Technology Development Board

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

लेखा परीक्षण प्रमाण पत्र

कार्यालय प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा
वैज्ञानिक विभाग, ए जी सी आर भवन
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली - 110002

मैंने 31 मार्च, 2006 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड संलग्न तुलन और उस तिथि को समाप्त हो रहे वर्ष का आय और व्यय का लेखा, प्राप्तियों और भुगतानों के लेखों को लेखा परीक्षण किया। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का दायित्व बोर्ड प्रबंधन का है। मेरा दायित्व इन वित्तीय विवरणों पर मेरे द्वारा लेखा परीक्षण के आधार पर राय व्यक्त करना है।

मैंने सामान्यतः भारत में स्वीकार्य लागू नियमों और लेखा परीक्षा मानदण्डों के अनुसार लेखा परीक्षा संचालित की है। ये मानदण्ड यह अपेक्षा करते हैं कि मैं वित्तीय विवरण को अयथार्थ सामग्री से मुक्त होने बाबत उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना तैयार करूं और लेखा परीक्षा निष्पादित करूं। लेखा परीक्षा में परीक्षा अधार पर जांच - पड़ताल, धनराशि को पुष्टि करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण शामिल है। मुझे विश्वास है कि मेरी लेखा परीक्षा में मेरी राय के लिए औचित्यपूर्ण आधार है।

हमारे द्वारा लेखा परीक्षा के आधार पर मेरी रिपोर्ट है कि:

1. मैंने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किये जो हमारे द्वारा लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

2. नीचे दिये गये मुख्य प्रेक्षणों और इसके साथ संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट में दिये गये विस्तृत प्रेक्षणों की शर्त पर मैं रिपोर्ट करता हूं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय तथा व्यय लेखे/ प्राप्तियों और भुगतानों के लेखे, लेखा बहियों के अनुसरण उचित ढंग से तैयार किये गये हैं।

(क) 31 मार्च, 2006 को परिसम्पत्तियां 336.93 लाख रूपये कम आकलन कर बतायी गयी थी।

3. मेरी राय में और मेरी सूचना तथा मुझे दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार:

(i) सूचना देने वाले लेखों की लेखों को निर्धारित प्रपत्र होने की अपेक्षा होती है:

(ii) उक्त तुलन पत्र, आय और व्यय लेखे/ प्राप्तियों और भुगतानों के लेखों को लेखा नीतियों और उस पर नोटों को और उपर कहे गये महत्वपूर्ण मामलों की शर्त पर तथा इसके साथ संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित अन्य मामलों के साथ पठित यथा तथ्य और उचित दृष्टिकोण व्यक्त करते हैं।

क. जहां तक 31 मार्च, 2006 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के कार्यों के तुलनपत्र का संबंध है ; और

ख. जहां तक यह उस तिथि को समाप्त हो रहे वर्ष के आधिक्य आय और व्यय लेखे से संबंधित है।

स्थानः
दिनांकः

प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
वैज्ञानाक विभाग

Audit Certificate

O/o Principal Director of
Audit Scientific Departments
AGCR Building, Indraprastha Estate,
New Delhi-110002

I have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board as at 31st March, 2006 and the Income and Expenditure Account, Receipts and Payments Account for the year ended on that date. Preparation of these financial statements is the responsibility of the Board's management. My responsibility is to express an opinion on these financial statements based on my audit.

I have conducted my audit in accordance with applicable rules and the auditing standards generally accepted in India. These standards require that I plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statement is free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. I believe that my audit provides a reasonable basis for my opinion.

Based on our audit, I report that:

1. I have obtained all the information and explanation, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit:

2. Subject to the major observations given below and detailed observations in the Audit Report annexed herewith, I report that the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account/ Receipt and Payments Account dealt with by this report are properly drawn up and are in agreement with the books of accounts.

(a) The assets were understated by Rs. 336.93 lakh as on 31st March 2006

3. In my opinion and to the best of my information and according to the explanations given to me:

(i) The accounts give the information required under the prescribed format of accounts;

(ii) The said Balance Sheet, Income and Expenditure Account/Receipt and Payments Account read together with the Accounting policies and Notes thereon and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in the Audit Report annexed herewith, give a true and fair view.

a. In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the Technology Development Board as at 31st March 2006; and

b. In so far as it relates to the Income and Expenditure Account of the surplus the year ended on that date.

Sd/-
Principal Director of Audit
Scientific Departments

Place:
Date:

वर्ष 2005–2006 प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी), नई दिल्ली के लेखों पर परीक्षण प्रमाण पत्र

प्रस्तावना

भारत सरकार ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के तहत सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया। टी डी बी औद्योगिकी कम्पनियों और अन्य एजेंसियों को ऋण सहायता मुहैया कराता है। वैकल्पिक रूप से टी डी बी औद्योगिक कम्पनियों को इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान देता है।

टी डी बी के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की (ड्यूटियों, शक्तियों और सेवा शर्तों) अधिनियम, 1971 की अधारा 19 (2) तथा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 13 (3) के साथ पठित के तहत की जाती है। टी डी बी मुख्यतः केन्द्र सरकार से अनुदान के द्वारा वित्त व्यवस्था करता है और वर्ष 2005 - 06 के दौरान इसने 42.66 करोड़ रूपये की अनुदान सहायता प्राप्त की तथा उसका पूर्ण उपयोग किया गया।

लेखों पर टिप्पणियां

2. तुलन पत्र

2.1 परिसम्पत्ति

2.1.1 परिसम्पत्तियों के विवरण में अपूर्णता

टी डी बी ने अपने लेखों पर लेखाकरण नीति और नोटों में कहा है कि प्राप्ति और भुगतान लेखा तथा तुलन पत्र में प्राप्ति आधार पर रायल्टी ली गयी है। यह व्यवहार केवल उन मामलों में वैध है जहां रायल्टी बिक्री आधार देय होती है। लेकिन जहां एक बारगी निर्धारण (ओ टी एस) किया गया हो और रायल्टी की एक निर्धारित धनराशि बिक्री की धनराशि के निरपेक्ष अग्रिम में निर्धारित कर दी गयी हो, धनराशि देय है परन्तु प्राप्त नहीं की गयी है इस बाबत इसे इस पर उपार्जित ब्याज के साथ - साथ बकाया रायल्टी के रूप में तुलन पत्र में दर्शाया जाना चाहिए। तथा यह प्रेक्षित किया गया कि निम्नलिखित मामलों में बकाया रायल्टी के साथ - साथ इस पर उपार्जित ब्याज तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया है।

(i) टी डी बी ने 1998 - 99 और 2005 - 06 के दौरान दो परियोजनाओं के तहत मै. सेलको इण्टरनेशनल लि. को 2062.70 लाख रूपये की ऋण सहायता स्वीकृत की। करार के अनुसार कम्पनी को एक परियोजना के तहत पांच वर्ष की अवधि के लिए अक्तूबर 2004 से प्रति वर्ष 12 लाख रूपये की दर से रायल्टी का भुगतान करना था। दूसरी परियोजना के लिए इसे 5 वर्षों के लिए अक्तूबर 2004 से प्रतिवर्ष 28 लाख रूपये की दर से रायलटी का भुगतान करना था। इस प्रकार दोनों परियोजनाओं के तहत मार्च 2006 तक 80.00 लाख रूपये रायलटी के रूप में देय थे। इसमें से कम्पनी ने 76.96 लाख रूपये शेष छोड़ते हुए रायल्टी बाबत 3.04 लाख रूपये का भुगतान किया।

(ii) टी डी बी ने 2001 - 04 के दौरान श्रीराम ऊर्जा प्रणालियां लिमि. हैदराबाद को 1885.00 लाख रूपये की ऋण सहायता मुहैया की। करार के अनुसार पांच वर्षों की अवधि के लिए दिसम्बर 2004 से टी डी बी को 30 लाख रूपये प्रति वर्ष की दर से रायल्टी का भुगतान किया जाना था। कम्पनी ने अब तक टी डी बी को कोई भुगतान नहीं किया

Audit Report on the accounts of the Technology Development Board (TDB), New Delhi for the year 2005-06

Introduction

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996 under the Technology Development Board Act, 1995, for the Development and commercialization of indigenous technology or adopting imported technology for wider domestic application. TDB provides loan assistance to industrial concerns and other agencies. Alternatively, TDB also subscribes by way of equity capital to industrial concerns.

The audit of annual accounts of TDB has been conducted under section 19(2)of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971 read with Section 13(3) of the Technology Development Board Act, 1995. TDB is mainly financed by grant from the Central Government and during the year 2005-06, it received a grant of Rs. 42.66 crores which was fully utilized.

Comments on Accounts

2 Balance Sheet

2.1 Assets

2.1.1 Understatement of assets

TDB stated in its Accounting Policy and Notes on Accounts that the royalty has been taken on receipt basis in the Receipt and Payment Account and Balance Sheet. This treatment is valid only in cases where royalty was payable on sale basis. But where One Time Settlement (OTS) has been done and a certain amount of royalty has been fixed in advance irrespective of the amount of sale, the amount due but not received should have been shown in the Balance Sheet as outstanding royalty along with accrued interest on it. It was, however, observed that in the following cases outstanding royalty along with accrued interest on it has not been shown in the Balance Sheet:

(i) TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 2062.70 lakhs to M/s Selco International Ltd., Hyderabad during 1998-99 and 2005-06 under two projects. As per the agreement, the company was to pay royalty @ Rs. 12 lakh per annum from October 2004 for a period of five years under one project. For the other project, it was to pay royalty @ Rs. 28 lakh per annum from October 2004 for a period of 5 years. Thus, royalty of Rs. 80.00 lakh was due as of March 2006 under both the projects. Out of this, the company had paid Rs. 3.04 lakh towards royalty leaving a balance of Rs. 76.96lakhs.

(ii) TDB provided loan assistance of Rs. 1885.00 lakh to Shriram Energy Systems Ltd., Hyderabad during 2001-04. As per agreement, royalty@ Rs. 30 lakh per annum was to be paid to TDB from December 2004 for period of five years. The Company has not made any payment

और इस लेखे में मार्च 2006 को 60.00 लाख रूपये बकाया थे।

(iii) 2002 - 05 के दौरान मै. पिकोपेरा सिंप्यूटर्स प्रा. लि. को टी डी बी ने 200 लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत किया। करार के अनुसार टी डी बी को सिंप्यूटस के बिक्री मूल्य के एक प्रतिशत की राशि के भुगतान पर सहमति हुई थी और उस धनराशि का, अनुदान सहायता का भुगतान बराबर हो जाने तक प्रत्येक वर्ष किया जाना था। कम्पनी ने टी डी बी को रायल्टी के रूप में 3.01 लाख रूपये का भुगतान किया था। मै. पिकोपेटा को किसी अन्य कम्पनी द्वारा अभिग्रहीत कर लिया गया है और विचार - विमर्श के पश्चात प्रोत्साहक टी डी बी को 10 किस्तों में 196.99 लाख रूपये के समग्र शेष धनराशि को वापस करने पर राजी हुए (i) कंपनी द्वारा जनवरी, 2006 में 10 लाख रूपये का भुगतान किया गया तथा 31/3/2006 को कम्पनी पर 186.99 लाख रूपये की धनराशि बकाया थी।

इस प्रकार उपर्युक्त मामलों में वसूली योग्य परिसम्पत्तियों में 323.95 लाख रूपये तक की धनराशि को क्या बताया गया।

जहां तक उपर्युक्त (i) और (ii) का संबंध है टी डी बी ने कहा है कि रायल्टी संबंधी भुगतान प्राप्ति आधार पर लिखे जाते हैं और इस प्रकार बकाया रायलटी यद्यपि निर्धारित है लेकिन प्राप्त नहीं हुई और उसे लेखे में लिया जाना अपेक्षित नहीं है। टी डी बी का यह उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि एक बारगी निर्धारण किये जाते समय कंपनी को अन्य छूट की अनुमति देने के पश्चात रायल्टी की कुछ धनराशि को अग्रिम रूप से फिक्स्ड कर दिया गया है। यह लाभार्थी कम्पनियों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी भुगतान योग्य धनराशि है। जहां तक उपर्युक्त (iii) का संबंध है टी डी बी ने कहा है कि इसने रायल्टी शीघ्र भुगतान का प्रबंध किया और इसे रायल्टी। अनुदान को ऋण में परिवर्तित नहीं कयि है उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि कंपनी और प्रोत्सापहकों द्वारा कंपनी को अभिग्रहीत करने के पश्चात समग्र बकाया ऋण को लौटाने पर सहमति व्यक्त की थी। कम्पनी ने 196.99 लाख रूपये की धनराशि के पोस्टडेटेड चेक भी प्रस्तुत किये थे। जिसमें से 10 लाख रूपये के चैकों को भुना लिया गया है। चूंकि यह बकाया ऋण था इसे सत्य और स्पष्ट स्थिति को दर्शाने के लिए तुलन पत्र में दर्शाया जाना चाहिए।

2.1.2 विलंबित रायल्टी पर दण्डात्मक ब्याजः

करार के अनुसार कंपनी को देय तिथि को निर्धारित दर पर रायल्टी का भुगतान करना अपेक्षित था, असफल रहने पर रायल्टी के विलंबित भुगतान पर निर्धारित दर पर दण्डात्मक ब्याज लगाया जाना था। रिकोर्डों की जांच करने पर पता चला कि विलंबित रायल्टी पर 12.98 लाख रूपये का दण्डात्मक ब्याज देना था। तथापि टी डी बी ने इसे तुलन पत्र में नहीं दर्शाया। परिणामस्वरूप परिसम्पत्तियां उसी मात्रा में होने का पता चलता है।

3. सामान्य

जी पी एफ/ सी पी एफ/ सी जी ई जी आई एस/ एच बी ए/ एम बी ए आदि के अन्य विभागीय लेखों में की गयी वसूलियों प्राप्ति और भुगतान लेखों में प्रेषण शीर्ष वहत प्राप्ति के रूप में दर्शाया जाना था। तथा प्रेषण को व्यय के रूप में दर्शाया जाना था। रिकार्डों से पता चलता है कि टी डी बी ने इस प्रकार प्राप्त 5.60 लाख रूपये की धनराशि को प्राप्ति और भुगतान लेखे में नहीं दर्शाया।

4. वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षा टिप्पणी का प्रभाव

पूर्व पैराग्राफों में दी गयी टिप्पणियों का निबल प्रभाव है कि 31 मार्च, 2006 को परिसम्पत्तियों को 336.93 लाख रूपये कम आंककर बताया गया।

प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
(वैज्ञानिक प्रभाग)

to TDB so far and Rs. 60.00 lakh was outstanding as of March 2006 on this account.

(iii) TDB sanctioned a grant of Rs. 200 lakh to M/s Picopeta Simputers Pvt. Ltd. during 2002-05. As per the agreement, the company had agreed to part with one percent on the sale price of simputer to TDB and that amount shall be paid every year until such payment equals to the grants assistance. The company had paid Rs. 3.01 lakh as royalty to TDB. M/s Picopeta had been taken over by another company and the promoters, after discussion, have agreed to return the entire balance of Rs. 196.99 lakh in ten installments to TDB. The Company had paid Rs. 10 lakh in January 2006 and an amount of Rs. 186.99 lakh was outstanding on the firm as on 31.3.2006. The company had also submitted 10 post dated cheques amounting to Rs. 196.99 lakh, out of which cheques for Rs. 10 lakh have been encashed. Since it was an outstanding loan, it should have been shown in the balance sheet to exhibit a true and fair picture.

Thus, the assets- Receivables- were understated to the extent of Rs. 323.95 lakh in above cases.

As regards (i) and (ii) above, TDB stated that the royalty payments are taken on receipt basis and thus, the outstanding royalty though fixed, but not received, is not required to be accounted for. The reply of TDB is not tenable because while arriving at the one time settlement, certain amount of royalty has been fixed in advance after allowing other concessions to the firm. It is an agreed payable amount by the beneficiary companies. As regards (iii) above, TDB stated that it had negotiated the early payment of royalty and has not converted royalty/grant into loan. The reply is not acceptable because the company and promoters after taking over the firm had agreed to return the entire loan outstanding.

2.1.2 Penal interest on delayed royalties :

As per agreement, the firms were required to pay royalty at the prescribed rate on the due date, failing which penal interest was to be levied at the prescribed rate on the delayed payment of royalty. Examination of records revealed that penal interest of Rs. 12.98 lakhs was due on delayed royalties. TDB, however, did not reflect it in the Balance Sheet. As a result, the assets were understated to the same extent.

3. General

Recoveries made on behalf of other department's account of GPF/CPF/CGEGIS/ HBA/MCA etc. were to be reflected as receipt under the head remittance in the Receipt and Payment Accounts and on remittance to be shown as expenditure. Records revealed that TDB did not show an amount of Rs. 5.60 lakh received as such in the Receipt and Payment Account.

4. Effect of Audit comment on Annual Accounts

The net impact of the comments given in proceeding paras is that assets were understated by Rs. 336.93 lakh as on 31 March 2006

Principal Director of Audit
(Scientific Division)

वर्ष 2005–2006 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी), नई दिल्ली के लेखों पर लेखा परीक्षण

लेखाओं पर लेखा परीक्षा (आडिट) की टिप्पणियां	टी डी बी के उत्तर
2. तुलन पत्र (बैलेंस शीट)	
2.1 परिसंपत्ति	
2.1.1 परिसंपत्ति की न्यूनोक्ति (अंडरस्टेटमेंट)	
टी डी बी द्वारा अपनी लेखा संबंधी नीति और टिप्पणियों में बताया गया है कि रायल्टी पावती एवं भुगतान लेखा तथा तुलन पत्र में पावती आधार पर ली गई है। यह प्रक्रिया केवल उन मामलों में वैध है जहां रायल्टी विक्रय आधार पर देय था। लेकिन जहां एक मुश्त निपटान (ओ टी एस) किया गया है और रायल्टी विक्रय की कोई राशि पहले से निर्धारित की गई है भले ही विक्रय की राशि कुछ भी हो, देय राशि किन्तु जिसका भुगतान नहीं किया गया है को तुलन पत्र में बकाया रायल्टी के रूप में इस पर उपार्जित ब्याज के साथ दर्शाया जाना चाहिए। तथापि यह पाया गया कि निम्नलिखित मामलों में बकाया रायल्टी को इस पर उपार्जित ब्याज के साथ तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया है।	टी डी बी द्वारा अपनी लेखा संबंधी नीति और टी डी बी की प्रमुख लेखा संबंधी नीति में सदैव यह दर्शाया गया है कि रायल्टी के भुगतान को तुलन पत्र में पावती एवं भुगतान लेखा में पावती आधार पर लिया जाएगा। इसी नीति को अनुसूची ग के अंतर्गत क्रम सं. 5 के भाग क में उल्लिखित किया गया है।
(i) टी डी बी द्वारा मेसर्स सेल्को इंटरनेशनल लि., हैदराबाद को वर्ष 1998 - 99 और वर्ष 2005 - 06 के दौरान दो परियोजनाओं के अंतर्गत 2062 .70 लाख रु. की ऋण सहायता स्वीकृत की गई। करारों के अनुसार कंपनी को अक्तूबर, 2004 से 5 वर्षों की अवधि के लिए एक परियोजना के अंतर्गत 12.00 लाख प्रति वर्ष की दर से रायल्टी का भुगतान करना था। इसकी परियोजना के	जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, रायल्टी संबंधी भुगतान पावती आधार पर लिए जाते हैं। कंपनी द्वारा टी डी बी के साथ ओ टी एस करार पर अभी हस्ताक्षर किया जाना शेष है। रायल्टी का भुगतान जब कभी भी ओ टी एस करार के अनुसार प्राप्त हो जाएगा, इसे अगले वर्ष के लेखे में विधिवत रूप से दर्शाया जाएगा।

Audit Report on the accounts of the Technology Development Board (TDB), New Delhi for the year 2005-06

Audit Comments on Accounts	TDB Replies
2. Balance Sheet	
2.1 Assets	
2.1.1 Understatement of asset	
TDB stated in its Accounting Policy and Notes on Accounts that the royalty has been taken on receipt basis in Receipt and Payment Account and Balance Sheet. This treatment is valid only in cases where royalty was payable on sale basis. But where One Time Settlement (OTS) has been done and a certain amount of royalty has been fixed in advance, irrespective of the amount of sales, the amount due but not paid should have been shown in the Balance Sheet as outstanding royalty along with accrued interest on it. It was, however, noticed that in the following cases outstanding royalty along with accrued interest on it has not been shown in the Balance Sheet:	The Significant Accounting Policy of TDB has always reflected that the royalty payment would be taken on receipt basis in Receipt and Payment Account in the Balance Sheet. The same policy has been duly reflected at Sr. No. 5 Part A under Schedule C.
(i) TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 2062.70 lakh to M/s. Selco International Ltd., Hyderabad during 1998-99 and 2005-06 under two projects. As per the agreements, the company was to pay royalty @ Rs. 12.00 lakh per annum from October 2004 for a period of five years under one project. For the other	As indicated above, the royalty payments are taken on the receipt basis. The OTS agreement is still to be signed by the company with TDB. The royalty payment as and when received in accordance with OTS agreement will be duly reflected in the next year's accounts.

लिए इसे अक्तूबर 2004 से 5 वर्षों के लिए 28.00 लाख रू. प्रति वर्ष की दर से रायल्टी का भुगतान करना था। इस प्रकार इन दोनों परियोजनाओं के अंतर्गत मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार 80 लाख रू. की रायलटी देय थी। इसमें से कंपनी ने रायल्टी के मद में केवल 3.04 लाख रू. का भुगतान किया है और 76.96 लाख रू. की राशि बकाया है।

(ii) टी डी बी द्वारा श्रीराम एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड हैदराबाद को वर्ष 2001 - 04 के दौरान 1885.00 लाख रू. की ऋण सहायता प्रदान की गई। करार के अनुसार टी डी बी को दिसम्बर, 2004 से 5 वर्षों के लिए 30 लाख रू. प्रति वर्ष की दर से रायल्टी का भुगतान किया जाना था।

कंपनी द्वारा टी डी बी को अभी तक कोई भुगतान नहीं किया गया है और इस मद में 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार 60.00 लाख रू. बकाया था।

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, रायल्टी संबंधी भुगतान पावती आधार पर लिए जाते हैं। कंपनी द्वारा टी डी बी के साथ ओ टी एस करार पर अभी हस्ताक्षर किया जाना शेष है। रायल्टी का भुगतान जब कभी भी ओ टी एस करार के अनुसार प्राप्त हो जाएगा, इसे अगले वर्ष के लेखे में विधिवत रूप से दाया जाएगा।

(iii) टी डी बी द्वारा वर्ष 2002 - 05 के दौरान मेसर्स पिकोपेटा सिंप्यूटर्स प्रा. लि. को 200.00 लाख रू. का अनुदान स्वीकृत किया गया। करार के अनुसार, कंपनी द्वारा सिम्प्यूटर के विक्रय मूल्य का एक प्रतिशत टी डी बी को देने की सहमति व्यक्त की गई और प्रत्येक वर्ष राशि का भुगतान तब तक किया जाएगा जब यह भुगतान ऋण सहायता के बराबर हो जाएगा। कंपनी ने टी डी बी को रायल्टी के रूप में 3.01 लाख रू. का भुगतान किया है। मेसर्स पिकोपेटा को दूसरी कंपनी द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और विचार - विमर्श के बाद प्रोन्नायकों द्वारा टी डी बी को दस किस्तों में 196.99 लाख रू. का पूरा बकाया चुकाने पर सहमति व्यक्त की गई है। कंपनी ने जनवरी, 2006 में 10.00 लाख रू. का भुगतान किया और 31.3.2006 की स्थिति के अनुसार इस फर्म पर 186.99 लाख रू. बकाया है।

इस प्रकार परिसंपत्ति की 323.95 लाख रू. तक की कम न्यूनोक्ति की गई।

कंपनी ने टी डी बी को भविष्य के रायल्टी भुगतानों के लिए त्रैमासिक रूप से भुनाने वाले पी डी सी दिए हैं। पी डी सी की कुल 196.99 लाख रू. की राशि को रायल्टी के रूप में माना जा सकता है। इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि कब का पी डी सी को भुनाने का समय होता है।

उपर्युक्त स्पष्टीकरणों को देखते हुए टी डी बी की वर्ष 2005 - 2006 की लेखाओं में परिसंपत्ति की कोई न्यूनोक्ति नहीं की गई ।

project, it was to pay royalty @ Rs. 28.00 lakh per annum from October 2004 for five years. Thus, royalty of Rs. 80.00 lakh was due as of March 2006 under both the projects. Out of this, the company had paid only Rs. 3.04 lakh towards royalty, leaving a balance of Rs. 76.96 lakh.

(ii) TDB provided loan assistance of Rs. 1885.00 lakh to Shriram Energy Systems Limited, Hyderabad during 2001-04. As per agreement, royalty @ Rs. 30.00 lakh per annum was to be paid to TDB from December 2004 for a period of five years.

The Company has not made any payment to TDB so far and Rs. 60.00 lakh was outstanding as of 31st March 2006 on this account

As indicated above, the royalty payments are taken on the receipt basis. The OTS agreement is still to be signed by the company with TDB. The royalty payment as and when received in accordance with OTS agreement will be duly reflected in next year's accounts.

(iii) TDB sanctioned a grant of Rs. 200.00 lakh to M/s. Picopeta Simputers Pvt. Ltd. during 2002-05. As per the agreement, the company has agreed to part with one percent on the sale price of simputer to TDB and that amount shall be paid every year until such payment equals the grants assistance. The company has paid Rs. 3.01 lakh as royalty to TDB. M/s. Picopeta had been taken over by another company and the promoters, after discussion, have agreed to return the entire balance of Rs. 196.99 lakh in ten installments to TDB. The Company had paid Rs. 10.00 lakh in January 2006 and an amount of Rs. 186.99 lakh was outstanding on the firm as on 31.03.2006.

Thus, the assets were understated to the extent of Rs. 323.95 lakh.

The company has given PDC's encashable quarterly starting from 01.01.2006 to 01.04.2008 to TDB towards future royalty payments. The total aggregate amount of PDC's of Rs. 196.99 lakhs can be treated as royalty. This is being taken into account as and when the PDC's are encashed.

In view of the above clarifications, there is no under statement of Assets in the accounts of TDB for the year 2005-06

2.1.2 विलंब से प्राप्त रायल्टियों पर दण्ड ब्याजः

करार के अनुसार, फर्म्स को निर्धारित तिथि को निर्धारित दर पर रायल्टी का भुगतान करना आवश्यक था। ऐसा न करने पर उनसे रायल्टी के विलंबित भुगतान पर निर्धारित दर पर दण्ड ब्याज लेने का प्रावधान था। अभिलेखों की जांच से पता चलता है कि विलंबित रायल्टियों पर 12.98 लाख रू. के दण्ड ब्याज की देनदारी थी। तथापि टी डी बी ने तुलन पत्र में इसका उल्लेख नहीं किया जिसके परिणाम स्वरूप परिसंपत्ति की उतनी ही राशि के बराबर न्यूनोक्ति की गई।

कृपया 2.1.1 (i) और (ii) का उत्तर देखें।

3. सामान्य

जी पी एफ/ सी पी एफ/ सी जी ई जी आई एस/ एच बी ए/ एम सी ए आदि के लिए अन्य विभागों की ओर से की गई अधिवसूली को पावती एवं भुगतान लेखाकों में वापस की गई राशि (रिमिटेंस) शीर्ष के अंतर्गत आवती के रूप में दर्शाया जाना था और वापस की गई राशि को व्यय के रूप में दर्शाया जाना था। अभिलेखों से पता चलता है कि टी डी बी ने इस प्रकार से प्राप्त 5.60 लाख रू. की राशि को पावती एवं भुगतान लेखे में नहीं दर्शाया।

भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

4. वार्षिक लेखे पर लेख परीक्षा की टिप्पणी के प्रभाव

प्रक्रियाधीन अनुच्छेदों (पैरा) में की गई टिप्पणियों का वास्तविक प्रभाव यह है कि 31.3.2006 की स्थिति के अनुसार 336.93 लाख रू. की राशि की न्यूनोक्ति की गई।

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र के पैरा 2 (क) में भी इसी बात का उल्लेख किया गया है।

कृपया ऊपर दी गई टिप्पणियां देखें।

2.1.2 **Penal interest on delayed royalties:**

As per agreement, the firms were required to pay royalty at the prescribed rate on the due date, failing which penal interest was to be levied at the prescribed rate on the delayed payment of royalty. Examination of records revealed that penal interest of Rs. 12.98 lakh was due on delayed royalties. TDB, however, did not reflect it in the Balance Sheet; as a result, the assets were understated to the same extent.

Please see the reply at 2.1.1 (i) & (ii).

3. General

Recoveries made on behalf of other departments on account of GPF / CPF / CGEGIS / HBA / MCA, etc. were to be reflected as receipt under the head remittance in the Receipt and Payment Accounts and on remittance to be shown as expenditure. Records revealed that TDB did not show an amount of Rs. 5.60 lakh received as such in the Receipt and Payment Account.

Noted for future compliance.

4. Effects of Audit Comment on Annual Account

The net impact of comments given in proceeding paras is that assets were understated by Rs.336.93 lakh as on 31.03.2006.

Para 2 (a) of Audit Certificate also points out the same.

Please see the comments above.